Page 11 खेल

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10 देश

213 रन ठोकने वाली दिल्ली कैपिटल्स की तूफानी बल्लेबाज पर जुर्माना, लाइव मैच में...

परिसीमन ने बढ़ाई सिद्धारमैया की चिंता, बोले- दक्षिण भारत के राज्यों की घट जाएगी...

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • गुरूवार • 22 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 338 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

दावोस में सीएम हेमंत सोरेन से इंफोसिस ग्लोबल के ईवीपी की मुलाकात

तकनीक आधारित विकास पर सहयोग की सहमति

एजेंसी। रांची

स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से ग्लोबल इंफोसिस, कैलिफ़ोर्निया के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट आशीष कुमार दास ने मुलाकात की। इस अवसर पर झारखंड के दीर्घकालिक विकास विज़न और तकनीक आधारित विकास की दिशा में सहयोग की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इंफोसिस प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कार्यों और दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की। विशेष रूप से प्रतिभाओं के पुनः कौशल विकास (री-स्किलिंग), टेक्नोलॉजी टॉवर की परिकल्पना तथा उन्नत तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से खनन क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन को राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल बताया गया। बैठक में झारखंड के युवाओं को डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े कौशलों से सशक्त बनाने पर सहमति बनी। इस दिशा में इंफोसिस के विंग्सपैन प्लेटफॉर्म की संभावित भूमिका पर आगे विस्तार से चर्चा करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके साथ ही, खनन क्षेत्र में उत्पादकता, सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से इंफोसिस द्वारा विकसित एआई आधारित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समाधानों को प्रस्तुत करने पर भी सहमति बनी। इस संबंध में फरवरी माह में एक वर्चुअल सत्र आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया, जिसमें राज्य सरकार और इंफोसिस के तकनीकी विशेषज्ञ भाग लेंगे। इंफोसिस ग्लोबल की ओर से मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, मुख्य सचिव तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को इंफोसिस हाउस के भ्रमण का आमंत्रण भी दिया गया। इस दौरान कंपनी द्वारा विकसित अत्याधुनिक एआई आधारित नवाचारों और डिजिटल समाधानों का प्रदर्शन किया जाएगा। विज्ञप्ति में बताया गया कि यह बैठक झारखंड में डिजिटल परिवर्तन, कौशल विकास और तकनीक आधारित औद्योगिक प्रगति को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा रही है। दावोस में आईटी, एआई और अन्य उभरती तकनीकों को लेकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की लगातार हो रही बैठकों से युवा झारखंड को एक स्पष्ट और मजबूत विकास दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

झारखंड की मेगालिथिक विरासत को यूनेस्को मान्यता दिलाने पर मंत्री सुदिव्य का जोर, यूके में अंतरराष्ट्रीय विमर्श

रांची। झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, पर्यटन कला संस्कृति, खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार के नेतृत्व में झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) के दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों और विशेषज्ञ समूहों के साथ उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लिया। इन सभी बैठकों का केंद्रबिंदु झारखंड की प्राचीन मेगालिथ/मोनोलिथिक विरासत का संरक्षण, पुनर्स्थापन, वैज्ञानिक प्रबंधन और इसे वैश्विक पहचान दिलाने की रणनीति रहा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से बुधवार को जारी जानकारी के अनुसार, बैठकों में मेगालिथिक स्थलों के वैज्ञानिक दस्तावेज़ीकरण, संरचनात्मक संरक्षण, परिदृश्य (लैंडस्केप) प्रबंधन, जोखिम आकलन तथा अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने संरक्षण

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों संग बैठकों में वैज्ञानिक संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और दीर्घकालिक रोडमैप पर सहमति

कार्यों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग और चरणबद्ध कार्ययोजना पर बल दिया। बैठकों में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि झारखंड की यह विरासत केवल पुरातात्विक संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि आदिवासी समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इसलिए संरक्षण की किसी भी पहल में स्थानीय समुदायों की सार्थक और निरंतर भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि सांस्कृतिक संवेदनशीलता बनी रहे और संरक्षण टिकाऊ हो। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ संवाद के दौरान यह भी चर्चा हुई कि झारखंड की मेगालिथिक विरासत को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए एक ठोस, तथ्यपरक और विश्वसनीय प्रस्तुति (डोज़ियर) कैसे तैयार की जाए। इसके लिए मानचित्रण, ऐतिहासिक प्रमाण, संरक्षण की स्थिति और प्रबंधन ढांचे को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रस्तुत करने पर सहमति बनी। इन बैठकों के माध्यम से पुरातत्व, विरासत संरक्षण, इंजीनियरिंग और परामर्श के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का लाभ उठाने तथा संस्थागत क्षमता निर्माण के संभावित क्षेत्रों की पहचान की गई। राज्य सरकार विशेषज्ञ सुझावों के आधार पर एक स्पष्ट और व्यावहारिक रोडमैप तैयार करेगी। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य की अमूल्य मेगालिथिक/मोनोलिथिक विरासत के संरक्षण, पुनर्स्थापन और सतत प्रबंधन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार इस धरोहर को केवल अतीत की निशानी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने योग्य सांस्कृतिक धरोहर मानती है और इसके लिए वैज्ञानिक पद्धतियों, सामुदायिक सहभागिता तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से दीर्घकालिक प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत 18 मरीजों को मिली सहायता स्वीकृति

रांची। झारखंड सरकार ने 'मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना' के तहत गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत देते हुए राज्य के 18 मरीजों के इलाज की स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय झारखंड स्टेट आरोग्य सोसायटी (जसास) के कार्यकारी निदेशक छवि रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय समिति की बैठक में लिया गया। बैठक के बाद छवि रंजन ने बताया कि स्वीकृत लाभार्थियों की सूची में गंभीर रूप से कैंसर, किडनी रोग और रक्त कैंसर से पीड़ित मरीज शामिल हैं। कैंसर रोगियों में सरिता देवी (कोलन कैंसर पुनरावर्ती), शाहिना परवीन (सर्विक्स कैंसर), परेश कुमार शर्मा (मेटास्टेटिक एडेनोकार्सिनोमा), लक्ष्मी नाथ साहू (कैंसर सीए आरएमटी – दाहिनी ओर), लैलुन खातून (फेफड़े का कैंसर), उषा शर्मा (गॉलब्लैडर का एडेनो स्क्वैमस कार्सिनोमा), जब्साना कैबर्त्ता (रेक्टोवैजाइनल फिस्टुला सहित सर्विक्स कैंसर), मो. हारून रशीद (मेटास्टेटिक कोलन कैंसर), अफसाना खातून (मेटास्टेटिक पेट का कैंसर), मास्टर दिव्यांशु कुमार (मल्टीसिस्टम लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस), अजमुल अंसारी (मेटास्टेटिक फेफड़े का कैंसर), उर्मिला करुआ (स्टेज–फोर सर्विक्स कैंसर), सलमा परवीन (बाएं स्तन का कैंसर) और नर्गिस आरा (एडेनोकार्सिनोमा जीई जंक्शन) शामिल हैं। इसके अलावा किडनी ट्रांसप्लांट से संबंधित मरीजों में मंडीप कुमार, जीतबहन मछवा और आदित्य कुमार को योजना का लाभ दिया गया है। वहीं रक्त कैंसर से पीड़ित मरीजों की सूची में मिस राजनंदिनी कुमारी का नाम शामिल है। बैठक में जिला स्तरीय समिति द्वारा पांच लाख रुपये से अधिक और 20 लाख रुपये तक की अनुशंसा से जुड़े मामलों पर भी विचार किया गया। एक मरीज के इलाज के लिए 16 लाख रुपये की आवश्यकता को देखते हुए संबंधित प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के लिए भेजने का निर्णय लिया गया। आवेदन प्रक्रिया की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि कुछ मामलों में मरीजों की वर्तमान चिकित्सीय स्थिति का स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है। इस पर जसास के कार्यकारी निदेशक छवि रंजन ने सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिया कि वे मरीजों का भौतिक सत्यापन अथवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुष्टि सुनिश्चित करें। साथ ही, उपचार लागत के आकलन की जांच के बाद ही प्रस्ताव राज्य स्तरीय समिति को भेजने पर जोर दिया। बैठक में निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, अपर कार्यकारी निदेशक सीमा सिंह, जसास के महाप्रबंधक प्रवीण चंद्र मिश्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सीटें टूटी, टॉयलेट गंदे और बदबूदार खाने-पीने की गुणवत्ता भी खराब

नई दिल्ली। दिल्ली के जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एयर इंडिया को एक यात्री और उसकी बेटी को 1.5 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह फैसला एक लंबी अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान खराब सेवाओं को लेकर सुनाया। बता दें शैलेन्द्र भटनागर और उनकी बेटी ने सितंबर 2023 में एयर इंडिया की दिल्ली–न्यूयॉर्क–दिल्ली फ्लाइट से यात्रा की थी। उन्होंने मेकमायट्रिप के जरिए इकोनॉमी क्लास के टिकट बुक किए थे। यात्रियों ने शिकायत की थी कि उड़ान के दौरान उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। विमान की सीटें टूटी और असहज थीं। इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम काम नहीं कर रहा था। सीट के बटन और कॉल बटन भी खराब थे। इसके अलावा, टॉयलेट गंदे थे और उनमें बदबू आ रही थी। यात्रियों का कहना था कि खाने-पीने की गुणवत्ता भी बहुत खराब थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे बड़ी परेशानी बार-बार शिकायत करने के बाद भी केबिन क्रू ने कोई उचित मदद नहीं की। इससे यात्रियों को काफी मानसिक तनाव और असुविधा झेलनी पड़ी। उपभोक्ता आयोग ने माना कि यात्रियों से भारी किराया लिया गया था, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाएं नहीं दी गई। आयोग की अध्यक्ष और सदस्य ने कहा कि यह सेवा में स्पष्ट कमी है और यात्रियों को मुआवजा मिलना चाहिए।

9 बार अंतरिक्ष की यात्रा और 608 दिन स्पेस में बिताने का रिकार्ड बनाने वाली सुनीता हुई रिटायर

नई दिल्ली। अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाली भारतीय मूल की प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा को अलविदा कह दिया है। नासा ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि 27 वर्षों तक एजेंसी को अपनी सेवाएं देने के बाद विलियम्स की सेवानिवृत्ति पिछले साल 27 दिसंबर से प्रभावी हो गई है। यह घोषणा उस समय हुई है जब सुनीता विलियम्स वर्तमान में भारत के दौरे पर हैं और अपने पैतृक देश की यादें ताजा कर रही हैं। 1998 में नासा के लिए चुनी गईं विलियम्स ने अपने करियर के दौरान तीन महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों में हिस्सा लिया और कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए। उनके नाम 9 बार अंतरिक्ष में चहलकदमी (स्पेस वॉक) करने का रिकॉर्ड दर्ज है, जो कुल 62 घंटे 6 मिनट की रही। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री के लिए सबसे अधिक और नासा के इतिहास में चौथा बड़ा रिकॉर्ड है। इसके अतिरिक्त, वह अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ पूरी करने वाली दुनिया की पहली यात्री भी बनी थीं। अमेरिकी नौसेना की पूर्व कैप्टन रहीं सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो में हुआ था।

राज्यपाल को सरयू राय ने झारखंड भू-विरासत (जीवाश्म) विधेयक " का सौंपा प्रारूप

रांची। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय विधानसभा के आगामी बजट सत्र–2026 में एक गैर-सरकारी विधेयक के रूप में "झारखंड भू-विरासत (जीवाश्म) विधेयक" प्रस्तुत करने जा रहे हैं। यह विधेयक धन विधेयक के रूप में लाया जाएगा। सरयू राय ने बुधवार को बताया कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, किसी भी धन विधेयक को विधानसभा में पेश करने से पहले राज्यपाल की अनुमति आवश्यक होती है। इसी क्रम में उन्होंने बुधवार को विधेयक का प्रारूप झारखंड के राज्यपाल को सौंपते हुए इसे विधानसभा में प्रस्तुत करने की अनुमति देने का अनुरोध किया। सरयू राय के अनुसार, राज्यपाल ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वे इस विधेयक के प्रारूप को अनुशंसा के साथ राज्य सरकार को अग्रसारित करेंगे। राज्य सरकार और विधानसभा की ओर से उचित माध्यम से संचिका उनके पास आने पर वे इसे शीघ्र प्रस्तुत करने की मंजूरी प्रदान कर देंगे। सरयू राय ने इससे पूर्व मंगलवार को इस विधेयक का प्रारूप विधानसभा अध्यक्ष को भी सौंप दिया था और उन्हें आगामी बजट सत्र–2026 के दौरान इसे गैर-सरकारी विधेयक के रूप में सदन के समक्ष प्रस्तुत करने की सूचना दी थी। सरयू राय ने बताया कि झारखंड के राजमहल की पहाड़ियों, विशेषकर साहेबगंज और पाकुड़ जिलों में बड़ी संख्या में काष्ठ जीवाश्म (फॉसिल) खुले में बिखरे हुए हैं। खनन और अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण ये बहुमूल्य जीवाश्म तेजी से नष्ट हो रहे हैं, जबकि ये राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण भू-विरासत हैं। उन्होंने कहा कि इन जीवाश्मों के संरक्षण, संरक्षण-प्रबंधन और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक स्पष्ट कानूनी ढांचा आवश्यक है। इसी उद्देश्य से इस विधेयक के माध्यम से अधिनियम और नियमावली बनाने का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि झारखंड की भू-विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

स्पेन के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी। नई दिल्ली

स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रपति भवन में अल्बारेस का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और स्पेन के संबंध सदियों पुराने हैं, जिन्हें व्यापार, संस्कृति तथा लोकतंत्र और बहुलतावाद जैसे साझा मूल्यों ने समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि साल 2026 दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ का वर्ष है, जिसे 'भारत–स्पेन द्वैध वर्षः संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता' के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच आर्थिक संबंध निरंतर मजबूत हो रहे हैं तथा व्यापार और निवेश में विस्तार देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी सेवाओं और रक्षा एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में स्पेन की विशेषज्ञता भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

पीएम मोदी ने मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के स्थापना दिवस के मौके पर हार्दिक शुभकामनाएं दी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर भारत के तीन राज्यों मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर—के स्थापना दिवस के मौके पर राज्य के नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उन्होंने इन राज्यों की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, वीरता और विकास में योगदान की सराहना कर संबंधित संवैधानिक प्रमुखों और मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखे। इन पत्रों को राज्यों के नेताओं ने एक्स' पर साझा कर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा को लिखे पत्र में राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि खासी, गारो और जैंतिया समुदायों की परंपराएं मेघालय को विशिष्ट पहचान देती हैं। साथ ही, उन्होंने मेघालय के लोगों की प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2016 में शिलांग की अपनी यात्रा और स्वर्गीय पीए संगमा के नेतृत्व में राज्य की प्रगति को भी याद किया। वहीं त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा को भेजे पत्र में पीएम मोदी ने राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और वहां के लोगों की ऊर्जा की प्रशंसा की। उन्होंने 2025 में नवरात्रि के दौरान माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर में दर्शन और विकास कार्यों के निरीक्षण का उल्लेख किया। साथ ही, त्रिपुरा में आर्थिक सुधारों, बढ़ते निवेश और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों की भी प्रशंसा की। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य की कला, संस्कृति और खेल परंपरा को देश के लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में मणिपुर के योगदान, विशेष रूप से नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा तिरंगा फहराए जाने की ऐतिहासिक घटना को स्मरण किया।

राष्ट्रपति ने मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के लोगों को उनके राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देकर कहा कि इन राज्यों के उद्यमी और प्रतिभाशाली लोगों ने देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम के लागू होने के बाद, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर 1972 में पूर्ण राज्य बने थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने पोस्ट किया, "मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के लोगों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। ये राज्य समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवंत परंपराओं और असाधारण प्राकृतिक सुंदरता से संपन्न हैं। उन्होंने कहा कि इन राज्यों के उद्यमी और प्रतिभाशाली लोगों ने देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

लिंक्ड इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्सभिन्न होते हैं पारंपरिक इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्स से तथा उनके साथ जोखिम घटक होते हैं.
लिंक्ड इंश्योरेन्स पॉलिसियों में अदा किए गए प्रीमियम पूंजी बाजार तथा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स से जुड़े निवेश जोखिम होते हैं. फ़ंड की कार्यकुशलता तथा पूंजी बाजार/सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स को प्रभावित करने वाले घटकों के आधार पर युनिट्स के एनएवीज़ घट-बढ़ सकते हैं तथा बीमित व्यक्ति अपने निर्णयों के लिए जिम्मेदार होगा.
भारतीय जीवन बीमा निगम/लाइफ़ इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया केवल जीवन बीमा कंपनी का नाम है तथा प्रोटेक्शन प्लस केवल लिंक्ड इंश्योरेन्स संविदा का नाम है तथा किसी भी रूप में संविदा की गुणवत्ता, इसकी भावी संभावनाओं या आमदनियों की ओर संकेत नहीं करता है.
कृपया अपने बीमा एजेन्ट या मध्यावर्ती या इंश्योरेन्स कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी दस्तावेज से संबंधित जोखिमों और लागू प्रभारों की जानकारी प्राप्त कर लें.
इस संविदा के अंतर्गत पेश किए गए विभिन्न फ़ंड्स केवल फ़ंड्स के नाम हैं तथा वे किसी भी रूप में इन प्लान्स की गुणवत्ता, उनकी भावी संभावनाओं तथा आमदनियों की ओर संकेत नहीं करते हैं.

संक्षिप्त समाचार

दलमा फोरेस्ट रिजर्व में मिला ड्रोसेरा बर्मानी पौधा

जमशेदपुर, एजेंसी। दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी आमतौर पर हाथियों और घने जंगलों के लिए जानी जाती है, लेकिन अब यहां मांसाहारी पौधों की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों और वन विभाग का ध्यान खींचा है। हाल के सर्वेक्षण में दलमा क्षेत्र में ऐसे पौधे पाए गए हैं। ये मिट्टी से नहीं बल्कि कीट, लार्वा और सूक्ष्म जीवों से पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। ये पौधे ड्रोसेरा बर्मानी के नाम से जाना जाता है। यह खोज इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि झारखंड में मांसाहारी पौधों की संख्या पहले बेहद सीमित मानी जाती थी। दलमा का यह इलाका अब जैव विविधता के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। वन विभाग और विशेषज्ञों की ओर से दी गई जानकार के अनुसार, ये मांसाहारी पौधे उन क्षेत्रों में पनपते हैं, जहां मिट्टी में नाइट्रोजन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों की भारी कमी होती है। दलमा के कई हिस्सों में मिट्टी अम्लीय और नम है, जो ऐसे पौधों के लिए अनुकूल मानी जाती है। अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए ये पौधे कीटों को आकर्षित करते हैं। उन्हें पकड़ते हैं और पाचन की प्रक्रिया से पोषण हासिल करते हैं। यह प्रक्रिया इन्हें अन्य सामान्य पौधों से अलग और खास बनाती है ।विशेषज्ञ बताते हैं कि दलमा में पाए गए मांसाहारी पौधे कीटों को पकड़ने के लिए अपनी पत्तियों को जाल की तरह इस्तेमाल करते हैं। कुछ पौधों में चिपचिपी सतह होती है, तो कुछ में प्याले जैसी संरचना, जिसमें कीट फंस जाते हैं। यह न सिर्फ पौधों के अस्तित्व के लिए जरूरी है, बल्कि जंगल के पारिस्थितिक संतुलन में भी अहम भूमिका निभाता है। इन पौधों की मौजूदगी से कीटों की आबादी नियंत्रित रहती है। इससे जंगल की जैविक श्रृंखला मजबूत होती है।

शॉर्ट सर्किट से किराना दुकान में लगी आग, दुकानदार को 4 लाख का नुकसान

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के जानकी कॉम्प्लेक्स के पास स्थित दीपक किराना स्टोर में देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरी दुकान इसकी चपेट में आ गई। घटना बुधवार तड़के करीब तीन बजे की है, जब आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं और आग की ऊंची लपटें उठती देखीं। इसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने तुरंत बरवाअड्डा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को बुलाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। संकरी जगह और दुकान के भीतर रखे ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैल चुकी थी। करीब एक घंटे की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। आग की लपटों और धुएं से आसपास की दुकानों और इमारतों में भी दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो आग आसपास की अन्य दुकानों को भी चपेट में ले सकती थी। इस आगजनी की घटना में दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार करीब चार लाख रुपए से अधिक की क्षति हुई है। दुकान में रखे किराना सामान, फ्रिज, अलमारी, काउंटर और अन्य उपकरण पूरी तरह जल गए। सबसे बड़ा नुकसान अलमारी में रखी नगद राशि का हुआ। बताया गया कि करीब एक लाख रुपए नकद दुकान में रखे थे, जो आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गए। आग बुझने के बाद जब दुकान का शटर खोला गया, तो अंदर का मंजर देखकर लोग सन्न रह गए। हर तरफ जला हुआ सामान और राख बिखरी हुई थी।

राजमहल की जेल में कैदी ने की आत्महत्या की कोशिश, इलाज के दौरान मौत

रांची, एजेंसी। राजमहल की जेल में हत्या के आरोप में बंद कैदी मंसूर शेख ने बुधवार को फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उसकी इस हरकत के बाद वार्ड में बंद दूसरे कैदियों ने इसकी सूचना जेल प्रशासन को दी। जानकारी मिलने के बाद जेल प्रशासन ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए राजमहल के सब-डिवीजनल अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत नाजुक होने की वजह से उसे साहिबगंज के सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। खबर है कि साहिबगंज के सदर अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मंसूर शेख पर अपने भाई की ही हत्या करने का आरोप है। वह पिछले पांच साल से जेल में बंद है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राजमहल की जेल में आत्महत्या का प्रयास करने वाला कैदी राधानगर थाना क्षेत्र के चामा सत्तारटोला का रहने वाला है। इसका नाम मंसूर शेख है। इसने साल 2020 में अपने भाई अख्तर शेख की हत्या की थी। इस हत्या के मामले में इस पर राधानगर थाने में कांड संख्या 167/20 है। इसने धारदार हथियार से अपने भाई की हत्या की थी। इस पर दूसरे लोगों को घायल करने का भी आरोप है। इस घटना के बाद इसकी भाभी जहांनूर बेबा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। आरोप है कि इसने अपने भाई की हत्या जमीन बंटवारे को लेकर की थी। इन दोनों भाइयों के बीच में जमीन विवाद को लेकर लंबे समय आपसी रंजिश चल रही थी। आपस में मामला नहीं सुलझने के बाद मंसूर शेख ने अपने भाई की हत्या करने का कदम उठाया था।

देवघर में महाशिवरात्रि की तैयारियां शुरू

बसंत पंचमी पर मिथिलांचल के लोग चढ़ाएंगे तिलक

देवघर, एजेंसी। महाशिवरात्रि से पहले द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल बाबा बैद्यनाथ धाम पूरी तरह शिवमय हो गया है। बसंत पंचमी के दिन बाबा का तिलकोत्सव होगा। इसके लिए मिथिलांचल से हजारों तिलकहरू देवघर पहुंच चुके हैं। बाबा के तिलक और सलामी जल अर्पण की सदियों पुरानी परंपरा को निभाने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब लगातार बाबाधाम की ओर बढ़ रहा है।

कांवर, पारंपरिक वेशभूषा और भक्ति भाव के साथ पहुंचे तिलकहरू बाबा को महाशिवरात्रि के विवाह का आमंत्रण देने आए हैं। बाबा नगरी में बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा माहौल भक्तिमय बना हुआ है।

मिथिला की है बाबा बैद्यनाथ को तिलक चढ़ाने की परंपरा : बसंत पंचमी पर बाबा बैद्यनाथ का तिलक करने की परंपरा मिथिला क्षेत्र में पीढ़ियों से चली आ रही है। समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी समेत मिथिलांचल के गांवों से तिलकहरू पैदल यात्रा करते हुए पहले सुल्तानगंज पहुंचते हैं। वहां से गंगाजल भरकर करीब 100 से 105 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा कर देवघर आते हैं।

बाबाधाम पहुंचने पर पहले दिन बाबा को 'पहला जल' और दूसरे दिन 'सलामी जल' अर्पित किया जाता है। इसके साथ धान की बाली, आम का मंजर और शुद्ध घी चढ़ाने की भी अनोखी परंपरा है। मान्यता है कि बाबा का तिलक होते ही मिथिलांचल में होली का शुभारंभ हो जाता है। तिलक के बाद श्रद्धालु एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर खुशियां मनाते हैं।

बसंत पंचमी पर वीआईपी दर्शन पर रोक : श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और मंदिर प्रशासन ने इस बार कड़े फैसले लिए हैं। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी और मंदिर प्रशासक नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश पर बसंत पंचमी के दिन वीआईपी और आउट ऑफ टर्न दर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

प्रशासन का कहना है कि इस दिन सभी श्रद्धालुओं को समान अवसर दिया जाएगा, ताकि सामान्य कतार में खड़े भक्तों को बिना किसी भेदभाव के सुगम दर्शन मिल सके। हालांकि 600 रुपए शुल्क वाला शीघ्र दर्शनम् विकल्प सीमित संख्या में उपलब्ध रहेगा, जिससे व्यवस्था प्रभावित न हो। प्रशासन ने साफ किया है कि भीड़ प्रबंधन में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

तड़के 3:05 बजे खुलेंगे बाबा के कपाट : बसंत पंचमी के दिन लाखों श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए बाबा मंदिर का पट तड़के सुबह 3:05 बजे खोलने का निर्णय लिया गया है। इससे जलार्पण की प्रक्रिया सुबह से ही सुचारू रूप से शुरू हो सकेगी। मंदिर परिसर, नंदन पहाड़, खुले मैदानों, स्कूल और कॉलेज परिसरों में तिलकहरुओं ने डेरा डाल लिया है।

सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मानसरोवर से लेकर ओवरब्रिज तक विशेष बैरिकेडिंग, कतार प्रबंधन और कूपन व्यवस्था लागू की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या भगदड़ की स्थिति न बने।

इन दिनों देवघर पूरी तरह उत्सव के रंग में डूबा हुआ है। प्रशासनिक भवन परिसर और आसपास के इलाकों में विभिन्न जत्थों द्वारा भजन-कीर्तन हो रहा है। पारंपरिक लोकगीतों और शिव भजनों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। तिलक की रस्म पूरी होने के बाद श्रद्धालु बाबा के दरबार में अबीर-गुलाल अर्पित कर आपस में होली खेलेंगे।

श्रद्धालुओं का कहना है कि यह यात्रा केवल आस्था नहीं, बल्कि पूर्वजों की परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। बसंत पंचमी पर पूजा-अर्चना और तिलक के बाद तिलकहरू अपने-अपने गांवों की ओर लौटेंगे, लेकिन बाबा नगरी में आस्था और भक्ति की यह गूंज लंबे समय तक बनी रहेगी।

दिल्ली रूट की पार्सल बुकिंग 26 तक बंद

रांची, एजेंसी। गणतंत्र दिवस को लेकर रांची रेलमंडल में सुरक्षा अलर्ट घोषित किया गया है। इस दौरान दिल्ली रूट की ट्रेनों में मंगलवार से 26 जनवरी तक पार्सल की बुकिंग बंद कर दी गई। रांची स्टेशन से दिल्ली जाने वालीं ट्रेनों में कोई भी पार्सल नहीं भेजा जाएगा। वहीं, प्रयागराज रूट में माघ मेला और भीड़ को देखते हुए वहां भी पार्सल बुकिंग अस्थायी रूप से रोकी गई है। जबकि अन्य शहरों के लिए पार्सल की बुकिंग सामान्य रूप से जारी रहेगी।

मालूम हो कि रांची से लाह, सब्जियां और कपड़े दिल्ली भेजे जाते हैं। वहीं, घरेलू सामान यात्रियों द्वारा भेजे जाते हैं। रेलवे स्टेशनों में श्वान दस्ता तैनात किया गया है। 88 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी तेज कर दी गई है। अनधिकृत रूप से स्टेशन परिसर में रह रहे लोग हटा दिए गए हैं, जबकि संदिग्ध यात्रियों की जांच सादे लिबास में एसआईबी और सीआईबी की टीम कर रही है। इधर, रेलवे द्वारा प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को सुरक्षा और सतर्कता के लिए जागरूक किया जा रहा है। इन उपायों का मकसद गणतंत्र दिवस पर यात्रियों और स्टेशन परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करना, ताकि अप्रिय घटना न हो।रांची रेलमंडल के डीआरएम करुणानिधि सिंह और आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि 26 जनवरी के मद्देनजर रांची रेलमंडल के सभी स्टेशन अलर्ट मोड में हैं। आरपीएफ पर्सनलों की छुट्टियां सीमित कर दी गई हैं।

54 छात्रों पर 1 शिक्षक; झारखंड उच्च शिक्षा में सबसे पीछे, विश्वविद्यालयों में 60 छात्रों पर 1 शिक्षक

रांची, एजेंसी। राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की भारी कमी है। स्थिति यह है कि यहां के संस्थानों में 54 छात्रों पर एक शिक्षक उपलब्ध हैं। दूसरी तरफ, पूरे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में 23 छात्रों पर ही एक शिक्षक उपलब्ध हैं। हालात यह है कि उच्च शिक्षा में छात्र शिक्षक अनुपात के मामले में झारखंड बिहार से ही कुछ बेहतर स्थिति में है।

झारखंड के अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में तो स्थिति कुछ ठीक है। यहां के विश्वविद्यालयों और कालेजों में तो शिक्षकों की उपलब्धता और भी कम है। स्थिति यह है कि यहां के विश्वविद्यालयों और कालेजों में 60 छात्रों पर एक शिक्षक उपलब्ध है, जबकि पूरे देश में यह अनुपात 24 ही है।

विश्वविद्यालयों और कालेजों में शिक्षकों की कमी का असर न केवल सकल नामांकन अनुपात पर पड़ता है, बल्कि विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा पर भी पड़ता है। झारखंड विधानसभा में प्रस्तुत की गई झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण-2024-26 में भी इस स्थिति पर चिंता प्रकट की गई।

इसमें कहा गया कि लंबे समय से राज्य के विश्वविद्यालयों एवं कालेजों में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से यह स्थिति बनी है। एआइएसएचई-2021-22 की रिपोर्ट के आधार पर इस सर्वेक्षण में आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं।

इस अवधि के बाद भी राज्य के विश्वविद्यालयों और कालेजों में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई है, इसलिए माना जा रहा है कि इस आंकड़े में अभी तक कोई बदलाव नहीं आया है। बताते चलें कि राज्य के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है। सहायक प्राध्यापकों के लगभग आधे पद रिक्त हैं तो सह प्राध्यापक एवं प्राध्यापक नहीं के बराबर हैं। यह स्थिति राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में है। इधर, सर्वोच्च न्यायालय ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों को चार माह के भीतर भरने के सख्त निर्देश दिए हैं।

पंचायत सहायकों का शक्ति प्रदर्शन, पांच सूत्री मांगों को लेकर किया लोकभवन के सामने धरना

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य पंचायत सहायक संघ ने अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को राजधानी रांची स्थित लोक भवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से संघ ने राज्य सरकार पर वर्षों से लंबित मांगों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए इस बार केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस गारंटी की मांग की।

धरना स्थल पर संघ के अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव, प्रदेश सचिव बलदेव करमाली और कोषाध्यक्ष अकबर अंसारी ने कहा कि पंचायत सहायक लगातार राज्य सरकार से अपनी समस्याओं को लेकर याचना करते आ रहे हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब पंचायत सहायक केवल वादों से संतुष्ट नहीं होंगे, बल्कि अपनी मांगों के कैबिनेट से पारित होने की गारंटी चाहते हैं।

संघ ने बताया कि पंचायत सहायक वर्ष 2016 से अत्यंत कम प्रोत्साहन राशि पर पंचायतों में सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान महंगाई के दौर में इतनी कम राशि में परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है, इसके बावजूद पंचायत सहायक सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पांच सूत्री मांगों में प्रमुख रूप से पंचायत सहायकों को वर्तमान में मिल रही 2500 की प्रोत्साहन राशि के स्थान पर न्यूनतम 20,000 प्रतिमाह वेतनमान देने की मांग की गई है। इसके साथ ही लगभग दस वर्षों की सेवा को देखते हुए स्थायी सेवा नियमावली के तहत पंचायत सहायकों का स्थायीकरण कर उन्हें सरकारी कर्मी का दर्जा देने की मांग भी शामिल है। संघ ने प्रतिवर्ष ग्राम सभा से अनुमोदन की प्रक्रिया को समाप्त करने की भी अपील की है।

इसके अलावा पंचायत स्तर के सरकारी पदों जैसे पंचायत सचिव और राजस्व कर्मचारी की बहाली में पंचायत सहायकों को 80 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग रखी गई है। संघ ने पंचायत सहायकों के लिए गंभीर बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में निःशुल्क इलाज की सुविधा तथा मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को 10 लाख की बीमा राशि देने की भी मांग की है।

धरना प्रदर्शन के दौरान संघ ने पंचायत सहायकों के लिए एक पारदर्शी, जवाबदेह और वैध मॉनिटरिंग आयोग के गठन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही लंबित सभी प्रकार की प्रोत्साहन राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने की मांग सरकार के समक्ष रखी गई। संघ के नेताओं ने कहा कि पंचायत सहायक राज्य सरकार की योजनाओं की रीढ़ हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय बनी हुई है। उन्होंने राज्य सरकार से सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए सभी मांगों को जल्द से जल्द कैबिनेट से पारित कराने का आग्रह किया।

शहर में 16 हजार नई स्ट्रीट लाइटें लगेंगी, पुरानी 60 हजार की होगी मरम्मत

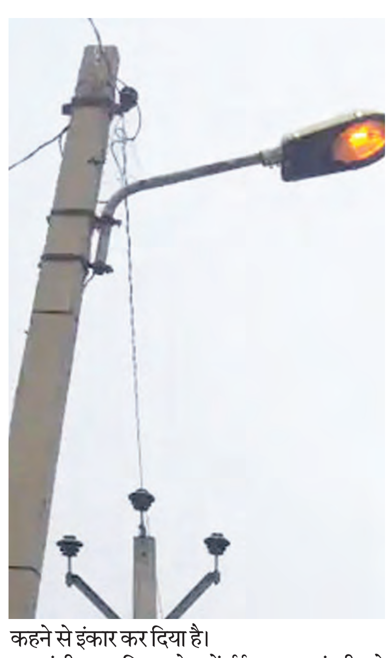

रांची, एजेंसी। झ्र

राजधानी रांची में नए बसावट वाले क्षेत्रों में 16 हजार नई स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी। इसके लिए नगर निगम ने सर्वे कराकर सूची तैयार की है। इसमें कई मुहल्ले ऐसे हैं जहां अभी तक स्ट्रीट लाइट लगी ही नहीं है। इसके अलावा पहले से लगे 60 हजार स्ट्रीट लाइटों का ऑपरेशन और मेंटनेंस भी होगा। इसके लिए नई एजेंसी का चयन किया जाएगा। नगर विकास विभाग की एजेंसी जुडको ने रांची नगर निगम और गिरिडीह नगर निगम में नए स्ट्रीट लाइट लगाने और पुराने लाइटों के ऑपरेशन-मेंटनेंस के लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू की है।

स्ट्रीट लाइट का ऑपरेशन और मेंटनेंस का काम पांच सालों के लिए एजेंसी को दिया जाएगा। जुडको ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है। 10 फरवरी को इसका टेंडर खुलेगा। इसमें चयनित एजेंसी को सर्वे के अनुसार लाइटों की मरम्मत करने का काम दिया जाएगा। सबसे बड़ी बात है कि नगर निगम क्षेत्र में नई लाइट लगाने और पुरानी लाइटों के ऑपरेशन-मेंटनेंस का काम नगर निगम को करना है। लेकिन इसके लिए जुडको ने टेंडर जारी किया है। सबसे बड़ी बात है कि निगम से इससे संबंधित कोई पत्राचार भी नहीं किया गया। इसलिए निगम के अधिकारियों ने फिलहाल इस मामले पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

रांची नगर निगम क्षेत्र में ईईएसएल कंपनी को लाइट लगाने का ठेका दिया गया था। कंपनी ने 40 हजार से अधिक लाइट लगाई। लाइटों के ऑपरेशन-मेंटनेंस का काम ईईएसएल ही करती थी। लेकिन पिछले साल ही कंपनी से एग्रीमेंट समाप्त हो गया। इसके बाद निगम ने ईईएसएल का बकाया करीब 22 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया। इसके बाद कंपनी ने काम करना बंद कर दिया। इसका नतीजा है कि अभी भी सात हजार से अधिक स्ट्रीट लाइट खराब है। सैकड़ों मुहल्ले अंधेरे में डूब जाते हैं।

नगर निगम क्षेत्र में लगाई गई स्ट्रीट लाइटों काफी पुरानी हो गई है। इस वजह से मुख्य सड़कों को छोड़कर मुहल्लों में लगाई गई अधिकतर लाइटों का स्विच-बोर्ड खराब है। तार काफी पुराने हो गए हैं। इस वजह से अक्सर लाइटें खराब हो जाती है। निगम में शिकायत दर्ज कराने के बाद भी एक-एक माह तक लाइटों की मरम्मत नहीं होती। इसका खामियाजा आम लोगों को भुगताना पड़ रहा है। चोरी की घटनाएं बढ़ गई है।

नई एजेंसी के आने से पुरानी लाइटों की मरम्मत होगी। लाइट, स्वीच-बोर्ड बदले जाएंगे। नए तार लगेंगे। इससे मुहल्ले रोशन होंगे। नई लाइटों की खरीदारी होने से वैसे मुहल्ले जहां अभी तक लाइट नहीं है वहां लाइटें लगेगी। लोग सुरक्षित महसूस करेंगे। नई लाइटों में टाइमर भी लगेगा। इससे सुबह-शाम निर्धारित समय पर लाइट ऑन-ऑफ होगी।

सीएम हेमंत ने दावोस में झारखंड का किया प्रतिनिधित्व, ऊर्जा और सतत विकास पर वैश्विक साझेदारी को दिया नया आयाम

रांची, एजेंसी। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक के दूसरे दिन झारखंड ने ऊर्जा के उत्पादन, उपभोग और सतत विकास और क्षेत्रीय नेतृत्व से जुड़े वैश्विक संवादों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय नीति निर्माताओं, निवेशकों और वैश्विक संगठनों के साथ कई महत्वपूर्ण चर्चाओं में भाग लिया।

मुख्यमंत्री का इंटर मिनिस्टीरियल डायलाग में संबोधन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इस सत्र में स्लोवाकिया के पूर्व वित्त एवं अर्थव्यवस्था मंत्री वाजिल हुडाक सहित अनेक वैश्विक नेताओं ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य विषय सतत और समावेशी आर्थिक विकास के लिए वैश्विक सहयोग ढांचे को सुदृढ़ करना था।

संवाद के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा, भारी वाहन निर्माण में निवेश की संभावनाओं और बागवानी क्षेत्र में टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने जैसे विषयों पर भी गहन विचार विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कैपिटल इन एक्शनः स्केलिंग एनर्जी सिस्टम्स थ्रू पालिसी, फाइनेंस एंड रीजनल लीडरशिप विषयक चर्चा में भी भाग लिया। इस चर्चा में स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों के विस्तार, नवाचार आधारित वित्तपोषण और प्रभावी नीतिगत समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर तय जलवायु और स्थिरता लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर लागू करने में राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने झारखंड द्वारा औद्योगिक विकास को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ संतुलित करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय आर्थिक मजबूती को सुदृढ़ करने के प्रयासों को प्रमुखता से रेखांकित किया।

दावोस में झारखंड की यह सक्रिय भागीदारी राज्य की स्वच्छ ऊर्जा, सतत औद्योगिकीकरण और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वैश्विक मंचों पर निरंतर संवाद और साझेदारी के माध्यम से झारखंड भविष्य उन्मुख, संतुलित और टिकाऊ विकास की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

कांटाटोली में खुले नाले में डूब गया दो वर्ष का मासूम

रांची, एजेंसी। राजधानी में फुटबॉल खेलने के दौरान नाले में बह गये दो बच्चों में से एक मो फरहान (दो वर्ष) की मंगलवार को डूबने से मौत हो गयी। घटना के वक्त बच्चों को बचाने की मां ने कोशिश की, लेकिन एक बच्चे का हाथ छूट गया और उसकी मौत हो गयी। दूसरे बच्चे मो अरहान (तीन वर्ष) को उसकी मां ने बचा लिया। यह दर्दनाक घटना कांटाटोली के मौलाना आजाद कॉलोनी के रोड नंबर सात में हुई। दोनों मासूम भाइयों का घर नाले के पास में ही स्थित है। उनके पिता का नाम मो अरसद है, जिनका नाले के पास ही आवास है।

घटना मंगलवार दिन के 11 बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और सारी प्रक्रिया पूरी की। जानकारी के अनुसार, खुले नाले को तार लगा कर घेरने की योजना बनायी गयी थी, लेकिन समय रहते इस काम को पूरा नहीं किया गया। मंगलवार को दोनों बच्चे मो अरहान (तीन वर्ष) व मो फरहान (दो वर्ष) फुटबॉल खेलते हुए फिसल कर नाले में बहने लगे। बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर उनकी मां बाहर निकली और दौड़ कर बहते हुए पानी में कूद गयी। उसने मो अरहान का हाथ मजबूती से पकड़ लिया। इस क्रम में मां ने मो फरहान का भी हाथ पकड़ लिया था, लेकिन वह उनकी पकड़ से अचानक छूट गया और तेज बहाव में थोड़ी दूर बह गया। कुछ दूर आगे जाकर अत्यधिक पानी पेट में चले जाने के कारण डूब गया।

बाद में स्थानीय गोताखोरों की मदद से मो फरहान को नाले से निकाल कर सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे के पिता मो अरसद मजदूरी करते हैं, जबकि बच्चों के दादा मो सलीम गैरेज चलाते हैं। दोनों बच्चे पढ़ने के लिए आंगनबाड़ी में जाते थे।

प्रदेश में करवट बदलने वाला है मौसम! कोहरे का बढ़ेगा प्रकोप

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले दो दिनों तक स्टेट के न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कई जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहेगा, जिससे जनजीवन और यातायात प्रभावित हो सकता है। 24 और 25 जनवरी को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे, जबकि 26 जनवरी को सुबह कोहरा और बाद में मौसम साफ रहने का अनुमान है।

झारखंड में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। मौसम विज्ञान विभाग के रांची केंद्र के अनुसार, स्टेट में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले दो दिनों तक न्यूनतम में गिरावट दर्ज की जाएगी। अनुमान है कि तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है, जिसके चलते कनकनी एक बार फिर बढ़ सकती है। इसके बाद, अगले दो दिनों में फिर से दो डिग्री तक बढ़ोतरी संभव है। मौसम में होने वाले इस बदलाव का सीधा असर आम जनजीवन पर पड़ेगा। खासकर, सुबह और रात के समय ठंड बढ़ने से लोगों की परेशानी बढ़ सकती है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ दिनों तक स्टेट के कई जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहेगा। इससे विजिबिलिटी कम हो सकती है, जिसका असर सड़क यातायात और रेल सेवाओं पर भी पड़ सकता है। खासकर, हाइवे और खुले इलाकों में चलने वाले ड्राइवरों को एक्स्ट्रा अलर्ट बरतने की जरूरत है। हालांकि, दिन चढ़ने के बाद आसमान साफ रहेगा और मौसम ड्राई बना रहेगा।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 24 और 25 जनवरी को झारखंड के कई हिस्सों में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान हल्की ठंड के साथ मौसम सामान्य बना रहेगा। वहीं, 26 जनवरी को सुबह के समय कोहरा रहने की संभावना है। बाद में मौसम साफ हो जाएगा और पूरे दिन मौसम ड्राई रहने की उम्मीद है। गणतंत्र दिवस के मौके पर दिन के समय किसी बड़ी मौसम बारिश की आशंका नहीं जताई गई है। मंगलवार 20 जनवरी 2026 को स्टेट के करीब-करीब सभी जिलों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। चाईबासा स्टेट का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 31।2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले 24 घंटों में 2।6 डिग्री की बढ़ोतरी दर्शाता है।

मेदीनीनगर में न्यूनतम तापमान 9।2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसमें 2।5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। बोकारो में न्यूनतम तापमान 11।1 डिग्री रहा, जो पिछले 24 घंटों में करीब 3।9 डिग्री बढ़ा। खूंटी में न्यूनतम तापमान 8।6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि कांके स्टेट का सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 6।4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने लोगों को सुबह और रात के समय सतर्क रहने की सलाह दी है। कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाव के उपाय अपनाने और गर्म कपड़े पहनने की हिदायत दी गई है।

ऐतिहासिक पलः नितिन नवीन निर्विरोध बने भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष, राजमहल में कार्यकर्ताओं ने जमकर मनाया जश्न

संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ एवं ओजस्वी नेता नितिन नवीन के निर्विरोध रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर राजमहल नगर में उत्सव जैसा माहौल देखा गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खबर मिलते ही स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई। नितिन नवीन के चयन के उपलक्ष्य में राजमहल नगर के विभिन्न चौक-चौराहों और प्रमुख स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर खुशियां मनाईं। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाइयाँ खिलाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। पूरे शहर में "भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद" और "नितिन नवीन जिंदाबाद" के नारे गूंजते रहे। इस गौरवशाली अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष

दीपक चंद्रवंशी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "नितिन नवीन का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना पूरे भाजपा परिवार के लिए सम्मान और गर्व की बात है। यह पार्टी की पूर्णतः लोकतांत्रिक प्रक्रिया और कार्यकर्ताओं की निष्ठा का परिणाम है।" उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि नितिन नवीन भाजपा के इतिहास में अब तक के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। यह युवा नेतृत्व भारतीय राजनीति और विशेषकर भाजपा के लिए एक नए युग की शुरुआत है। नगर अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि नितिन नवीन के कुशल और ऊर्जावान नेतृत्व में संगठन को देशव्यापी स्तर पर नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उनके नेतृत्व में पार्टी न केवल नए आयाम स्थापित करेगी, बल्कि अंतिम पायदान पर खड़े कार्यकर्ताओं में भी नया जोश और उत्साह का संचार होगा। जश्न के इस माहौल में मुख्य रूप से उज्जवल मंडल, कार्तिक साहा, वरुण साहा, किशोर जैन, कैलाश पासवान, संजय प्रमाणिक, विधु सूत्रधार, गोपी श्रीवास्तव, चंदा देवी, ओम प्रकाश साहा, शेखर बर्मन, सिंटू घोष, सूरज यादव सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई दी और उनके सफल एवं ऐतिहासिक कार्यकाल की मंगलकामना की।

हुनर है पर साधन नहींः उधवा के युवाओं ने DC हेमंत सती से लगाई गुहार; 'जुनून अड्डा' के खिलाड़ियों ने मांगी खेल सामग्री

संवाददाता

साहेबगंज/उधवा। देश सेवा का जज्बा और खेलों के प्रति अटूट जुनून होने के बावजूद संसाधनों की कमी प्रतिभा के आड़े आ रही है। उधवा प्रखंड के राधानगर पंचायत के दर्जनों प्रतिभावान युवाओं ने अपनी इस पीड़ा को जिला प्रशासन तक पहुँचाया है। मंगलवार को राधानगर हाई स्कूल मैदान में अभ्यास करने वाले युवक-युवतियों ने उपायुक्त (DC) हेमंत सती को एक मांग पत्र सौंपकर खेल सामग्री और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भावुक अपील की है। मैदान में पसीना बहा रहे युवाओं ने बताया कि उनका लक्ष्य भारतीय सेना, राज्य पुलिस और विभिन्न अर्धसैनिक बलों में शामिल होकर देश की सेवा करना है। इसके लिए वे प्रतिदिन कड़ी मेहनत करते हैं। 'जुनून अड्डा' समूह से जुड़े इन

खिलाड़ियों में एथलेटिक्स (दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद) की भी अद्भुत प्रतिभा है, जो जिला और राज्य स्तर पर साहिबगंज का नाम रोशन करने की क्षमता रखते हैं। उपायुक्त को भेजे गए आवेदन में युवाओं ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा कि वे गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। खेल सामग्री और आधुनिक प्रशिक्षण उपकरण काफी महंगे आते हैं, जिन्हें निजी तौर पर खरीदना उनके लिए असंभव है। संसाधनों के अभाव में उनकी प्रतिभा दबकर रह गई है।

खिलाड़ियों ने बुनियादी प्रशिक्षण और मैदान के विकास के लिए एक लंबी सूची प्रशासन को सौंपी है, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैंः

खेल सामग्रीः शॉट पुट (गोला), स्टॉपवॉच, मेजरिंग टेप, हाई जंप लैंडिंग मैट, ट्रेनिंग कोन्स, एजिलिटी लैडर और मेडिसिन बॉल।

बुनियादी सुविधाएंः पेयजल हेतु चापाकल, महिला खिलाड़ियों के लिए शौचालय, शाम के अभ्यास के लिए हाई-मास्ट लाइट और ड्रेसिंग रूम।

मैदान का विकासः ओपन जिम सेंटर की स्थापना, मैदान का समतलीकरण, सुरक्षा हेतु सड़क पर स्पीड ब्रेकर और ज्ञानवर्धन के लिए सामुदायिक पुस्तकालय।

इस आवेदन पर उज्ज्वल कुमार घोष, दिनकर मंडल, अदिति कुमारी, पूजा कुमारी, पंकज कुमार मंडल, आशीष कुमार और शुभम घोष सहित 'जुनून अड्डा' के कई सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। युवाओं का मानना है कि यदि प्रशासन उन्हें ये सुविधाएं प्रदान करता है, तो वे न केवल शारीरिक रूप से फिट होंगे, बल्कि भविष्य में खेल और सेना के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इन ऊर्जावान युवाओं की मांगों पर कितनी जल्दी संज्ञान लेता है, ताकि राधानगर की मिट्टी से निकले ये सितारे देश के फलक पर चमक सकें।

राजमहल जेल में सनसनीः सगे भाई की हत्या के आरोपी कैदी ने फांसी लगाकर दी जान, जेल प्रशासन में हड़कंप

संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। राजमहल उपकारा (जेल) से बुधवार को एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी मंसूर शेख ने वार्ड के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की, जिसकी बाद में इलाज के दौरान साहिबगंज सदर अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना के बाद जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं और पूरे परिसर में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, राधानगर थाना क्षेत्र के चामा सत्तारटोला का निवासी मंसूर शेख बुधवार सुबह जेल के वार्ड में फांसी के फंदे से झूलता पाया गया। उसे फंदे पर लटकता देख वार्ड में बंद अन्य कैदियों के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत शोर मचाते हुए जेल प्रशासन को इसकी सूचना दी। जेल कर्मियों ने आनन-फानन में उसे फंदे से नीचे उतारा और तुरंत इलाज के लिए राजमहल सब-डिवीजनल अस्पताल

पहुँचाया। राजमहल अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने बताया कि जब कैदी को अस्पताल लाया गया था, तब उसकी हालत अत्यंत नाजुक थी। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे तुरंत साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, तमाम कोशिशों के बावजूद साहिबगंज में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक मंसूर शेख का आपराधिक इतिहास काफी खौफनाक था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मंसूर पर अपने ही सगे भाई अख्तर शेख की नृशंस हत्या का आरोप था। साल 2020 में राधानगर थाना क्षेत्र में जमीन बंटवारे को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ था, जिसमें मंसूर ने धारदार हथियार से अपने भाई को मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले में उसकी भाभी जहांनूर बेबा की शिकायत पर राधानगर थाने में कांड संख्या 167/20 दर्ज है। वह पिछले पांच साल से इसी मामले में जेल की सलाखों के पीछे था। घटना के संबंध में राजमहल जेल उपाधीक्षक विमल सोरेन ने बताया, "मंसूर शेख द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या के प्रयास की जानकारी हमें सुबह अन्य कैदियों के माध्यम से मिली। प्रशासन ने बिना देरी किए उसे अस्पताल पहुँचाने की हर संभव कोशिश की। साहिबगंज में इलाज के दौरान उसकी मौत की पुष्टि हुई है।" जेल के अंदर एक कैदी द्वारा आत्महत्या जैसा कदम उठाना जेल की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सूत्रों का कहना है कि मंसूर शेख लंबे समय से जेल में बंद होने के कारण तनाव में हो सकता था, हालांकि आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल पाएगा।

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा, लंबित पेंशन आवेदनों को जल्द निपटाने के सख्त निर्देश

संवाददाता

साहेबगंज। समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग और बाल संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट संदेश दिया कि जन कल्याणकारी योजनाओं में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सामाजिक सुरक्षा कोषांग के अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं की प्रगति का जायजा लेते हुए उपायुक्त ने विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित आवेदनों का निष्पादन युद्ध स्तर पर किया जाए। उन्होंने कहा, "सरकार की इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को संबल देना है। यह सुनिश्चित करें कि किसी भी वास्तविक लाभुक को तकनीकी कारणों या विभागीय सुस्ती

की वजह से सहायता से वंचित न रहना पड़े।" उन्होंने फील्ड स्तर पर नियमित निगरानी और अनुश्रवण के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई तथा प्रयोजन एवं पालन-पोषण, देखभाल अनुमोदन समिति (SFCAC) की भी मासिक बैठक संपन्न हुई। बाल संरक्षण के मुद्दों पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि असहाय, जरूरतमंद और संकटग्रस्त बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने जिला बाल संरक्षण इकाई को बच्चों के अधिकारों से जुड़े मामलों पर 24x7 निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। SFCAC की बैठक में प्रस्तुत मामलों पर उपायुक्त ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पालन-पोषण और देखभाल से जुड़े हर निर्णय में "बच्चों का सर्वोत्तम हित" ही सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई करें ताकि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर भविष्य मिल सके। समीक्षा बैठक के दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला बाल परियोजना पदाधिकारी पूनम कुमारी, सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण विभाग के अन्य शाखा पदाधिकारी और संबंधित कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उपायुक्त के इन सख्त निर्देशों के बाद विभाग में लंबित फाइलों के निष्पादन की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे जिले के हजारों पेंशनभोगियों और जरूरतमंद बच्चों को सीधा लाभ मिलेगा।

उधवाः प्लस टू उच्च विद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न, राधिका और लुतेंजरा बनीं 'ऑल ओवर चैंपियन'

संवाददाता

साहेबगंज/उधवा। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय, उधवा के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का बुधवार को भव्य समापन हो गया। इस आयोजन में छात्रों के बीच गजब का उत्साह देखा गया, जहाँ उन्होंने अपनी शारीरिक क्षमता और खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए। उन्होंने विजेताओं को संबोधित करते हुए कहा, "शिक्षा और खेल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। खेल न केवल हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा निखरकर

सामने आती है।" इस वार्षिक खेल महोत्सव में प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा और फ्लोरा पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स के विभिन्न इवेंट्स जैसे लॉन्ग जंप, हाई जंप, 1600 मीटर दौड़ और म्यूजिक चेयर का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंत में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गयाः

ऑल ओवर चैंपियन (छात्रा): राधिका कुमारी और लुतेंजरा खातून ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 'ऑल ओवर चैंपियन' का खिताब अपने नाम किया।

छात्र वर्गः बेनजीमन किस्कू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राहुल शेख द्वितीय स्थान पर रहे।

1600 मीटर दौड़ः अजय कुमार साहा ने अपनी रफ्तार का लोहा मनवाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

म्यूजिक चेयरः छात्राओं के लिए आयोजित इस रोचक मुकाबले में इशरत खातून विजेता रहीं।

कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक मो. आकिब जावेद ने किया। मुख्य अतिथि मो. मारूफ ने सभी विजेताओं को कप और मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नुसरत जहां, शिक्षक मनु शेख, मो. अफलातून, हांसदा, नईम अख्तर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। प्रधानाध्यापिका नुसरत जहां ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजन करता रहेगा।

साहेबगंजः केंद्रीय विद्यालय में 'सावधानी की पाठशाला' का आयोजन; बच्चों ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ, नियमों के प्रति हुए जागरूक

संवाददाता

साहेबगंज। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को केंद्रीय विद्यालय, साहिबगंज में "सावधानी की पाठशाला" शीर्षक के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे स्कूली बच्चों ने सुरक्षा के नियमों को आत्मसात किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के विभिन्न नियमों, यातायात संकेतों और सड़क पर किए जाने वाले सुरक्षित व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया गया। विद्यार्थियों ने एक स्वर में सड़क सुरक्षा की शपथ ली कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करेंगे और अपने परिवार व समाज को भी इसके प्रति प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को

संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल कानूनी खानापूर्ति नहीं है, बल्कि यह अनमोल जीवन की रक्षा का माध्यम है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने परिजनों को वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग के लिए टोकें और उन्हें नशे की हालत में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक करें। परिवहन विभाग के एम.वी. आई. कुमार उत्कर्ष ने बच्चों को यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि स्कूल बस, टोटो या ऑटो से यात्रा करते समय कभी भी हाथ, पैर या सिर खिड़की से बाहर न निकालें। उन्होंने बच्चों को अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। सड़क सुरक्षा माह के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला, क्विज और निबंध लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों ने अपनी रचनात्मकता के जरिए सड़क सुरक्षा के महत्व को दर्शाया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस और एम.वी.आई. अभिषेक मुंडा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के शिक्षकगणों ने भी इस पहल की सराहना की और इसे विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। "सावधानी की पाठशाला" का मुख्य संदेश यही रहा कि यदि आज के विद्यार्थी जागरूक होंगे, तो भविष्य में एक सुरक्षित और दुर्घटनामुक्त समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

दुमकाः डीडीसी अनिकेत सचान ने की समाज कल्याण योजनाओं की समीक्षा; बोले- 'अंतिम पायदान के व्यक्ति तक पहुँचे सरकारी लाभ'

संवाददाता

दुमका। समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त (DDC) अनिकेत सचान की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विकास और आम जनता के हितों से जुड़ी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की वर्तमान स्थिति और प्रगति की गहन पड़ताल की गई।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने विभागवार संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गयाः

सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशनः वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन की स्थिति।

महिला एवं बाल विकासः आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन और पोषण अभियान।

स्वास्थ्य एवं शिक्षाः ग्रामीण

क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और शिक्षा का स्तर।

रोजगार एवं कौशलः रोजगार सृजन की नई योजनाएं और युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम।

ग्रामीण विकासः गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और विकास कार्यों की गुणवत्ता।

उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों पर न होकर धरातल पर दिखना चाहिए। उन्होंने कहा, "योजनाओं का असली उद्देश्य तब सफल होता है जब उसका लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुँचे। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को पूरी निष्ठा के साथ काम करने की आवश्यकता है।"

डीडीसी ने कार्यों में तेजी लाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बिंदु साझा किएः

1. **आपसी समन्वयः** सभी विभाग एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर कार्य करें ताकि फाइलों का निपटारा जल्द हो सके।
2. **नियमित मॉनिटरिंगः** जमीनी स्तर पर योजनाओं की नियमित जांच और निरीक्षण किया जाए ताकि खामियों को दूर किया जा सके।
3. **लंबित मामलों का निपटाराः** पेंशन या अन्य सहायता से जुड़े जितने भी लंबित आवेदन हैं, उनका निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सभी विभागों को कार्य की गति बढ़ानी होगी। उन्होंने गुणवत्ता के साथ समझौता न करने की हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर कार्य में शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी अधिकारी या कर्मी अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने में विफल पाया जाता है, तो उस पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में समाज कल्याण विभाग के सभी प्रमुख अधिकारी, विभिन्न योजनाओं के नोडल पदाधिकारी और संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-20, दिनांक 19.01.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस तथा वित्तीय रूप से कार्य सम्पन्न करने की क्षमता रखने वाले अपेक्षित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा केस सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-20, कार्य का नामः** निम्नलिखित टीआरडी हिस्से कार्य : (क) सीतारामपुर-झाझा अनुभाग की लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए 06 आईबीपी का प्रावधान। (ख) सीतारामपुर में लाइन सं. 03 के साथ ओआरएल का प्रावधान तथा एचएल प्लेटफॉर्म सं. 03 का 100 मीटर विस्तार। **निविदा मूल्यः** रु. 1,69,62,471.37; **बयाना राशिः** रु. 2,34,800; **खुलने की तारीख एवं समयः** 17.02.2026 को अपराह्न 03.00 बजे। **कार्य समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधताः** खुलने की तारीख से 45 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-314/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/732, दिनांक 20.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3388-आर1; कार्य का नामः** सीनि. डीईएन (1)/हावड़ा के अधीन बाली गुड्स शेड के उन्नयन तथा आधुनिकीकरण के लिए विद्युतीय सामान्य कार्य। **निविदा मूल्यः** रु. 54,37,644; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 1,08,800; **क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3525; कार्य का नामः** ट्रैक मशीन साइडिंगों (ईआई)-27 अदद के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्यः** रु. 2,54,84,886; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 2,77,400; **समापन अवधिः** दोनों के लिए 180 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** दोनों के लिए 12.02.2026 को अपराह्न 03.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-554/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: 253_2025-26, दिनांक 20.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं **(एक्सईएन/बीआरएल/हावड़ा): कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल के एचबीसी में मधुसूदनपुर-चंदनपुर स्टेशनों के बीच अप-1/एचबीसी एवं डाउन-1/एचबीसी के पुल सं. 62 (3X12.2 मी, वेल्डेड प्लेट गर्डर) के वर्तमान स्टील गर्डर का पीएससी स्लैब द्वारा प्रतिस्थापन। **अनुमानित लागतः** रु. 1,96,07,176.10; **बयाना राशिः** रु. 2,48,000। **समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बाारह) महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 10.02.2026 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। **ईएमडी एवं टीडीसी का भुगतान-** ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-552/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

जिला परिवहन विभाग और वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट का लक्ष्य सड़क पर शून्य मृत्यु

संवाददाता मेदिनीनगर पलामू राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले में कई ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिससे लोग सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक हों।सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाएं कम करने के लिए जिला परिवहन विभाग और वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट लगातार प्रयासरत है ।सड़क सुरक्षा पर स्पीच, गीत, क्वीज , पेंटिंग और रंगोली कंपटीशन के जरिए लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है । इस अवसर पर सभी अतिथियों एवं टीम वरदान के सदस्यों ने रंगोली का निरीक्षण किया और पूरी ईमानदारी से जजमेंट करते हुए विजयी समूहों की घोषणा की ।इस अवसर पर जिला परिवहन विभाग से विनीत कुमार सिंह , ट्रैफिक प्रभारी सत्येंद्र कुमार दूबे , वरदान टीम से विवेक वर्मा, मन्नत सिंह बग्गा, शर्मिला वर्मा,संध्या अग्रवाल, डॉक्टर अमितू सिंह, रानू सिन्हा, मंजू चंद्रा, चंदा देवी , अंकिता वर्मा और स्कूल के प्राचार्य घनश्याम सर, आर्ट टीचर आकांक्षा मैम ,राकेशकुमार, रंजीत कुमार एवं कई छात्र छात्राएं उपस्थित थे ।

नए विद्यालय के खुलने से बच्चों को मिलेगी बेहतर शिक्षा : बीडीओ

संवाददाता हरिहरगंज पलामू हरिहरगंज प्रखंड के सतगावां स्थित अंसारी बिगहा में माउंट विस्टा एकेडमी का उद्घाटन शुक्रवार को बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी एवं सीओ मनीष कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए बीडीओ व सीओ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विस्तार समय की आवश्यकता है. ऐसे विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएंगे और क्षेत्र की शैक्षणिक पहचान को मजबूत करेंगे. विद्यालय के डायरेक्टर जीए कादीर एवं प्रिंसिपल सह आदर्श कंप्यूटर के निदेशक शादाब हुसैन ने बताया कि माउंट विस्टा एकेडमी प्ले ग्रुप से लेकर पांचवीं कक्षा तक संचालित होगी. यह विद्यालय आईना एनजीओ द्वारा संचालित किया जाएगा. उन्होंने बताया कि स्कूल अंग्रेज़ी माध्यम एवं सीबीएसई पाठ्यक्रम पर आधारित होगा, जहां बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों का भी ज्ञान दिया जाएगा. उद्घाटन अवसर पर समाजसेवी राजकुमार पासवान, मुखिया गुलाम सरवर, तोहिद आलम, मास्टर कमरुद्दीन, विशाल यादव, अबुल ओला, बशीर अहमद, अजीज उल हक, नवाब, आफताब महताब, हाशमी, अलीमुद्दीन अंसारी, नसीम अहमद सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित थे. सभी ने विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे क्षेत्र के बच्चों के लिए एक बेहतर शैक्षणिक केंद्र बताया.

भारत रत्न सुर कोकिला लता मंगेशकर की याद मे 14 और 15 मार्च को झलक 2026 का आयोजन किया जायेगा

संवाददाता मेदिनीनगर पलामू मेदिनीनगर के JMM जिला कार्यालय मे JMM जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा की अध्यक्षता मे प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया. प्रेसवार्ता के दौरान राजेंद्र सिंह ने बताया की भारत रत्न प्राप्त सुर कोकिला स्वर्गीय लता मंगेशकर की याद मे 14 और 15 मार्च को गीतों का प्रतियोगिता झलक 2026 का आयोजन किया जायेगा और 22 मार्च को कार्यक्रम का समापन किया जायेगा. आपको बता दे की पीएस ग्रुप के द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जो की मेदिनीनगर मे पहली बार हो रही है कार्यक्रम को लेकर JMM पार्टी का पूरा समर्थन मिल रहा है. कार्यक्रम की रूप रेखा को लेकर एक कमिटी बनाया जायेगा जिसके तहत कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय लिया जाएगा. प्रेसवार्ता के दौरान केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य सान्नू सिद्दकी, बबलू चावला, असफर रब्बानी समेत कई लोग मौजूद थे.

आईजी एसके सिन्हा, अपराध नियंत्रण को लेकर दिए सख्त निर्देश

संवाददाता मेदिनीनगर पलामू पलामू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने हुसैनाबाद स्थित एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अनुमंडलाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं विभिन्न थानों के प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। पलामू आईजी ने विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन और पुलिसिया कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा करते हुए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने निष्पक्ष व समयबद्ध जांच, अपराधियों पर कठोर कार्रवाई, नियमित गश्ती और आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत करने पर जोर दिया। बिहार सीमा से सटे संवेदनशील क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने सीमावर्ती मार्गों पर चेकनाका, गहन जांच और चुनावी सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए। आगामी हुसैनाबाद नगर पंचायत चुनाव को लेकर बाहरी हस्तक्षेप व अवैध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में एसडीपीओ एस. मोहम्मद याक़ूब, अनुमंडलाधिकारी गौरांग महतो, सर्किल इंस्पेक्टर विनोद राम सहित हुसैनाबाद, हैदरनगर, मोहम्मदगंज, देवरी ओपी और दंगवार ओपी के थे।

विकास के संकल्प के साथ मैदान में उतरे अजय कुमार भारती

संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू: हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियाँ तेज़ हो गई हैं। इसी क्रम में नगर अध्यक्ष पद की प्रत्याशी अजय कुमार भारती ने जन-जन से विकास और विश्वास के नाम पर समर्थन की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है, जब नगर की जनता ईमानदार नेतृत्व, स्वच्छ प्रशासन और समावेशी विकास को चुने। मुन्ना कुमार देव ने अपने संदेश में कहा कि वे केवल एक नाम नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष और संवेदनशीलता का प्रतीक हैं। उनका मानना है कि नगर का विकास तभी सार्थक होगा, जब उसका लाभ समाज के हर वर्ग... गरीब, मज़दूर, महिलाएँ, युवा और बुज़ुर्ग तक समान रूप से पहुँचे। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे एक ऐसे नेतृत्व को चुनें जो ज़मीन से जुड़ा हो और जनता की पीड़ा को समझता हो।अपने संकल्पों को रखते हुए मुन्ना कुमार देव ने कहा कि यदि उन्हें नगर अध्यक्ष बनने का अवसर मिला, तो नगर को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाया जाएगा। हर गली और हर मोहल्ले में पक्की सड़क व नाली का निर्माण, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करना, उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही महिलाओं, युवाओं और बुज़ुर्गों के सशक्तिकरण के लिए ठोस योजनाएँ लागू की जाएँगी। उन्होंने भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी नगर पंचायत की प्रतिबद्धता भी दोहराई। गौरतलब है कि अजय कुमार भारती ने 30 बर्षो से समाज के सेवा करते आ रहे हैं उन्होंने ने हुसैनाबाद नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए पहली बार प्रत्याशी के रूप में अजय कुमार भारती ने ईमदारी एवं संकल्प के साथ चुनाव के मैदान में दावेदारी ठोकी उन्होंने ने कई गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य जिनमें बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में सुधार शामिल रहा। यही कारण है कि आज भी बड़ी संख्या में नागरिक उनके कार्यकाल को याद कर रहे हैं और दोबारा नेतृत्व सौंपने की बात कर रहे हैं।अपने बयान में अजय कुमार भारती ने कहा, ''मुझे नगर की ज़मीन की सच्चाई का अनुभव है। मैंने पहले भी जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास किया है और आगे भी मेरा लक्ष्य ऐसा विकास करना है, जो हर घर तक पहुँचे।'' उन्होंने अंत में कहा कि एक-एक वोट नगर के उज्ज्वल भविष्य की नींव है और सभी नागरिक मिलकर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर नगर का निर्माण करें। नारे के साथ उन्होंने संदेश दिया- 'अजय कुमार भारती नहीं, विकास जीतेगा' और 'हर घर तक रोशनी, जगमगाती हुई नजर आएंगी'

अरुणा शंकर का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। मेदिनीनगर नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर का जन्मदिवस आज शहर के प्रतिष्ठित होटल 'शिवाय ब्लू' के सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के प्रमुख सामाजिक संगठनों की प्रबुद्ध महिलाओं ने एकजुट होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में चैंबर महिला विंग की बहनें, शहर की वरिष्ठ महिलाएं एवं महिला सामाजिक संगठन की बहनें भी उपस्थित रहीं। सभी ने अरुणा शंकर के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। समारोह की शुरुआत केक काटकर की गई, जिसके बाद उपस्थित महिलाओं ने पुष्पगुच्छ और उपहार भेंट कर महापौर का अभिनंदन किया। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल के दौरान शहर के विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। इस दौरान महापौर ने भावुक होते हुए कहा, "आप सभी का स्नेह और सम्मान पाकर मैं अभिभूत हूँ। समाज की सेवा का जो अवसर मुझे मिला, वह आप सभी के सहयोग के बिना संभव नहीं था। यह प्रेम ही मेरी असली ताकत है।" महिला विंग की अध्यक्षों और सदस्यों ने समाज सेवा के संकल्प को दोहराया। उपस्थित महिलाओं ने कहा कि अरुणा शंकर न केवल एक कुशल प्रशासक रही हैं, बल्कि पलामू की महिलाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी हैं। महिलाओं ने कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा कि अरुणा शंकर की जीत पलामू के विकास की नई दिशा तय करेगी। उनकी जीत से शहर में चौमुखी विकास होगा। इस भव्य आयोजन में शहर की कई गणमान्य महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहीं।

अवैध अफीम/पोस्ता की खेती का विनष्टीकरण

संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू: पांकी थाना क्षेत्र के ग्राम कसमार स्थित जंगली इलाके में वन भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती पर प्रशासन ने कठोर कार्रवाई की। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने लगभग 06 एकड़ क्षेत्र में फैली इस अवैध फसल को नष्ट किया। विनष्टीकरण अभियान में पांकी थाना के पदाधिकारी पु०अ०नि० गोपाल कुमार राय, स०अ०नि० श्यामलाल यादव, स०अ०नि० रामनाथ मंडल, ताल पिकेट के स०अ०नि० सुनील सुभाष भेंगरा, साथ ही पांकी थाना और ताल पिकेट के अन्य जवानों के अलावा वन विभाग की टीम भी शामिल थी। यह अभियान पूरी तरह से प्रशासन और पुलिस की सख्त पहल का हिस्सा था, जो अवैध अफीम और पोस्ता की खेती को समाप्त करने के लिए चलाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के बाद अब अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। नाम-पता सत्यापन के बाद इन व्यक्तियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत वन वाद दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मादक पदार्थों की अवैध खेती के खिलाफ यह सख्त अभियान जारी रहेगा और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई से यह संदेश दिया गया है कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ प्रशासन सख्त है और किसी भी तरह की अवैध खेती को बढ़ावा नहीं दिया

न्यू सब्जी मंडी के सर्वांगीण विकास को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता

हरिहरगंज पलामू हरिहरगंज स्थित न्यू सब्जी मंडी परिसर में बुधवार को सब्जी मंडी के सर्वांगीण विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता रामवृक्ष मस्ताना ने की, जबकि संचालन अखिलेश मेहता ने किया. बैठक को संबोधित करते हुए समाजसेवी राजीव रंजन ने कहा कि बीते 10 वर्षों से वे जनहित और किसान-सब्जी व्यवसायियों के हित में निरंतर प्रयासरत हैं. उन्होंने बताया कि निजी खर्च से मंडी परिसर में स्टोन डस्ट व छाई का भराव कराया गया. साथ ही नगर पंचायत के माध्यम से जलमीनार व हाई मास्क लाइट की व्यवस्था कराई गयी. सांसद कोटे से नाली निर्माण कर मंडी को गंदगी से काफी हद तक निजात दिलाई गयी है. उन्होंने आगे कहा कि निजी खर्च से जेसीबी व ट्रैक्टर लगाकर समय-समय पर कचरा हटवाया गया. नगर पंचायत द्वारा सब्जी शेड निर्माण के लिए स्थल चिन्हित कर लिया गया है. 15वीं वित्त आयोग की राशि उपलब्ध होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा. इसके अलावा किसानों के हित में कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था को लेकर संबंधित पदाधिकारियों से वार्ता की जाएगी. बैठक में संजय जायसवाल, अवधेश मेहता, संतोष गुप्ता, शम्भू यादव, टंटू मिश्रा, विश्वदीप कुमार, विनोद पासवान, छोटू कुमार, विजय प्रजापति, जेपी गुप्ता, संतोष कुमार, सत्येंद्र मेहता, अरुण सिंह, सुदय कुमार, कमलेश यादव, राजू गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, संजीव कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

अमीन अनिरुद्ध सिंह के निधन से क्षेत्र में शोक

संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू प्रखंड के भैरोपुर निवासी व प्रतिष्ठित अमीन अनिरुद्ध सिंह 72 वर्ष का सुबह 9:00 बजे जपला स्थित आवास पर निधन हो गया 1 निधन की खबर फैलते ही शोक संवेदन व्यक्त करने वालों की भीड़ भी लग गई 1 उनके पार्थिव शरीर को भैरोपुर लाया गया वहीं से अंतिम संस्कार की यात्रा शुरू हुई और सोन नदी स्थित मुक्तिधाम में किया गया शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह, विनोद कुमार सिंह, कमलेश कुमार सिंह, स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, धनंजय तिवारी, रामेश्वर राम, डॉ राजेंद्र पटेल, मिथिलेश कुमार सिंह देवेंद्र नाथ गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, आलोक कुमार, संतोष सोनी, मंजय चौधरी, विनय सिंह, सुरेंद्र सिंह, संदीप कश्यप पुर्व पंचायत समिति सदस्य रामजी राम समाजसेवी सैनिक सुधीर कुमार सिंह उर्फ पप्पू कुमार सिंह सहित अन्य लोग ने शोक व्यक्त की

सेवा सदन में रिंकु सिंह ने किया मरीजों का हालचाल, सेवा भाव को किया सलाम

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू नगर निगम क्षेत्र के प्रसिद्ध चिकित्सा संस्थान सेवा सदन में आज रिंकु सिंह ने पहुंचकर मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मचारियों और डॉक्टरों से भी आत्मीय संवाद किया। रिंकु सिंह अस्पताल के कर्मियों के निस्वार्थ सेवा भाव से प्रभावित हुईं और उनके समर्पण की सराहना की। भ्रमण के दौरान उन्होंने देखा कि किस तरह चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी पूरी निष्ठा से मरीजों की सेवा में जुटे हैं। इस सेवा को देखकर उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "आज सेवा सदन में आकर मुझे मानवता का असली रूप देखने को मिला। यहां के कर्मी जिस समर्पण और ऊर्जा के साथ बीमारों की सेवा कर रहे हैं, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। मेरा उद्देश्य न सिर्फ बुनियादी ढांचे को सुधारना है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाना है ताकि हर नागरिक को समय पर और सम्मानजनक इलाज मिल सके।" रिंकु सिंह ने यह भी भरोसा दिलाया कि मेदिनीनगर नगर निगम के विकास और जन-सुविधाओं के विस्तार के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगी। इस अवसर पर सेवा सदन के वरीय पदाधिकारी, कर्मचारी, चिकित्सकगण और स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन

संवाददाता

पलामू उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया।जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा।पब्लिक की बातों को सुनते हुए उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदनों की प्रति अग्रसारित करते हुए त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने की बात कही। जनता दरबार में उंटारी रोड के मुरमा कलां से आये उपेंद्र मेहता ने बताया कि सदर भूमि सदर उपसमाहर्ता द्वारा दाखिल-खारिज का आदेश पारित होने के बावजूद उंटारी रोड के सीओ द्वारा कार्य लटकाया जा रहा है।उन्होंने डीसी से हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई की मांग की।इसी तरह चैनपुर से आये अनुज प्रसाद ने कहा कि वार्ड 35 के बिचला मोहल्ला में बिजली का तार काफी जर्जर स्थिति में है।उन्होंने डीसी से तार बदलवाने का अनुरोध किया।इसी क्रम में पाण्डु के तीसीबार से आयी भगनी देवी ने कहा कि उनको अबुआ आवास के तहत आवास का लाभ प्रदान किया गया था।प्रथम क़िस्त के माध्यम से 30 हजार रुपए भी दिया गया था लेकिन अब कोई क़िस्त का भुगतान नहीं किया जा रहा है।उन्होंने डीसी से उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया।लेस्लीगंज के ग्राम जामुनडीह से आये अजय तिवारी ने कहा कि वो अपने हिस्से के ज़मीन पर आवास निर्माण कार्य करा रहें हैं लेकिन कुछ स्थानीय ग्रामीणवासियों द्वारा कार्य में बाधा उत्पन्न किया जा रहा है।उन्होंने डीसी से आवास निर्माण में सहयोग प्रदान करने की बात कही।

उपरोक्त के अतिरिक्त जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद,सार्वजनिक रास्ता रोकने,अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास दिये जाने,दाखिल खारिज,राजस्व,स्वास्थ्य विभाग,सेविका में गलत महिला का चयन होने,आपूर्ति,पेयजल, शिक्षा,कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त किये गये।

जामताड़ाः भेलाडीहा में पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण का समापन, 53 किसानों को मिले प्रमाणपत्र और कृषि उपकरण

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। जिला उद्यान कार्यालय जामताड़ा के तत्वावधान में और लोक कल्याण परिषद समिति के सौजन्य से भेलाडीहा में आयोजित पांच दिवसीय उद्यानिकी (बागवानी) प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को विधिवत समापन हो गया। इस कार्यक्रम के अंतिम दिन सफल प्रशिक्षणार्थियों के बीच प्रमाणपत्र, बीज और कृषि उपकरणों का वितरण किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षक

पीयूष कुमार गुप्ता और आशीष सिंह ने किसानों को आधुनिक खेती के

गुर सिखाए। प्रशिक्षक आशीष सिंह ने जोर देते हुए कहा कि “उद्यानिकी (Horticulture) किसानों के लिए साल के बारह महीने आय का स्रोत बन सकती है। यह पारंपरिक फसलों के साथ विविधीकरण का एक बेहतरीन विकल्प है।” उन्होंने किसानों को कम जमीन और कम समय में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के दौरान इंटीग्रेटेड फार्मिंग (एकीकृत कृषि प्रणाली) पर विशेष चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि कैसे किसान खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन और बागवानी को जोड़कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं। वहीं, प्रशिक्षक पीयूष कुमार गुप्ता ने जैविक खेती के महत्व और उससे होने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से रासायनिक खाद का उपयोग कम कर जैविक विधियों को अपनाने का आह्वान किया, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहे, बल्कि उपभोक्ताओं को भी शुद्ध उत्पाद मिले। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि प्रणालियों को अपनाकर ही किसान अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकते हैं। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य रूप से उपस्थित झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ऑफिसर हेम्ब्रम, विधायक प्रतिनिधि शरम मंडल, निमाई माजी और गोपीनाथ मंडल द्वारा 53 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। साथ ही, उन्हें उन्नत किस्म के बीज और खेती के लिए आवश्यक उपकरण भी सौंपे गए ताकि वे अपने खेतों में प्रशिक्षण का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर उद्यान विभाग के प्रखंड समन्वयक श्यामल फौजदार सहित क्षेत्र के कई प्रगतिशील किसान उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण से क्षेत्र के किसानों में नया उत्साह देखा गया और उन्होंने उन्नत तकनीकों को धरातल पर उतारने का संकल्प लिया।

करमाटांड़ः सरस्वती पूजा को लेकर प्रशासन मुस्तैद, सड़कों पर निकला फ्लैग मार्च; हुड़दंगियों को दी कड़ी चेतावनी

संवाददाता

जामताड़ा/करमाटांड़। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के लिए करमाटांड़ प्रखंड प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मंगलवार को आमजन में सुरक्षा का भाव पैदा करने और असामाजिक तत्वों को चेतावनी देने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा पूरे क्षेत्र में भव्य ‘फ्लैग मार्च’ निकाला गया। यह फ्लैग मार्च प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) सह अंचल अधिकारी (CO) चोंनाराम हेंब्रम, पुलिस इंस्पेक्टर रविंदर नाथ यादव एवं थाना प्रभारी अभय कुमार के संयुक्त नेतृत्व में निकाला गया। मार्च के दौरान सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल के जवान कदमताल करते नजर आए, जिससे पूरे इलाके में प्रशासनिक धमक देखने

को मिली।प्रशासन का यह फ्लैग मार्च रेलवे फाटक से शुरू होकर प्रखंड के विभिन्न संवेदनशील और व्यस्ततम इलाकों से गुजरा। इसमें मुख्य रूप से सरस्वती शिशु मंदिर, सुभाष चौक, गणपत महतो चौक, काली मंदिर शकलपुर सहित दर्जनों प्रमुख मार्ग शामिल रहे। इस दौरान अधिकारी पैदल गश्त करते हुए स्थानीय लोगों और दुकानदारों से सीधा संवाद करते भी दिखे।

मार्च के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने पूजा समितियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया किः

पूजा के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

विसर्जन और पूजा के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा।

सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें।

प्रखंड विकास पदाधिकारी चोंनाराम हेंब्रम ने कहा, “सरस्वती पूजा आस्था और पवित्रता का पर्व है। इसे मिलजुल कर मनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन हर स्थिति पर नजर रखे हुए है।” वहीं, पुलिस इंस्पेक्टर रविंदर नाथ यादव ने सख्त लहजे में कहा, “शांति भंग करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में विशेष पुलिस बल की तैनाती रहेगी और गश्त बढ़ाई गई है।” प्रशासन की इस सक्रियता और फ्लैग मार्च से स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से शांति व्यवस्था बनी रहती है और आम जनता बिना किसी भय के त्योहार मना पाती है।

कर्माटांड़ः मट्टाड में ‘श्री श्री 1008 शिव शक्ति महायज्ञ’ की तैयारी शुरू, 22 अप्रैल से गूंजेंगे भक्ति मंत्र

संवाददाता

जामताड़ा/कर्माटांड़। प्रखंड क्षेत्र के मट्टाड (झिलुवा) गांव में भक्ति और अध्यात्म का अनूठा संगम होने जा रहा है। आगामी अप्रैल माह में आयोजित होने वाले ‘श्री श्री 1008 शिव शक्ति महायज्ञ’ एवं माँ पार्वती मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार, 21 जनवरी 2026 को ग्रामीणों और यज्ञ समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विद्वान पंडितों से विचार-विमर्श के पश्चात इस भव्य आयोजन का नाम ‘शिव शक्ति महायज्ञ’ रखा गया है। यह आयोजन न केवल क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए होगा, बल्कि इसके माध्यम से धार्मिक एकता का संदेश भी दिया जाएगा। यज्ञ समिति ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि यह महायज्ञ 22 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलेगा। इस नौ दिवसीय अनुष्ठान के दौरान जहां एक ओर आहुतियों से वातावरण शुद्ध होगा, वहीं दूसरी ओर नवनिर्मित माँ पार्वती मंदिर में प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य कार्यक्रम भी संपन्न किया जाएगा। मट्टाड (झिलुवा) में होने वाले इस बड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्ययोजना

तैयार की जा रही है। समिति ने जानकारी दी कि यज्ञ की तैयारी, कार्यकर्ताओं के दायित्व और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अगली बैठक 25 जनवरी 2026 को दोपहर 1:30 बजे निर्धारित की गई है। इस बैठक में यज्ञ के बजट, कलश यात्रा की रूटिंग और देश के विभिन्न हिस्सों से

आने वाले संतों व प्रवचनकर्ताओं के आमंत्रण पर चर्चा होने की संभावना है। आयोजन को लेकर गांव के युवाओं और बुजुर्गों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस महायज्ञ से पूरे क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मुरलीडीहः जिला परिषद प्रत्याशी मोनिका कुमारी ने कार्यकर्ताओं के साथ मनाया नववर्ष, वन भोज में उमड़ी समर्थकों की भीड़

संवाददाता

जामताड़ा/करमाटांड़ः- नववर्ष के आगमन का जश्न करमाटाड़ प्रखंड के मुरलीडीह में बड़े ही उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। भाग संख्या 05 की जिला परिषद भावी प्रत्याशी मोनिका कुमारी एवं उनके प्रतिनिधि महेंद्र मंडल के नेतृत्व में मुरलीडीह गांव स्थित मैदान में एक भव्य ‘वन भोज’ (पिकनिक) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। नूतन वर्ष के इस अवसर पर आयोजित वन भोज का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं के बीच एकता को बढ़ावा देना और आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करना था। कार्यक्रम स्थल पर तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए गए थे, जिसका कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से आनंद लिया। मैदान के समीप नदी

किनारे मनोरंजन की भी विशेष व्यवस्था रही, जहाँ मधुर संगीत और गपशप के बीच कार्यकर्ताओं ने नए साल का स्वागत किया। पूरा क्षेत्र ‘नववर्ष मंगलमय हो’ के नारों और उल्लास से सराबोर दिखा। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जिला परिषद प्रत्याशी मोनिका कुमारी ने सभी को नववर्ष की बधाई दी। उन्होंने कहा, “नया साल नई उम्मीदें लेकर आता है। हमारे क्षेत्र के विकास के लिए हम सभी को एक सूत्र में बंधकर काम करने की आवश्यकता है। इस तरह के आयोजनों से न केवल मन को शांति मिलती है, बल्कि कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और जोश का संचार भी होता है।” वहीं, उनके प्रतिनिधि

महेंद्र मंडल ने कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जनता का सहयोग ही किसी भी सामाजिक बदलाव की नींव होता है। उन्होंने समर्थकों से अपील की कि वे आने वाले समय में भी इसी एकजुटता के साथ जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहें ताकि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान किया जा सके। कार्यक्रम में शामिल समर्थकों ने इस पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि राजनीतिक व्यस्तताओं के बीच इस तरह के अनौपचारिक मिलन से टीम भावना मजबूत होती है। शाम तक चले इस वन भोज ने भाईचारे और सौहार्द का एक सकारात्मक संदेश दिया।

पुलवामा के शहीदों की स्मृति में 14 फरवरी को रक्तदान करेगा ‘नेताजी ब्लड डोनर एसोसिएशन’, बैठक में लिया गया निर्णय

संवाददाता

जामताड़ा। मानवता की सेवा और देशभक्ति के जज्बे को समर्पित जामताड़ा की अग्रणी संस्था ‘नेताजी ब्लड डोनर एसोसिएशन’ द्वारा इस वर्ष एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को नगर स्थित संत एंथोनी विद्यालय के प्रांगण में एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन की परंपरा के अनुसार हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर होने वाला रक्तदान शिविर इस वर्ष 14 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। तिथि में बदलाव का मुख्य कारण इस वर्ष 23 जनवरी को ‘बसंत पंचमी’ का पर्व होना है। समिति ने निर्णय लिया कि अब यह शिविर पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति को समर्पित होगा। एसोसिएशन के सचिव डॉ. चंचल भंडारी ने

बैठक को संबोधित करते हुए कहा, “रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी मरते हुए व्यक्ति को जीवनदान दे सकता है। इस वर्ष हम अपने वीर शहीदों को रक्त की बूंदों से श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पुलवामा के शहीदों की याद में आयोजित यह शिविर समाज में राष्ट्रप्रेम और सेवा की भावना को और मजबूत करेगा।” उन्होंने बताया कि संस्था का मुख्य लक्ष्य जिले में रक्त की कमी को दूर करना और जागरूकता फैलाना है। सह-सचिव लारेब खान ने युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, “युवा शक्ति ही समाज की रीढ़ है। हम चाहते हैं कि 14 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में युवा इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हिस्सा बनें। यह शिविर न केवल शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है, बल्कि यह जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी भी सिद्ध होगा।” बैठक के दौरान आयोजन की सफलता को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष कुणाल किशोर, सक्रिय सदस्य मोनू साव, आकाश साव, अमन प्रसाद सहित संत एंथोनी विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। एसोसिएशन ने जामताड़ा के आम नागरिकों से अपील की है कि वे 14 फरवरी को आयोजित होने वाले इस पुनीत कार्य में सहभागी बनकर वीर जवानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें।

पाकुड़ः आयुष विभाग की अनूठी पहल; कोलाजोड़ा विद्यालय के 5 छात्र बने ‘योग मित्र’, अब तक 375 बच्चे हुए प्रशिक्षित

संवाददाता

पाकुड़। जिले के स्कूली बच्चों को स्वास्थ्य, योग और प्राचीन आयुष पद्धति के प्रति जागरूक करने के लिए आयुष विभाग की ‘प्रोजेक्ट जागृति’ और ‘आयुर्विद्या कार्यक्रम’ रंग ला रहा है। इसी कड़ी में बुधवार, 21 जनवरी 2026 को पाकुड़ प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कोलाजोड़ा में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर 5 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को “योग मित्र” के रूप में चयनित किया गया। चयनित ‘योग मित्रों’ को विभाग की ओर से विशेष किट प्रदान की गई, जिसमें टी-शर्ट, कैप, बैच, पहचान पत्र और योगा बुक शामिल है। ये योग मित्र अब अपने विद्यालय और आसपास के समुदाय में योग के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश फैलाएंगे। विभाग का मानना है कि बच्चों के माध्यम से योग को घर-घर तक पहुँचाना आसान होगा। जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विपिन चंद्र गुप्ता ने इस अभियान की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, “आयुष विभाग का यह अभियान जिले में स्वास्थ्य क्रांति ला रहा है। अब तक जिले के 75 विद्यालयों के 375 छात्र-छात्राओं को ‘योग मित्र’ के रूप में प्रशिक्षित और चयनित किया जा चुका है। यह स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।” जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सुजीत कुमार चौहान ने कहा कि आयुष विभाग केवल

योग मित्र ही नहीं बना रहा, बल्कि प्रत्येक विद्यालय में नियमित रूप से योग सत्र और आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में अपनी सेहत और प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। कोलाजोड़ा विद्यालय में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य रूप से योग प्रशिक्षक राजा साह एवं मंजू देवी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों को योग के गुर सिखाए। मौके पर विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे। आयुष विभाग के इस प्रयास की सराहना पूरे जिले में हो रही है, जिससे भविष्य की पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाने की राह प्रशस्त हो रही है।

पाकुड़ियाः गणपुरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 43 मरीजों की हुई जांच; परिवार नियोजन अपनाने वाली महिलाएं सम्मानित

संवाददाता

पाकुड़/पाकुड़िया। प्रखंड क्षेत्र के गणपुरा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बुधवार, 21 जनवरी 2026 को एक दिवसीय आयुष्मान आरोग्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे, जहाँ स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उनके स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की गई और दवाइयां वितरित की गईं। शिविर के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों की विस्तृत जांच की। इसमें मुख्य रूप से ब्लड प्रेशर (रक्तचाप), शुगर (मधुमेह), हीमोग्लोबिन (HB) स्क्रीनिंग और वजन की जांच शामिल रही। कुल 43 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें उनकी बीमारी के अनुसार आवश्यक दवाइयां निःशुल्क प्रदान की गईं। इसके साथ ही ग्रामीणों को बेहतर खान-पान और नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में केवल बुजुर्गों और वयस्कों ही नहीं, बल्कि छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया गया। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत छोटे बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाव हेतु टीके लगाए गए। स्वास्थ्य कर्मियों ने उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के समय पर टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी। स्वास्थ्य शिविर के साथ-साथ इस अवसर पर ‘परिवार नियोजन दिवस’ भी मनाया गया। इस दौरान योग्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों के प्रति जागरूक किया गया। समाज में सकारात्मक संदेश देने और परिवार नियोजन के स्थायी या अस्थायी साधनों को अपनाने वाली सात महिलाओं/योग्य दंपत्तियों को विभाग की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से गांव में ही विशेषज्ञ जांच

और दवाइयां उपलब्ध होने से उन्हें काफी सुविधा होती है। शिविर को सफल बनाने में स्थानीय स्वास्थ्य उपकेंद्र के कर्मियों और सहियाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बैंक एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी के टिप्स

बैंकिंग या अन्य सरकारी जॉब पाने के इच्छुक युवाओं को रिटन टेस्ट व इंटरव्यू के दौर से गुजरना ही होता है। ऐसी परीक्षाएं मुख्य रूप से ऑब्जेक्टिव टाइप होती हैं और उनमें 4 से 5 पेपर होते हैं। इनमें इंग्लिश लैंग्वेज पेपर भी होता है, जिसमें आप सही तरह से तैयारी करके काफी अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

इंग्लिश के पेपर में इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन, ग्रामेटिकल स्किल्स तथा वोकैब्युलरी स्किल्स को परखने के लिए प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्न इस तरह सेट किए जाते हैं कि आपके अंगरेजी ज्ञान को अच्छी तरह जांचा जा सके। आम तौर पर यह पेपर 40 अंक का होता है और इसमें वोकैब्युलरी सेक्शन प्रमुख होता है। इसी से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। उम्मीदवार की वोकैब्युलरी स्किल्स को जांचने के लिए एंटॉनिम्स, सिनॉनिम्स, कॉमन एरर्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स एंड फ्रेजेस से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें हल करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को भाषा की अच्छी समझ हो। एक नजर डालते हैं वोकैब्युलरी सेक्शन में अच्छा स्कोर करने के लिए जरूरी बातों पर।

पढ़ने की आदत

अपनी वोकैब्युलरी सुधारने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि लगातार इंग्लिश पढ़ते रहें। चाहे अखबार हों या मैग्जीन, ब्लॉग हों या वेबसाइट या फिर किताबें... आपको चाहिए कि आप जहां, जो मिले, उसे पढ़ डालें। जो भी पढ़ें, उसमें नए शब्दों और वाक्यों में उनके प्रयोग पर गौर करें।

नए शब्द सीखें

जब भी, जो भी नया शब्द दिखे, उसका अर्थ डिक्शनरी में देखें। इससे आपकी वोकैब्युलरी सुधरेगी और आपका शब्द भंडार समृद्ध होगा।

लिखते रहें

पढ़ने के साथ ही लिखने की आदत भी डालें। लिखने का अभ्यास भाषा पर आपकी पकड़ को मजबूत करेगा। इससे, जब आप कंपोजिशन लिखेंगे, तो नए शब्दों का प्रयोग करना आपके लिए आसान हो जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

किताबें, मैग्जीन आदि पढ़ना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ ही आपको इंग्लिश फिल्में, टीवी सीरियल व नाटक भी देखने चाहिए और इंग्लिश गाने भी सुनने चाहिए। कुल मिलाकर, भाषा को जिस भी रूप में ग्रहण कर सकते हैं, करें। इससे आप और वृहद स्तर पर भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

प्रैक्टिस करें

अनेक कॉम्पिटिशन गाइड बुक्स में इंग्लिश लैंग्वेज के मॉक टेस्ट पेपर तथा सैंपल क्वेश्चन पेपर उपलब्ध होते हैं। इन्हें हल करते रहने से भी आपको काफी मदद मिलेगी। आपको परीक्षा के वोकैब्युलरी सेक्शन के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा और नए शब्द व वाक्य भी सीखने को मिलेंगे।

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप देश-दुनिया की सैर करने के शौकीन हैं और किसी करियर के तलाश में हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

अक्सर हम पढ़ाई या अपने करियर में ऐसी स्थिति पर आकर खड़े हो जाते हैं जब कुछ समझ नहीं आता है। किस दिशा में करियर बनाया जाए, इस बात को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज रहते हैं। सब लोग अलग-अलग राय दे रहे होते हैं। ऐसे में, समझ नहीं आता कि क्या करना कितना सही होगा। जबकि, आज का समय सिर्फ कोर्स या डिग्री तक ही सीमित नहीं है। अगर, आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसमें भी अपना करियर देख सकती हैं। पर, आज हम बात कर रहे हैं ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। यदि आप घूमने-फिरने की शौकीन हैं और अक्सर सैर-सपाटे पर निकलते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में भी अपना करियर देख सकती हैं। चलिए आज हम आपको ट्रैवल से जुड़े कुछ करियर की ऑप्शन के बारे में बताते हैं।

टूर गाइड में बनाएं करियर

अगर आपको जगह-जगह पर घूमने और उसके बारे में जानने में दिलचस्पी है, तो आप टूर गाइड में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए आपको नई जगहों की जानकारी होने के साथ ही कहानी कहने का हुनर भी आना चाहिए। दरअसल, टूर गाइड का काम पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी देना और उससे जुड़े इतिहास के बारे में बताना होता है। ऐसे में, आपको इन स्थलों के इतिहास की जानकारी होने के साथ उसे बताने का तरीका भी आना चाहिए, ताकि लोगों को आपकी बताई गई बातें आसानी से समझ आए।

ट्रैवल एजेंट की नौकरी भी कर सकते हैं आप

ट्रैवल एंड टूरिज्म के क्षेत्र में ट्रैवल एजेंट की नौकरी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस नौकरी के लिए आपके अंदर मैनेजमेंट और बजट स्किल का होना जरूरी है। ट्रैवल एजेंट का काम लोगों के लिए बढ़िया ट्रिप खोजना और उसके लिए टूर या ट्रैवल पैकेज तैयार करना होता है। इसमें रिसॉर्ट्स की बुकिंग से लेकर खाने-पीने और घूमने तक पूरा वैकेशन पैकेज तैयार किया जाता है।

ट्रैवल फोटोग्राफी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप ट्रैवल की शौकीन हैं, तो आप ट्रैवल फोटोग्राफर भी बन सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना पर्सनल पेज बना सकते हैं, जिसमें कुछ क्रिएटिव फोटोग्राफ क्लिक करके अपलोड कर सकते हैं। आप एक फ्रीलांस ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में काम कर सकते हैं। अपने काम को अलग-अलग ब्रैंड और कंपनियों को बेच सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी ट्रैवल कंपनी या प्रकाशन के लिए भी काम कर सकते हैं।

चुनौती भरा कॅरियर मेडिकल लैब टेक्निशियन

लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में क्लिनिक्ल प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों का विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए क्लिनिकल प्रयोगशाला की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेट्री टेकनोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है। एमएलटी की पढ़ाई में बायो केमेस्ट्री, माइक्रोबायलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एमएलटी शरीर में खून, खून के प्रकार, सेल और अन्य की अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

नेचर ऑफ वर्क

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह के मुताबिक मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवारमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी एंव अस्पताल प्रषिक्षण की पढ़ाई जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नालॉजी (सीएमएलटी) यह छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विशय के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विशयों के साथ तो उत्तीर्ण होना जरूरी है ही साथ ही इस कोर्स की अवधि है तीन वर्श। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेर्टी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोसमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निक्ल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

कहां कहां है अवसर

मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लेबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मेडिकल लेबोरेट्री, हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टेंट के अलावा खुद का क्लिनिक खोल सकते हैं ऐसा कहना है डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह का।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन दस हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार से चालीस हजार तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफ । होता चला जाता है। देष के साथ साथ विदेषों में भी इनकी खासी डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- डेल्ही पारामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई), नई दिल्ली
- षिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पारा मेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पष्चिम बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

पहली जॉब ज्वॉइन करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

यह सच है कि पहली जॉब अपने साथ एक उमंग लेकर आता है। लेकिन इस उमंग और उत्साह के बीच आपको अपनी समझदारी को नहीं खोना चाहिए। चूंकि आप अभी-अभी अपने प्रोफेशनल जीवन की शुरूआत कर रहे हैं, इसलिए आपको कई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि एक अच्छी जॉब मिलना जितना मुश्किल है, उससे भी कठिन है उसमें बने रहना और समय के साथ ग्रोथ करना। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं, जो पहली जॉब में आपको ग्रोथ करने में मदद करेंगे-

जॉब आपके अनुकूल है या नहीं

कुछ लोगों के मन में अपनी प्रोफेशनल लाइफ को शुरू करने को लेकर इतना उत्साह होता है कि वह अन्य कुछ भी सोचना नहीं चाहते। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप अपनी जॉब ज्वॉइन कर रहे हैं तो यह अवश्य देखें कि ऑफिस आपके घर से कितना दूर है। क्या आप हर दिन सुविधापूर्वक ऑफिस जा सकते हैं। इसके अलावा, आपके काम की टाइमिंग क्या है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देकर ही जॉब ज्वॉइन करें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको तनाव होने लगेगा।

सीखते रहने पर दें जोर

कुछ लोग जॉब शुरू करते हैं तो उनके कोई खास टास्क दिया जाता है और वह केवल उसे ही करते चले जाते हैं। लेकिन आपको यह ध्यान देना चाहिए कि यह आपकी पहली जॉब है और इसलिए ऐसा बहुत कुछ है, जिसे अभी सीखा जाना बाकी है। इसलिए, जब आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रख दें, तब भी अपने सीखने के प्रोसेस को स्टॉप ना करें। ऑफिस के अलावा इंटरनेट, किताबों व शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए ऐसी चीजें सीखने की कोशिश करें, जो आपको एक अच्छी ग्रोथ दे सकें।

ऑफिस वियर का ध्यान रखना

जो लोग अपनी फर्स्ट जॉब में होते हैं, वह अक्सर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बेहद सजग नहीं होते। खासतौर से, जिन ऑफिस में ड्रेस कोड नहीं होता है, वहां पर अक्सर न्यूकमर्स कुछ भी पहन लेते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। ध्यान दें कि इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है। भले ही यह आपकी पहली जॉब है, लेकिन फिर भी आपको अपने आउटफिट से लेकर बातचीत करने के अंदाज यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज आदि हर चीज का ख्याल रखना चाहिए। यह सभी चीजें आपके करियर को बहुत अधिक इफेक्ट करती हैं।

कंपनी पॉलिसी को करें चेक

अगर नई जॉब ज्वॉइन करते समय आप कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप सभी नियमों व कंपनी पॉलिसी को अवश्य पढ़ें। अक्सर पहली जॉब में लोग इसे पढ़ना जरूरी नहीं समझते। लेकिन वास्तव में यह बेहद अहम् है। कभी-कभी कंपनी के ऐसे कुछ नियम होते हैं, जो बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसके अलावा, आपको कंपनी की सोशल मीडिया पॉलिसी भी अवश्य चेक करनी चाहिए। दरअसल, इन दिनों कई कंपनियां काम के घंटों में कर्मचारियों को सोशल मीडिया साइट्स चलाने की अनुमति नहीं देती हैं। ऐसे में अगर आप उस समय सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो यह आपके काम व जॉब के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पटना के एक हॉस्टल में बमबाजी, जमकर गोलीबारी

पटना, एजेंसी। पटना में हॉस्टल से जुड़े मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पहले दो हॉस्टलों के अलग-अलग कमरों से दो छात्राओं की लाश मिली और अब बमबाजी और फायरिंग की खबर है। मंगलवार की रात सीवी रमन हॉस्टल में बमबाजी हुई। इतना ही नहीं, बदमाशों ने गोलियां भी चलाई। बमबाजी से हॉस्टल की खिड़कियों के शीशे टूट गए। 2 लोग घायल भी हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में एटमिट कराया गया है। यह पूरा मामला पटना के सुलतानगंज थाना इलाके से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक, कृष्ण घाट पर एक लड़की से छेड़खानी हुई थी। इसके बाद ही इस घटना को अंजाम दिया गया। बमबाजी में हॉस्टल के पास खड़ी बाइक डैमेज हो गई। इसके अलावा दीवारों और कमरों में गोलियों और बम के निशान भी पड़ गए। फिलहाल, पुलिस पूरी घटना की जांच में जुटी है। हॉस्टल में हुई बमबाजी और फायरिंग के बाद दूसरे स्टूडेंट्स भी दहशत में हैं। घटना के बारे में सुलतानगंज थाना सब इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार ने बताया कि एक लड़की से छेड़खानी को लेकर छात्रों के दो गुटों के बीच लड़ाई हुआ। इसी को लेकर जैक्सन हॉस्टल के छात्र और बाहर के छात्रों के बीच मारपीट हुई। इसके बाद सीवी रमन हॉस्टल में बमबाजी और गोलीबारी हुई। मौके से जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पूरे मामले की जांच चल रही है।

जमीनी विवाद में पति-पत्नी घायल: असरगंज में दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर जिले के असरगंज थाना क्षेत्र के सजुआ गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष के पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को असरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक डॉ. निधि कुमारी ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायल महिला की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर स्थित मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान सजुआ गांव निवासी 43 वर्षीय राजन यादव और उनकी 30 वर्षीय पत्नी अंशु कुमारी के रूप में हुई है। इस बीच, गांव के कुछ लोगों ने मारपीट की पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वायरल वीडियो को भी जांच का आधार बनाया जा रहा है।

निचली अदालतों को जमानत याचिकाएं निपटाने का आदेश

पटना, एजेंसी। मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका की बाढ़ को देखते हुए गंभीर रुख अपनाया है। उन्होंने मंगलवार को राज्य के सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को अपने विवेक से जमानत संबंधी मामलों का निपटारा करने का निर्देश दिया। उनके साथ न्यायमूर्ति प्रभात कुमार सिंह, नवनीत कुमार पांडेय, सत्यव्रत वर्मा, राजेश कुमार वर्मा, चंद्रशेखर झा और आरपी मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि तीन से सात साल की सजा के मामले में भी निचली अदालत से अग्रिम या नियमित जमानत नहीं दी जाती है, जिसके कारण हाईकोर्ट में याचिकाओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हाईकोर्ट का अधिकांश समय उनके निपटारे में ही निकल जाता है। हाईकोर्ट के समक्ष अनेक महत्वपूर्ण मामले सुनवाई के लिए लंबित हैं। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा कथित रूप से बड़े पैमाने पर उपयोगिता प्रमाणपत्र जमा नहीं किए जाने के मामले में राज्य सरकार से जानकारी मांगी है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू और न्यायमूर्ति मोहित कुमार शाह की खंडपीठ ने किशोर कुमार की जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया।

बीपीएम पद से हटाने पर भाजपा ऑफिस के बाहर हंगामा, अभ्यर्थियों ने की नारेबाजी

पटना, एजेंसी। बीपीएम की नौकरी से हटाए गए अभ्यर्थियों ने मंगलवार को पटना स्थित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। अपनी बहाली की मांग को लेकर सड़क पर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के कारण कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना था कि उन्हें बिना स्पष्ट कारण बताए नौकरी से हटा दिया गया है। कई अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि वर्षों तक सेवा देने के बाद अचानक अनुबंध समाप्त कर देना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि उनके भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है। अभ्यर्थियों का कहना था कि वे पूरी निष्ठा से काम कर रहे थे और उनकी सेवा में किसी तरह की गंभीर कमी नहीं बताई गई।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बीपीएम पद पर कार्यरत रहते हुए उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी कई योजनाओं को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारा।

पटना का हार्डिंग पार्क टर्मिनल बदलेगा शहर की तस्वीर

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के हार्डिंग पार्क में बन रहे नए रेलवे टर्मिनल का काम करीब छह महीने बाद फिर से शुरू हो गया है। इस बार रेलवे ने पूरी तरह नए डिजाइन के साथ निर्माण की रफ्तार बढ़ा दी है। लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक यह टर्मिनल पूरी तरह बनकर तैयार हो जाए और पटना को एक अत्याधुनिक ट्रांसपोर्ट हब की सौगात मिले।

खास बात यह है कि जीपीओ से आर ब्लॉक की ओर जाने वाले फ्लाइओवर को सीधे स्टेशन से जोड़ा जाएगा, जिससे यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी कनेक्टिविटी का अनुभव मिलेगा।

नए डिजाइन के तहत हार्डिंग पार्क में एक फुट ओवरब्रिज बनाया जाएगा, जो फ्लाइओवर को सीधे रेलवे टर्मिनल से कनेक्ट करेगा। यानी यात्री फ्लाइओवर से उतरते ही सीधे स्टेशन परिसर में पहुंच सकेंगे। इससे शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा और समय की बचत भी होगी।

जीपीओ गोलंबर की ओर से करीब साढ़े सात फुट ऊंची चहारदीवारी का निर्माण शुरू कर दिया गया है, जिससे स्टेशन क्षेत्र को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके।

छह महीने तक काम रुके रहने के कारण हार्डिंग पार्क के आसपास अतिक्रमण तेजी से बढ़ गया। जीपीओ गोलंबर से लेकर आर ब्लॉक तक झोपड़ियां बस गई हैं। अब निर्माण एजेंसी ने जिला प्रशासन, आरपीएफ और जीआरपी को आवेदन देकर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू करा दी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि काम की गति बनाए रखने के लिए क्षेत्र को जल्द अतिक्रमण मुक्त करना जरूरी है।

हार्डिंग पार्क टर्मिनल और वहां से चलने वाली ट्रेनों को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए 33 केवी की नई अलग बिजली लाइन बिछाई जाएगी। करीब 2.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत केबल डाली जाएगी, ताकि पटना जंक्शन, रेलवे कॉलोनी और कार्यालयों पर पड़ने वाले लोड का असर इस टर्मिनल पर न पड़े। इससे ट्रेनों के संचालन में किसी तरह की रुकावट नहीं आएगी।

हार्डिंग पार्क टर्मिनल का निर्माण दो फेज में किया जाएगा। पहले फेज पर लगभग 150 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसमें पांच नए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, जिनसे लोकल ट्रेनों का संचालन होगा। पहला फेज जून 2027 तक और दूसरा फेज उसके बाद डेढ़ साल में पूरा करने का लक्ष्य है। कुल मिलाकर तीन साल में स्टेशन को पूरी तरह विकसित करने की योजना है।

रेलवे का कहना है कि हार्डिंग पार्क टर्मिनल में एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। मेट्रो और सड़क मार्ग से इसकी सीधी कनेक्टिविटी होगी। यह परियोजना अमृत भारत योजना के तहत पटना जंक्शन को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। जगह की कमी के कारण पटना जंक्शन का विस्तार संभव नहीं था, इसलिए हार्डिंग पार्क को वैकल्पिक बड़े टर्मिनल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

राज्य में अवैध रूप से चलने वालीं 78 बसों के संचालन पर लगाई गई रोक

पटना, एजेंसी। अवैध रूप से चलने वालीं 78 बसों के परमिट पर राज्य परिवहन प्राधिकार ने रोक लगा दी है। ओवरलोडिंग, प्रदूषण फैलाने व परमिट नियमों का उल्लंघन करने पर यह कार्रवाई की गई है। साथ ही प्राधिकार ने बस मालिकों को नोटिस भेजकर अपटेडेट कागजात के साथ पक्ष रखने के लिए निर्देशित किया है। प्राधिकार की आपत्तियों को दूर नहीं करने वाले बसों पर आगे की कार्यवाही शुरू होगी।दरअसल, मुजफ्फरपुर के डीटीओ ने गत 29 अक्टूबर को जांच के दौरान पटना व निर्मली के बीच चलने वाली बस को अवैध परिचालन में पकड़ा था। जिसके बाद बस पर लंबित चालान व प्रदूषण के लिए जुर्माना लगाने के साथ पूर्व से जारी परमिट जमा करने का निर्देश दिया। लेकिन, निर्देशों का अबतक पालन नहीं हुआ है।इसी तरह डीटीओ ने पटना से जयनगर जाने वाले बस की जांच की थी। उस पर जुर्माना राशि व लंबित चालान अभी तक बस मालिक ने नहीं दिया है।

निगरानी की बड़ी कार्रवाई, 15 हजार रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

अररिया, एजेंसी। अररिया जिले के नरपतगंज अंचल कार्यालय स्थित हल्का कचहरी में मंगलवार शाम भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष निगरानी इकाई, पटना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरही पंचायत में तैनात राजस्व कर्मचारी मोहम्मद इम्तियाज आलम को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी राजस्व कर्मचारी रामघाट वार्ड संख्या-14 निवासी किसान कमलेश्वरी यादव से जमीन परिमार्जन (नाम और रकबा सुधार) के नाम पर लगातार अवैध राशि की मांग कर रहा था। पीड़ित किसान ने बताया कि इससे पहले भी कर्मचारी को पैसे दिए गए थे, इसके बावजूद काम नहीं किया गया।

किसान कमलेश्वरी यादव के अनुसार, रिश्वत देने के बाद भी जब काम नहीं हुआ तो आरोपी कर्मचारी ने फिर से 20 हजार की अतिरिक्त मांग कर दी। लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर किसान ने निगरानी विभाग का दरवाजा खटखटाया। पीड़ित किसान पटना पहुंचा और विशेष निगरानी इकाई, पटना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग ने योजना बनाकर जाल बिछाया और

आरोपी को पकड़ने की कार्रवाई की। मंगलवार की शाम जैसे ही मोहम्मद इम्तियाज आलम ने 15 हजार रिश्वत की राशि ली, मौके पर मौजूद निगरानी टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से आवश्यक पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे पटना ले जाया गया। इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व विशेष निगरानी इकाई पटना के डीएसपी संजय कुमार वर्मा कर रहे थे। टीम में एसआई अजय कुमार सिंह, अविनाश कुमार झा, त्रिपुरारी प्रसाद, रंजीत कुमार और पीटीसी दिलीप कुमार शामिल थे। इस कार्रवाई के बाद नरपतगंज अंचल कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि भूमि से जुड़े कार्यों में रिश्वतखोरी आम हो गई थी, और निगरानी विभाग की इस कार्रवाई से भ्रष्ट कर्मचारियों में डर का माहौल पैदा हुआ है। वहीं, आम नागरिकों ने इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत और सख्त संदेश बताया है।

दरभंगा में एमबीए पास युवक ने की आत्महत्या, तीन साल से बेरोजगारी से जूझ रहा था

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले के लहेरियासराय थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां मदारपुर मोहल्ले में रहने वाले एक एमबीए पास युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है और परिवार गहरे सदमे में है।

मृतक की पहचान अभिषेक कुमार राय (26 वर्ष) के रूप में की गई है, जो रमन राय के पुत्र थे। सूचना मिलने के बाद लहेरियासराय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच (दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल) भेज दिया गया।

मृतक के पिता रमन राय बैंक अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि अभिषेक एमबीए की पढ़ाई पूरी कर चुका था, लेकिन पिछले तीन वर्षों से बेरोजगार था। परिवार में छोटा बेटा बीपीएससी परीक्षा पास कर सरकारी शिक्षक बन चुका है, जबकि अभिषेक नौकरी की तलाश में परेशान चल रहा था।

दूसरी मंजिल के कमरे में रहता था अभिषेक : परिजनों के अनुसार, अभिषेक घर की दूसरी मंजिल पर बने एक कमरे में अकेले रहता था। बीती रात काफी देर तक जब वह खाना खाने नीचे नहीं आया और कई बार फोन करने के बावजूद उसने कॉल रिसीव नहीं की, तब परिजनों को चिंता हुई।

परिजन जब ऊपर पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला, तब लोगों ने दरवाजा तोड़ा, जहां अभिषेक का शव मफलर के सहारे पंखे से लटका हुआ मिला। इसके बाद तुरंत लहेरियासराय थाना पुलिस को सूचना दी गई।

मृतक के चाचा रामप्रीत राय ने बताया कि अभिषेक पर किसी तरह का पारिवारिक दबाव नहीं था, लेकिन एमबीए पास होने के बावजूद नौकरी न मिलने से वह मानसिक रूप से परेशान रहता था। उसका छोटा भाई सरकारी शिक्षक बन चुका था, जबकि वह खुद बेरोजगार था।'

नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर अररिया में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर मनाया जश्न

अररिया, एजेंसी। नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। वे पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं और बिहार से इस पद पर पहुंचने वाले पहले नेता हैं। इस उपलब्धि पर अररिया जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण झा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। कार्यकर्ताओं ने इसे बिहार और पूरे देश के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बिहार से किसी नेता का विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद तक पहुंचना प्रदेश के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष सुराणा, जिला कार्यालय मंत्री नीरज कुमार, जिला मीडिया प्रभारी सुमित कुमार सुमन, भाग कोसी एकल गतिविधि प्रमुख राम कुमार, एकल अभियान के जिला सचिव रणजीत कुमार दास, अंचल अभियान प्रमुख चंदन कुमार, अंचल अभियान गतिविधि प्रमुख सुरेन्द्र कुमार, अंचल प्रशिक्षण प्रमुख सुनीता कुमारी, संच प्रमुख प्रियांशु दर्शन सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला कार्यकर्ताओं में पुष्पा देवी, रेखा देवी, पिंकी देवी, आरती देवी, रितु सिन्हा, ज्योति सिन्हा के अलावा सिंहेश्वर बसाख और प्रदीप कुमार समेत सैकड़ों अन्य कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। सभी ने संगठन को मजबूत

करने तथा केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। नितिन नबीन जी के नेतृत्व में पार्टी नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। नितिन नबीन का निर्विरोध चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह समेत शीर्ष नेतृत्व के समर्थन से हुआ। यह पीढ़ीगत बदलाव का संकेत माना जा रहा है, जो पार्टी को आगामी चुनावों में नई ऊर्जा देगा। अररिया जैसे जिले में इस उत्सव से कार्यकर्ताओं का मनोबल और बढ़ा है।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पैतृक गांव से है गहरा जुड़ाव

पटना, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पैतृक गांव नवादा के अमावां में खासा उत्साह दिख रहा है। काफी दिनों से नितिन नवीन का परिवार वहां नहीं रह रहा है। लेकिन नितिन नवीन गांव से जुड़े रहे हैं। न सिर्फ गांव के लोगों से सीधे संपर्क में रहे हैं बल्कि हाल में वे गांव भी आए थे। उनके गोतिया पप्पू सिन्हा बताते हैं कि यह पल गौरव का पल है। गांव को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। पूरा देश आज जान गया। नितिन नवीन के दादाजी दशकों पहले रजौली के अमावां से पटना जाकर बसे थे। उनके पिताजी नवीन किशोर सिन्हा का जन्म अमावा में ही हुआ था। वे गांव के संपर्क में थे। जो लोग पटना जाते थे उनसे हाल-चाल लेते थे। उनके बाद नितिन नवीन भी गांव के लोगों से जुड़े रहे। नितिन नवीन के चाचा और अमावां गांव निवासी रवि भूषण प्रसाद सिन्हा कहते हैं नितिन सच्चा हीरा था, जिसे असली हीरे ने पहचान दिया।

सीरा-पीड़ा पूजकर गए थे नितिन नवीन, फल मिलाः करीब 19 महीना पहले वे रजौली के अमावां स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचे थे। वे अपने गांव की मिट्टी से इस कदर जुड़े हैं कि अपने पैतृक घर में सीरा- पीड़ा (कुल देवी - देवताओं) को नमन किया। इसका आशीर्वाद उन्हें मिल गया है। ग्रामीणों के अनुसार नितिन नवीन के पुरखों की कई पीढ़ी का जीवन अमावां गांव में ही बीता है। दो पीढ़ी पूर्व यानी नितिन नवीन के दादाजी स्व. कामेंद्र प्रसाद सिन्हा रोजगार के सिलसिले में पटना गए और वहीं बस गए। गांव में हर घर में जले नितिन के नाम से घी के दीयेः नितिन नवीन के पैतृक गांव अमावां में इस अवसर पर भव्य जश्न मनाया गया।

गोपालगंज में जहर खाने से नवविवाहिता की मौत

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के गंगवा गांव में जहर खाने से एक नवविवाहिता की मौत हो गई। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान गंगवा गांव निवासी शहीद आलम की 30 वर्षीय पत्नी नईमा खातून के रूप में हुई है। इस घटना के बाद नईमा के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

जानकारी के अनुसार, सिधवलिया थाना क्षेत्र के शाहपुर विशुनपुरा गांव निवासी मुबारक मियां ने अपनी बेटी नईमा खातून की शादी दो साल पहले गंगवा गांव निवासी शहीद आलम से की थी। शादी के बाद शुरुआती समय में सब कुछ सामान्य था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से नईमा का अपनी जेठानी और भसुर के साथ घरेलू विवाद चल रहा था। नईमा के पति विदेश में रहते हैं।

परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले नईमा खातून अपने मायके गई थी और सोमवार को ही ससुराल लौटी थी। घर पहुंचने पर आरोप है कि उसकी जेठानी ने उसके साथ मारपीट की। नईमा ने फोन पर अपनी मां नजमुन खातून को इस घटना की जानकारी दी थी। इसके कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई।

नईमा की जेठानी के बेटे ने उसके मायके वालों को फोन कर बताया कि उसकी तबीयत खराब है। सूचना पाकर जब नईमा की मां और तीन मामी मौके पर पहुंचीं, तब तक ससुराल के सभी लोग घर छोड़कर फरार हो चुके थे। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। सदर एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि गंगवा गांव में एक महिला की मृत्यु की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए वह थानाध्यक्ष सिधवलिया के साथ पुलिस बल लेकर घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने मृतका के शव की जांच कर साक्ष्य एकत्र किए।

समस्तीपुर में पूर्व भाजपा प्रवक्ता अरेस्ट, हरियाणा एसटीएफ ने पकड़ा

आवास से जाली नोट जख्त; 30 हजार रुपए लेकर देता था 1 लाख के नकली नोट

सूत्रों के अनुसार, हरियाणा में जाली नोट के जरिए रुपए दोगुना करने के नाम पर ठगी

एक व्यक्ति को 2 लाख रुपए के बदले 4 लाख रुपए देने का वादा किया गया था

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में आज हरियाणा एसटीएफ और बिहार एसटीएफ की टीम ने कार्रवाई की है। भाजपा के पूर्व जिला प्रवक्ता पंकज कुमार लाल के आवास पर छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। उनके आवास से जाली नोट भी मिला है। हालांकि, कितने रुपए का जाली नोट मिला है। ये अभी साफ नहीं है।

डीएसपी ने बताया है कि ये 30 हजार रुपए लेकर एक लाख के जाली नोट देता था। बता दें कि कार्रवाई जाली नोट डबलिंग रैकेट से जुड़े

एक मामले में की गई है। मामला दलसिंहसराय अनुमंडल क्षेत्र के अजनौल गांव का है। सूत्रों के अनुसार, हरियाणा में जाली नोट के जरिए रुपए दोगुना करने के नाम पर ठगी और बाद में लूट की एक घटना में शामिल था। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में पंकज कुमार लाल का नाम सामने आया है। चुनाव से पहले हरियाणा में ठगी हुई थी। एक व्यक्ति को 2 लाख रुपए के बदले 4 लाख रुपए देने का वादा किया गया था। लेनदेन के बाद रास्ते में लूट की वारदात हुई।पूर्व भाजपा प्रवक्ता ने 2 साल पहले 3 करोड़ की जमीन खरीदी थी।

आसपास के क्षेत्र में घेराबंदी कर की जांच

छापेमारी के दौरान हरियाणा एसटीएफ, बिहार एसटीएफ और स्थानीय थाना पुलिस की टीम सुबह से ही अजनौल में मौजूद रही। टीम ने पंकज लाल के घर की तलाशी ली और आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच की। ग्रामीणों को घर के नजदीक जाने की अनुमति नहीं दी गई। जांच एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित सदस्यों का भी पता लगा रही हैं।

पंकज कुमार लाल पूर्व में भाजपा के जिला प्रवक्ता रह चुके हैं। वर्तमान में वे रेलवे में रेल नीर पानी की आपूर्ति और विभूतिपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में रिक्शा एजेंसी का संचालन करते हैं। लगभग दो साल पहले उन्होंने दलसिंहसराय के अजनौल में जमीन खरीदकर 3 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एक आलीशान मकान का निर्माण शुरू कराया था, जिसका काम अभी भी जारी है।

डीएसपी विवेक शर्मा ने छापेमारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अभी पूरे मामले की जानकारी नहीं दी जा सकती, क्योंकि कार्रवाई जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि छापेमारी पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

पंकज कुमार लाल हरियाणा के ही जाली नोट कारोबारी के संपर्क में थे। यहां लोगों से 30,000 रुपए लेकर एक लाख रुपए का जाली नोट दिया करता था। हरियाणा में ही इसका नाम सामने आया था। उसके बाद हरियाणा एसटीएफ, बिहार एसटीएफ की मदद से आज अजनाला में छापेमारी की है। फिलहाल, एसटीएफ की टीम पंकज कुमार लाल को उसके गांव विभूतिपुर थाना क्षेत्र के समर्था कल्याणपुर लेकर गई है, जहां छापेमारी चल रही है।

विचार-मंथन

संपादकीय

क्या शिंदे की शिवसेना पर भारी पड़ेगी 'बड़े भाई' की दावेदारी?

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन 'महायुति' ने जीत का परचम लहरा दिया है। साथ ही अविभाजित शिवसेना की लगातार ढाई दशक से चली आ रही सत्ता की विरासत को भी छीन लिया है। भाजपा इस चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जो उसके बढ़ते जनाधार का संकेत है।वहीं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना भले हार गई, मगर वह अपनी कुछ साख बचाने में कामयाब रही है। अब सवाल यह है कि बीएमसी का नया महापौर कौन होगा और महायुति में शामिल किस दल का होगा? इसको लेकर जीत हासिल करने वाले गठबंधन के बीच जोर-आजमाइश भी शुरू हो गई है।हालांकि, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को भाजपा से काफी कम सीटों पर जीत हासिल हुई है, मगर वह महापौर की दावेदारी में बनी हुई है। सवालों और सियासत के इस क्रम में यह उम्मीद ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि बीएमसी की नई सत्ता मुंबई के संपूर्ण विकास के नए द्वार खोलेगी। बीएमसी को देश का सबसे अमीर निगम माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इसका बजट, जो देश के कई छोटे राज्यों के बजट से कहीं ज्यादा होता है। यही कारण है कि बीएमसी चुनाव की सिर्फ मुंबई में ही नहीं, बल्कि देश भर में चर्चा होती है। पिछले 25 वर्षों से बीएमसी में अविभाजित शिवसेना की सत्ता रही है। मगर, इस बार के चुनाव में भाजपा नीत महायुति ने शिवसेना के इस किले में ऐसी सेंध लगाई कि उसे सत्ता से बेदखल कर दिया। अब सवाल यह है कि बीएमसी का महापौर भाजपा का होगा या फिर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का। देखा जाए तो बीएमसी चुनाव में भाजपा ने सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं और इस लिहाज से महापौर के लिए उसकी दावेदारी सबसे ऊपर है। मगर शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने इस पर अभी तक अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट नहीं किया है। अब ऐसी भी खबरें आई हैं कि शिवसेना महापौर का पद पाने के लिए भाजपा पर दबाव बना सकती है। दरअसल, भाजपा ने भले ही बीएमसी चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं, लेकिन आंकड़ों की लिहाज से शिवसेना (शिंदे) के बिना उसका सत्ता में आना मुश्किल है। इस सियासी गणित के जरिए एकनाथ शिंदे दबाव की रणनीति अपना सकते हैं। ये कयास इसलिए भी लगाए जा रहे हैं।

युवा देश, घटते मौके- क्या बढ़ रही बेरोजगारी

देश में पिछले कुछ वर्षों से बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इससे बड़े स्तर पर युवा श्रम शक्ति का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है और यह राष्ट्र के संपूर्ण विकास में भी अवरोध पैदा कर रहा है। किसी भी अर्थव्यवस्था को तभी संतुलित माना जाता है, जब उसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हों। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कुल कार्यबल तथा जनसंख्या के लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यहां युवाओं की आबादी अन्य देशों की तुलना में अधिक है। मगर इस कार्यबल को व्यापक रूप से राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी के समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। इसका आकलन केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि देश में पंद्रह वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर पिछले वर्ष दिसंबर में बढ़कर 4.8 फीसद पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 4.7 फीसद था। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी का असर ज्यादा रहा, जहां इसकी दर नवंबर में 6.5 फीसद से बढ़कर 6.7 फीसद हो गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसी योजनाओं की शुरुआत की गई है, लेकिन इनका असर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रहा है। कई युवा और श्रमिक वर्ग अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। कृत्रिम मेधा और डिजिटलीकरण के कारण भी रोजगार में कमी आई है। हालांकि, डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं, लेकिन इनमें भी विशेष कौशल की आवश्यकता होती है।

इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

(ललित गर्ग)

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है। बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्टीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था। इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली।

रूस-चीन की दिलचस्पी सैनिक कार्रवाई रही नहीं

(उमेश चतुर्वेदी)

पिछली सदी के आखिरी दशक तक, जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। साल 2026 के तीसरे ही दिन अमेरिका ने जिस तरह वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, उसके बाद से विशेषकर सैनिक रूप से कमजोर देशों में चिंता की लहर है। चाहे अमेरिकी खेमे में हो या फिर अमेरिका विरोधी खेमे में, हर देश आशंकित हो उठा है। अमेरिका के सर्वोच्च पद पर डोनॉल्ड ट्रंप के रहते ऐसी चिंताएं स्वाभाविक भी हैं। जिस तरह अपने ही खेमे के देश डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप पर ट्रंप ने अपनी नजर टिका रखी है, उससे दुनिया को चिंतित होना ही चाहिए। ऐसे में विश्व की निगाह दुनिया के सैनिक रूप से दूसरे शक्तिशाली देश रूस और आर्थिक रूप से दूसरे और सैनिक रूप से तीसरे ताकतवर देश चीन पर लगना स्वाभाविक है। लेकिन दोनों ही देशों ने वेनेजुएला पर जिस तरह रस्मी प्रतिक्रिया जताई है, उससे लगता नहीं कि वे भविष्य में ऐसी अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ अपने मित्र देशों के पक्ष में खड़े होने आएंगे। पिछली सदी के आखिरी दशक तक, जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। सोवियत संघ के विघटन के बाद उसका सबसे बड़ा हिस्सा रूस शक्तिशाली तो बना रहा है, लेकिन मौजूदा अमेरिका-ब्रिटेन प्रेरित-पोषित आर्थिक दुनिया में सोवियत संघ जैसी ताकत बना नहीं रह सका। सोवियत संघ के वजूद में रहते तक विश्व में खुलेतौर पर दो दुनिया थी और दो मुद्राओं का जोर भी था। बेशक डॉलर, सोवियत और आज के रूस की मुद्रा रूबल की तुलना में ताकतवर था, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को नियंत्रित कर सके। लेकिन आज आर्थिक क्षेत्र में डॉलर को कोई चुनौती नहीं है। ब्रिक्स देशों ने अपनी-अपनी मुद्राओं को आपसी आर्थिक व्यवहार में आगे बढ़ाने की कोशिश तो की है, हालांकि वह डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में नहीं आ पाई हैं। अमेरिका जानता है कि उसकी आर्थिक ताकत को बड़े स्तर पर चुनौती देने की हालत में दुनिया की दूसरी यानी चीन की अर्थव्यवस्था नहीं है, इसलिए ट्रंप बेफिक्र होकर कभी मैक्सिको को अपना उपनिवेश बनाने की वकालत करते हैं तो कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का ऐलान करते हैं। ग्रीनलैंड पर निगाह और वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई उनकी इसी सोच का विस्तार है। वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर रूस और चीन ने चिंताएं तो जाहिर कीं, लेकिन वे वेनेजुएला को सैनिक सहयोग करने के लिए इच्छुक नहीं दिखे। इसकी मोटे तौर पर दो वजहें सामने आती हैं। वेनेजुएला से रूस ने 2010 में समझौता तो किया, लेकिन वह रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों पर केंद्रित है। सैनिक सहयोग की बात उसमें नहीं है। दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला चीन भी इस मामले में उसको सैनिक सहयोग करने से दूर है। वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5981

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5980

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

वर्ग पहेली 5981

1	2	3	■	4	5	6	■
7			■	8			■
	■	9			■	10	11
12			■	■	13		
	■	■	14	15		■	
16		17			■	18	
■	■	19		■	20		
21			■	22			■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 28 मई 2008 को भारत के इस पडौसी देश ने 240 साला पुरानी राजशाही का अवसान हुआ (3)
4. विश्व में गेंहू की मंडी के नाम से विख्यात विनिपेग नाग इस देश में स्थित है (3)
7. मूल्य, दाम, मोल (3)
8. नापने का मापदंछ, रूप (3)
9. आवरण या अवरोध हटाना, बंधन रहित करना (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सट हो, सघन (2)
12. गति, चाल (3)
13. उत्कृष्ट, नितांत, पराकाष्ठात्मक (3)
14. भिन्न अर्थ वाला, अर्थहीन (3)
16. मुख्य लोगों का दरबार (5)
18. आर्द्रता युक्त, अधिक गीला (2)
19. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
20. गुजरात का एक प्रसिद्ध व्यंजन (3)
21. यह लेबनान की राजधानी है (3)
22. यह महर्षि परशुराम का शस्त्र है (3)

ऊपर से नीचे

1. निर्देशक केदार शर्मा ने राकेश रोशन के पिता संगीतकार रोशन को इस फिल्म (1949) में मौका दिया था (6)
2. हथेली को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. हमेशा लातें खाने वाला (4)
4. श्रमादि करके धन उपार्जि करना (3)
5. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
6. पोस्टऑफिस, डाकखाना (4)
11. हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें बालक का नाम रखा या स्थिर किया जाता है (5)
13. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर (2)
14. प्राकृतिक झील, खाड़ी (3)
15. रक्त वाहिनी नली, रग (2)
17. ईश्वर का दिया हुआ धन आदि (3)
18. टौंस नामक नदी (3)
20. कड़ा, तीक्ष्ण, गधा (2)

वर्ग पहेली 5980 का हल

ज	वा	ह	र	ला	ल	■	स्व
न	ह	र	■	ल	ब	रे	ज
क	■	जा	पा	न	■	व	न
सु	ना	ना	■	पा	व	ती	■
ता	न	■	कि	ल	य	■	बे
■	का	बा	■	न	■	गु	रू
अ	र	ब	■	■	ज	मा	त
र्थ	■	र	घु	नं	द	न	■

आज का राशिफल

मेष

राशि के जातकों को संतान पक्ष के श्रेष्ठ आचरण और उनकी सफलता से हर्ष होगा। माता-पिता से आशीर्वाद लेकर घर से निकलें कोई विशेष सफलता मिलेगी। नौकर-चाकर व सांसारिक सुख भोगों का विस्तार होगा। आमदनी के नए मार्ग बनेंगे। सायं काल से रात्रि तक का समय देव दर्शन और पुण्य कार्यों पर व्यतीत होगा।

वृष

आज आपकी रुचि जप-तप, यज्ञ और भगवान की भक्ति में अधिक रहेगी। आज सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सहयोग करेंगे। आज आपके अच्छे कार्यों से आपका व आपके परिवार का गौरव बढ़ेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता का लाभ भी आपको मिलेगा। सायंकाल से अर्धरात्रि तक स्वास्थ्य आपको परेशान कर सकता है।

मिथुन

अगर कोई मुकदमा या कोई अन्य पूछताछ चल रही है तो आज समय आपके लिए अनुकूल नहीं है। त्वरित निर्णय न ले पाने के कारण कार्यों में बाधा व हानि होगी। यदि आप नौकरी करते हैं तो अधिकारियों की कृपा से अधिकारों में वृद्धि हो सकती है।

तुला

आज करियर में प्रमोशन का दिन है। इसके अतिरिक्त आज आप अपनी वाक्पटुता से किसी बहुत बड़े अफसर को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहेंगे। नेत्र विकारों से परेशानी में कमी आएगी। निर्णय लेने की क्षमता का लाभ होगा। रात्रि में अधिक तीखा भोजन न करें। यह आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

वृश्चिक

आज व्यापारी लोगों को व्यापार में कुछ नए परिवर्तन होंगे। नौकरी पेशा लोगों के अधिकार बढ़ेंगे, जिससे आपको आर्थिक लाभ व सम्मान मिलेगा। परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलेगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक आप सामाजिक कार्य तथा भोग विलास में लिप्त रहेंगे। क्षमता से अधिक धन प्राप्त होने के कारण आप में अभिमान भर जाएगा।

धनु

आज अधिकारों में वृद्धि के साथ-साथ उत्तरदायित्व भी बढ़ेंगे। अपनी शान शौकत के लिए आप धन खर्च कर सकते हैं। आप दूसरों की भलाई व सेवा मन लगाकर दिल से करते रहे हैं। इसका लाभ आज आपकी संतान को मिलेगा। रात्रि में आपकी रुचि दूध, दही एवं मिष्ठान में बढ़ेगी।नराशि स्वामी तृतीय अस्त है स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कर्क

आज शारीरिक शक्ति एवं उत्साह अधिक रहेगा। हालांकि, ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे, जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। यदि आपका प्रमोशन रुका हुई है तो अवश्य प्राप्त हो जाएगा। आपके हाथ में बड़ी मात्रा में पैसा आने से हर्ष होगा। सायंकाल और रात्रि में शुभ व्यय तथा कीर्ति में वृद्धि होगी। शीघ्रगामी वाहनों से सतर्क रहें।

सिंह

आज धैर्य से काम लेना होगा। जल्दबाजी में किए गए कार्य से हानि होने की संभावना रहेगी। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी। नए-नए कार्यों में विनिमय करना पड़े तो अवश्य करें। आगे चलकर लाभ होगा। संतान की नौकरी एवं विवाह इत्यादि मंगल कार्यों के लिए किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कन्या

आज गुरु के प्रति निष्ठा एवं भक्ति भाव पूर्ण रहेगा। इस समय में अध्यात्म से तत्व ज्ञान की प्राप्ति होगी। आपकी बुद्धि विवेक नए-नए खोज करने में लगेगी। ऐसे में रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। सायंकाल में अकस्मात् संतान कष्ट होने का योग है।

मकर

आज काफी सोच विचार कर काम करने के उपरान्त भी नुकसान होने की संभावना रहेगी। अकस्मात् कोई राजकीय दण्ड भी प्राप्त हो सकता है। इसलिए जोखिम के कामों से दूर रहें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक भी छोटे-मोटे कष्ट व मान हानि की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान वायु विकार से शारीरिक परेशानी बढ़ सकती है।

कुंभ

आज किसी बहुमूल्य वस्तु से लाभ होने की संभावना रहेगी। यदि आप नौकरी करते हैं तो पद एवं अधिकारों में वृद्धि होगी। आप के साहस एवं पराक्रम के सामने शत्रु नतमस्तक होंगे। संतान के प्रति आपकी प्रेम भावना बढ़ेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक आपकी रुचि तप-यज्ञ एवं ईश्वरीय ज्ञान की ओर बढ़ेगी। नौकर चाकरों का सुख पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

मीन

आज आप स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे। पाचन क्रिया मंद एवं पेट में वायु विकार संबंधित कष्ट हो सकता है। यदि आप किसी वित्तीय संस्था या व्यक्ति से ऋण लेना चाहते हैं तो आसानी से मिल जाएगा। नई-नई योजनाएं बनाकर उन्हें सफल बनाने का पूर्ण प्रयास करें। आपके साहस एवं पराक्रम से आपका आत्म विश्वास बढ़ेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

खुद को स्टार नहीं मानते शाहिद?

शाहिद कपूर विशाल भारद्वाज की नई फिल्म ओ रोमियो में नजर आएंगे। यह फिल्म 13 फरवरी को, वैलेंटाइन डे के ठीक पहले सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का टीजर पहले ही फैंस का दिल जीत चुका है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने स्टारडम के बारे में खुलकर बात की और साथ ही यह भी बताया कि वह अपने बच्चों को एक सामान्य परवरिश देना चाहते हैं।

शाहिद कपूर पिछले 23 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। बहुत बड़ी कामयाबी मिलने के बावजूद, वे खुद को स्टार कहना पसंद नहीं करते। वे खुद को सिर्फ एक्टर कहते हैं। इंटरव्यू में शाहिद ने बताया कि वे स्टार कहलाना क्यों नहीं चाहते। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा सबक यह है कि असलीपन खुद को अच्छे से जानने से आता है, दूसरों की उम्मीदों में ढलने से नहीं।

स्टारडम को लेकर शाहिद की राय

शाहिद ने स्टारडम को लेकर कहा, प्रसिद्धि कभी-कभी बोझ बन जाती है और शोर-शराबे में अपनी असलियत भूल जाना आसान हो जाता है। शाहिद का मानना है कि एक एक्टर को सच्चा रहना चाहिए, अपने परिवार और करीबियों से जुड़े रहना चाहिए और काम पर फोकस करना चाहिए। खुद के साथ ईमानदार रहना ही असली सफलता और खुशी का रास्ता है।

कैसे पिता हैं शाहिद?

शाहिद कपूर एक बहुत अच्छे एक्टर हैं, जो काम और परिवार दोनों को संतुलन में रखते हैं। शाहिद कपूर के परिवार की बात करें तो वे दो बच्चों के प्यारे पापा हैं—बेटी मिशा और बेटा जैन। शाहिद चाहते हैं कि उनके बच्चे जितना हो सके सामान्य जीवन जिएं। वे बच्चों को अपनी स्टारडम के बारे में ज्यादा नहीं बताते। अगर कोई सवाल आता है तो माता-पिता की तरह प्यार से जवाब देते हैं।

सुहाना ने बताया कैसी है शाहरुख-गौरी के साथ बॉन्डिंग

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान ने ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'आर्चीज' से डेब्यू किया था। अब वो अपनी अपकमिंग और सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पहली फिल्म 'किंग' पर काम कर रही हैं। ज्यादातर अपने माता-पिता शाहरुख और गौरी के साथ ही नजर आने वालीं सुहाना ने अब अपने और माता-पिता के रिश्तों पर खुल कर बात की है। जानें कैसी है सुहाना और उनके पेरेंटस की ट्यूनिंग

पेरेंटस का फैसला ही आखिरी होता है

हैपर्स बाजार को दिए इंटरव्यू में सुहाना ने अपने निजी जीवन पर बात की। सुहाना ने इस इंटरव्यू में शाहरुख और गौरी दोनों को ही अपने काफी करीब बताया। उन्होंने कहा कि जब वो किसी ऐसी जगह पहुंचती हैं जहां उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करना चाहिये ? तो वो अपने पैरेंट्स को फैसला करने को कहती हैं। फिर उनके पैरेंट्स जो भी फैसला करते हैं उसे वो आखिरी फैसला मानती हैं।

करियर के फैसले भी करेंगे शाहरुख-गौरी

आगे शाहरुख और गौरी के बारे में बताते हुए सुहाना ने कहा कि जहां एक तरफ शाहरुख उन्हें भावनात्मक सलाह देते हैं, वहीं गौरी उन्हें प्रेक्टिकल सलाह देतीं हैं। अपने करियर से जुड़े फैसलों के बारे में सुहाना ने कहा कि इसमें भी वो अपने पैरेंट्स के कहने पर ही चलेगीं।

एक्टिंग बनी स्कूल प्ले से पैशन

इंटरव्यू में आगे सुहाना ने अपने एक्टिंग के तरफ रुझान पर चर्चा की। एक्ट्रेस ने बताया, 'अभिनय के साथ मेरा सफर एक साधारण से स्कूल प्ले से शुरू हुआ। इस प्ले में मुझे मनचाहा रोल नहीं मिल सका। इसी पल मुझे एहसास हुआ कि मुझमें स्टेज पर आने की कितनी चाहत थी।' आगे सुहाना ने कहा, 'लोग क्या सोचेंगे यह छोड़कर मैं अपने काम पर फोकस करतीं हूं। एक्टिंग से लेकर मैग्जीन शूट तक हर कदम मैं बहुत सावधानी और माता पिता से स्वीकृती मिलने के बाद ही उठाती हूं।' दोस्तों के बारे में सुहाना ने कहा कि वो कम मगर लंबी दोस्ती में भरोसा करतीं हैं।

जल्द करेंगीं बड़े पर्दे पर डेब्यू

सुहाना जल्द ही अपने पिता के साथ फिल्म 'किंग' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। रेड चिलीज बैनर तले बन रही ये फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है। फिल्म का टीजर पिछले साल शाहरुख के बर्थडे पर रिलीज हुआ था। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित इस फिल्म में शाहरुख और सुहाना के अलावा दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और रानी मुखर्जी समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार की रेसिंग जर्नी पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री फिल्म

अभिनेत्री नयनतारा और उनके पति, निर्देशक विग्नेश शिवन तमिल सुपरस्टार अजित कुमार को हौसला देनेदुबई ऑटोड्रोम पहुंचे। अजित ने अपनी टीम अजित कुमार रेसिंग के साथ दुबई 24॥ सीरीज नाम की एक बड़ी कार रेसिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके कई वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री भी बनेगी। कई वीडियो इंटरनेट पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें अजित नयनतारा और विग्नेश शिवन का गर्मजोशी से स्वागत करते दिख रहे हैं। वे उन्हें अपनी टीम के बाकी सदस्यों से मिलवाते हैं और सबके साथ अच्छी बातचीत करते हैं। पिछले हफ्ते म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध ने भी अबू धाबी में अजित से मुलाकात की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बन रही है। इसे निर्देशक ए.एल. विजय बना रहे हैं। यह फिल्म करीब 90 मिनट की होगी और इसका मकसद युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, मोटरस्पोर्ट को भारत में लोकप्रिय बनाना है, क्योंकि कई लोग इसे अभी भी अमीरों का खेल मानते हैं। फिल्म में मलेशिया, अबू धाबी और दुबई की रेसों के अलावा अजित की तैयारी, स्ट्रैटेजी मीटिंग्स और प्रैक्टिस सेशन भी दिखाए जाएंगे। यह डॉक्यूमेंट्री अगले साल 1 मई को अजित के जन्मदिन पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तेजस्वी प्रकाश ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी अब तक की शानदार जर्नी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश मनोरंजन जगत में काफी समय से काम कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में तेजस्वी अपने पुराने सीरियल के किरदार में नजर आ रही हैं। कुछ फोटोज में वे अपने उस समय के लुक में दिख रही हैं, तो कुछ में वे अपने दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरें फोटोशूट की हैं, जहां वे स्टाइलिश और ट्रेंडी कपड़ों में पोज दे रही हैं। ये तस्वीरें उनके सफर की शुरुआत को दर्शाती हैं, जब वे टीवी स्क्रीन पर पहली बार दर्शकों के सामने आई थीं। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 2016 मेरा दिल है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों को देखते ही ढेर सारे लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश 2017 में सोनी टीवी के टीवी सीरियल पहरेदार पिया की में दिया सिंह के तौर पर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन बाल विवाह केंद्रित कहानी होने के कारण प्रसारण के कुछ दिन बाद ही सीरियल विवादों में घिर गया था।

रानी मुखर्जी ने सोशल मीडिया नेगेटिविटी को लेकर साझा की राय

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है।

रानी मुखर्जी ने कहा ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूं। इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती मैं दिल से मानती हूं कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूं।

सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 और टॉक्सिक के क्लैश को लेकर किया पोस्ट

राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की तारीफ की थी। वहीं आज राम गोपाल वर्मा ने यश की फिल्म टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की एक ही दिन में रिलीज को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। निर्देशक ने इसे धुरोक्सिक नाम देते हुए दोनों फिल्मों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कैसा होगा दो फिल्मों का टकराव?

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक के बीच 19 मार्च 2026 को होने वाले बड़े बॉक्स ऑफिस टकराव पर अपनी राय दी है। उन्होंने एक्स पर अपनी राय शेयर की है। निर्देशक ने इसे मजेदार नाम दिया है- धुरोक्सिक। निर्देशक ने लिखा कि यह सिर्फ दो फिल्मों की रिलीज का टकराव नहीं, बल्कि यह भारतीय सिनेमा का प्रलय का दिन होगा।

कैसी होगी धुरंधर 2

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 को लेकर लिखा, धुरंधर 2 एक यथार्थवादी सिनेमा है। इसमें कहानी असली जिंदगी पर आधारित है। हिंसा इसलिए होती है क्योंकि जरूरत है, न कि सिर्फ दिखावे के लिए। हीरो एक आम इंसान है, जो वक्त आने पर गलती कर सकता है, घायल हो सकता है और हार भी सकता है। फिल्म दर्शकों को भावनाओं से जोड़ती है।

टॉक्सिक को लेकर राय

वहीं कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर राम गोपाल वर्मा ने लिखा, यह बहुत अवास्तविक फिल्म है क्योंकि इसमें स्टाइल और कूलनेस पहले आती है और लॉजिक बाद में। हिंसा सिर्फ एटीट्यूड दिखाने के लिए है। हीरो बुलेटप्रूफ है, कभी हारता नहीं, दुनिया उसकी पूजा करती है। फिल्म दर्शकों को सिर्फ एक्साइटमेंट देना चाहती है, गहरी भावनाएं नहीं। कैमरा हीरो को भगवान जैसा दिखाने की कोशिश करता है।

19 मार्च को होगा फिल्मों का फैसला

19 मार्च को धुरंधर 2 और टॉक्सिक रिलीज के बाद कई सवालों का जवाब देंगी। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, क्या आज भी लोग अंधेरे, स्लो-मोशन में चलने वाले हीरो को पसंद करेंगे? या फिर सिर्फ तमाशा दिखाने वाली हिंसा को लोग स्वीकार करेंगे? उन्होंने आगे लिखा, दोनों फिल्में साथ देखना ऐसा होगा जैसे एक तरफ युद्ध का मैदान हो और दूसरी तरफ फैशन शूट। एक फिल्म (धुरंधर) दिल को छूती है और दूसरी (टॉक्सिक) सिर्फ कैमरे के लिए पोज देती है।

सच्चाई और स्टाइल में किसकी होगी जीत?

राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, दोनों फिल्मों के बीच जो टकराव है, वो सच्चाई और स्टाइल को लेकर है। राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, इससे शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों वाली नायक पूजा (हीरो को भगवान बनाने की परंपरा) का अंत शुरू हो सकता है। दर्शक अब भगवान नहीं, बल्कि आम इंसान वाला हीरो चाहते हैं। या फिर उल्टा भी हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ज्ञानवापी केसः कोर्ट ने वादमित्र पर लगाया 2 हजार का हर्जाना

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में सिविल जज (सीनियर डिविजन फास्ट ट्रैक कोर्ट) भावना

भारती ने ज्ञानवापी के मामले में सुनवाई करते हुए वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी पर दो हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। पिछली सुनवाई पर 17 जनवरी को आपत्ति दाखिल करने के लिए वादमित्र ने प्रार्थना पत्र देकर समय मांगा था। दरअसल, मामले में तीन बहनों की ओर से आपत्ति दर्ज कराते हुए हर्जाना लगाने की मांग की गई थी। हर्जाने के बाद मंगलवार को सुनवाई के दौरान वादमित्र ने आपत्ति दाखिल की है। मामले में अगली सुनवाई अब 22 जनवरी को होगी। ज्ञानवापी परिसर में नए मंदिर के निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार देने से जुड़े 1991 में दायर मुकदमे में पक्षकार बनाए जाने संबंधी प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हो रही है। इसमें उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के वकील तौहिद खान की ओर से पिछली सुनवाई पर दाखिल एक अन्य प्रार्थना पत्र पर, जिसमें ज्ञानवापी से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की गई है। 17 जनवरी को वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी को अपना पक्ष रखना था, लेकिन शहर से बाहर होने का हवाला देते हुए स्थगन प्रार्थना पत्र दाखिल कराया था। इसमें वादमित्र को हटाने के लिए दाखिल अर्जी की आवदेनकर्ता मणिकुंतला समेत तीन अन्य की ओर से विरोध किया गया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान वादमित्र ने आपत्ति दाखिल कर दी है।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बार्डर सील, दोनों राज्यों के वाहन फंसे

रायगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के ट्रांसपोर्टरों के बीच भाड़ा, लोडिंग और वसूली को लेकर उत्पन्न विवाद के चलते स्थानीय पुलिस ने हमीरपुर टपरिया बॉर्डर को पूरी तरह

सील कर दिया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप कोल परिवहन पर रोक लग गई है, जिससे दोनों राज्यों से रायगढ़ की ओर आने-जाने वाले करीब एक हजार ट्रक-ट्रेलर सीमावर्ती क्षेत्रों में खड़े हो गए हैं। हाल ही में हमीरपुर बॉर्डर पर ओडिशा के ट्रांसपोर्टरों ने छत्तीसगढ़ के कुछ मालवाहक वाहन चालकों से मारपीट की थी, जिसमें 15 हजार की लूटपाट और बंधक बनाने की घटना हुई। तमनार थाना प्रभारी कमला पुसान ने घटनास्थल पर पहुंचकर बंधकों को मुक्त कराया।

स्पा में महिला से गैंगरेप! नशीली दवा पिलाकर बनाया हवस का शिकार

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में एक शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां 29 साल की एक महिला ने अपने साथी समेत दो लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि गुरुग्राम के एक स्पा सेंटर के अंदर उसे नशीला पदार्थ पिलाया गया और उसके बाद गैंगरेप किया गया। महिला के आरोपों के बाद पुलिस ने स्पा के मैनेजर समेत दोनों आरोपियों की तलाशी शुरू कर दी है। दोनों फरार चल रहे हैं। स्पा सेंटर में रेप के आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि महिला पश्चिमी दिल्ली की रहने वाली है और वो पिछले तीन महीनों से एक आरोपी के साथ रिलेशनशिप में थी। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 13 जनवरी की रात को एक आरोपी उसे लेकर स्पा सेंटर गया। स्पा सेंटर पहुंचने के बाद पता चला कि वो बंद है। इसके बाद भी उसे खोला गया क्योंकि दोनों आरोपियों के पास स्पा की चाभी थी। महिला ने बताया कि दूसरा आरोपी वहां पहले से ही मौजूद था।

बंगाल में एसआईआर की सुनवाई में परेशान करने के आरोप में कई जगहों पर हंगामा, बीडीओ कार्यालय में तोड़फोड़

कोलकाता, एजेसी। बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की सुनवाई में परेशान किए जाने के आरोप में मंगलवार को विभिन्न जगहों पर हंगामा किया गया। दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती इलाके के बीडीओ कार्यालय में खोले गए सुनवाई केंद्र में कुछ लोगों ने तोड़फोड़ की।

उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली-1 नंबर बीडीओ कार्यालय में भी इसी आरोप में तोड़फोड़ की गई। दक्षिण 24 परगना जिले के ढोलाहाट इलाके में टायर जलाकर विरोध-प्रदर्शन किया गया। वहां सड़कें भी अवरुद्ध की गईं, जिससे घंटों वाहनों की आवाजाही ठप रही।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें सुनवाई के लिए बुलवाकर घंटों कतार में खड़ा करके रखा जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाया कि उनकी शिकायतों को उपयुक्त प्राधिकरण के समक्ष रखा जाएगा। पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया इलाके के देभोग ग्राम पंचायत के अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ निवासियों ने आरोप लगाया कि उन्हें साजिश के तहत एसआइआर की सुनवाई का नोटिस भेजा गया है। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ही निर्वाचन आयोग को कई निर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने कहा है कि एसआइआर प्रक्रिया के तहत तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए लोगों का सत्यापन पारदर्शी तरीके से किया जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी या तनाव न हो। फार्म-7 लेकर किया विरोध हुगली जिले के पोलबा इलाके में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने फार्म-7 लेकर विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग अलोकतांत्रिक तरीके से फार्म-7 जमा करके वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटाने का प्रयास कर रहे हैं।

गुरुग्राम में दोस्तों ने ही मिलकर मार डाला, बर्बर पिटाई के बाद युवक ने तोड़ा दम

गुरुग्राम, एजेंसी। फर्रुखनगर के गांव खंडेवला में दोस्ती के पीछे छिपी रंजिश ने

एक हंसते-खेलते परिवार का चिराग बुझा दिया। तीन दिन पहले मामूली कहासुनी के बाद दोस्तों द्वारा की गई बर्बर पिटाई में घायल 28 वर्षीय युवक विनीत ने मंगलवार को दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम के साथ-साथ भारी आक्रोश व्याप्त है। इसे देखते हुए प्रशासन ने पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है।

मारपीट की यह घटना 17 जनवरी की रात साढ़े दस बजे गांव खंडेवला में हुई। आरोपियों ने हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। 18 जनवरी सुबह हॉस्पिटल से पुलिस को मारपीट की सूचना मिली थी। पुलिस ने मृतक के भाई को शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मारपीट के मामले में हत्या की धाराओं को जोड़कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 जनवरी को विनीत को उसके दोस्त जबरदस्ती उसको साथ लेकर गए। उसके बाद चार से पांच दोस्तों की किसी बात को लेकर बहस हो गई थी।

तेलंगाना में अब 100 कुत्तों को जहर देकर मारा, सरपंच समेत 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में एक बार फिर भारी संख्या में आवारा कुत्तों को मौत के घाट उतार दिया गया। हैदराबाद से महज 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रंगारेड्डी जिले में 100 कित्तों को जहर दिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। इससे पहले तेलंगाना में ही 500 कुत्तों को मारने का मामला सामने आया था।

तेलंगाना पुलिस को शक है कि कुत्तों की हत्या पेशेवर लोगों से करवाई गई है। गांव के सरपंच और उनके सहयोगियों के इशारे पर 100 कुत्तों को जहर दिया गया है। पुलिस ने सरपंच समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है।

स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की मुदावत प्रीति ने इस घटना के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने अधिनियम की धारा 3(5) और धारा 11(1)(ड्ड)(द्ब) के तहत तीन लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें सरपंच के साथ वार्ड सदस्य और ग्राम सचिव का नाम भी शामिल है।

ये मामला 19 जनवरी का है। पुलिस को शक है कि कुत्तों को जहर देकर मारने के बाद उनके शवों को गांव के बाहर दफना दिया गया। स॥ह्र नंदेश्वर रेड्डी के अनुसार, हम मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। हम वो जगह ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं, जहां कुत्तों को दफनाया गया है।

प्रीति का कहना है कि गांव से अचानक कई कुत्ते गायब हो गए। जब गांव के लोगों से इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने विरोधाभासी बयान देना शुरू कर दिया, जिससे शक यकीन में बदलने लगा। हमें शक था कि जहरीला इंजेक्शन देकर कुत्तों को मारा गया है। वार्ड सदस्य अदुलपुरम गौतम ने इस बात का खुलासा किया कि, कुत्तों को पहले बेहोशी का इंजेक्शन दिया गया और फिर उन्हें जहरीले पदार्थ के इंजेक्शन दिए गए, जिससे कुत्तों की मौत हो गई।

गुजरात के पास सागर में उबाल से दहशत

भूकंपीय क्षेत्र वाला गैस रिसाव तो नहीं?

पालघर, एजेंसी। गुजरात तट के पास समुद्र की सतह से बुलबुले उठने और पानी के उबाल मारने जैसी रहस्यमयी घटना से हड़कंप मच गया है। मछुआरों ने घटना का वीडियो बनाया है जो वायरल हो रहा है। इसमें समुद्र की लहरों में असामान्य हलचल साफ देखी जा सकती है। इसको लेकर प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है। अंदेशा है कि यह समुद्र तल से गैस रिसाव या किसी भूगर्भीय गतिविधि का संकेत हो सकता है। सरकार ने जांच के लिए विशेष टीमें तैनात की हैं। सुरक्षा के लिहाज से मछुआरों को उस इलाके से दूर रहने और जहाजों को रास्ता बदलने की सलाह दी गई है।

असामान्य हलचल से पूरे इलाके में दहशत

रिपोर्ट के मुताबिक, अरब सागर में पानी की हलचल और बुलबुले उठने की खबरों ने प्रशासन और मछुआरों की चिंता बढ़ा दी है। पालघर जिले के एक अधिकारी ने बताया कि मछुआरों के वीडियो में समुद्र के एक बड़े हिस्से में पानी उबलता हुआ और बुलबुले निकलता दिखाई दे रहा है। नजारा ऐसा लग रहा है जैसे पानी उबल रहा हो। समुद्र में इस तरह की असामान्य हलचल से पूरे इलाके में दहशत और आशंका का माहौल है।

पालघर जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख विवेकानंद कदम ने जानकारी दी कि यह जगह जहाजों के रास्ते और मछली पकड़ने के प्रमुख इलाकों के बहुत पास है। उन्होंने आशंका जताई है कि यह हलचल समुद्र के नीचे से गैस रिसाव, किसी भूगर्भीय गतिविधि या वहां बिछी पाइपलाइनों में खराबी के कारण हो सकती है। घटना बेहद असामान्य है। ऐसे में इस पर समुद्री और औद्योगिक एजेंसियों को तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। पालघर जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि प्रशासन समुद्री विभागों के साथ मिलकर इस बात की जांच कर रहा है कि यह हलचल किसी प्राकृतिक बदलाव के कारण है या किसी

औद्योगिक हादसे की वजह से यह घटना देखी जा रही है। अधिकारी ने जानकारी दी कि सावधानी के तौर पर उस इलाके से गुजरने वाले सभी जहाजों और मछुआरों को बेहद सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इंफॉर्मेशन सर्विसेज की एक टीम को मौके पर तैनात किया गया है। जांच में ध्यान दिया जा रहा है कि क्या यह समुद्र के नीचे से होने वाला प्राकृतिक मीथेन गैस का रिसाव है या फिर मुंबई हाई क्षेत्र में तेल और गैस पाइपलाइन फटने जैसी कोई मानवीय चूक। आशंका जताई जा रही है कि यह भूकंपीय क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के रिसाव के कारण भी हो सकता है। हालांकि जांच के बाद ही स्थिति साफ होगी। गुजरात का समुद्र तट अरब सागर के उस हिस्से में आता है जहां भूगर्भीय हलचल की आशंकाएं रहती हैं। फिलहाल पालघर के अधिकारी भारतीय तटरक्षक बल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी और ओएनजीसी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि सोनार और गैस सेंसर वाले विशेष जहाजों के जरिए असली वजह का पता लगाया जा सके। मछुआरों को इस स्पॉट से दूर रहने की सलाह और विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की गई है। शुरुआती निर्देशों के तहत जहाजों को उबाल वाली जगह से रास्ता बदलने के लिए कहा गया है। विशेषज्ञ पानी के नमूने लेकर हाइड्रोजन सल्फाइड या कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों की जांच कर रहे हैं। इस जांच के परिणामों से गहरे समुद्र में होने वाले प्राकृतिक बदलावों या औद्योगिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं।

पानी में सड़क से 100 मीटर दूर मिली युवराज की कार

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 की टाटा यूरेका सोसाइटी में रहने वाले इंजीनियर युवराज मेहता की कार शुक्रवार की रात एक बिल्डर के खाली पड़े भूखंड में भरे पानी में जा गिरी थी। इंजीनियर का शव निकाल लिया गया था, लेकिन कार मंगलवार को निकल पाई। यह सड़क से करीब 100 मीटर अंदर मिली। वहीं, कार के खुले सनरूफ को देखकर पता चला है कि युवराज इसी के जरिए बाहर निकलकर डूबने से पहले मदद मांगते रहे।

एनडीआरएफ की टीम सुबह करीब 11:30 बजे कार को निकालने के लिए घटनास्थल पर पहुंची। टीम नाव के सहारे पानी में उतरी। इसके बाद सोनार यंत्र को पानी में डालकर सर्च अभियान चलाया गया। दो गोताखोर भी पानी में उतरे। काफी मशक्कत के बाद कार का पता चला और उसे बाहर निकाला गया। इस दौरान दिनभर घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जुटी रही। भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को घटनास्थल पर रस्सी बांधनी पड़ी। कार गिरने के बाद इंजीनियर ने मदद की गुहार लगाई थी, लेकिन सरकारी सिस्टम इंजीनियर को बचा नहीं सका और पिता व बचाव दल के सामने पानी में डूबकर उनकी मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि जिस तरह कार निकालने का प्रयास हुआ, उसी तरह इंजीनियर को बचाने की कोशिश होती तो आज युवराज जिंदा होते। कार को पानी से बाहर निकालने के बाद उसकी फॉरेंसिक जांच कराने की मांग शुरू हो गई है। कार की फोरेंसिक जांच

से पता चल सकेगा कि हादसा कैसे हुआ। लोग कार में तकनीकी खामी, रफ्तार तेज होने जैसी बातें भी कह रहे। ऐसे में कार की फॉरेंसिक जांच करवाने की चर्चा हो रही है। इंजीनियर युवराज ने डूबने से पहले कार की सनरूफ से बाहर निकलकर करीब दो घंटे तक मदद मांगी थी। गड्ढे से कार निकाले जाने के बाद इसकी पुष्टि हुई। इससे पहले कयास लग रहे थे कि युवराज ने कार की खिड़की खोलकर मदद मांगी थी। इंजीनियर की कार में सनरूफ था। कार की छत का शीशा खुला हुआ मिला। घटना के समय युवराज पूरे होश में थे और उन्होंने जिंदगी बचाने के पूरे प्रयास किए। जैसे ही कार पानी में गिरी और धीरे-धीरे डूबने लगी तो युवराज कार का सनरूफ खोलकर ऊपर आ गए। छत पर बैठकर मदद मांगी। मोबाइल से फोन किया। टॉर्च जलाकर अपनी लोकेशन बताई। करीब दो घंटे तक कार की छत पर लेटकर मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन सरकारी सिस्टम की नाकामी के चलते वह जिंदगी की जंग हार गए। सनरूफ के अंदर से पानी भर गया और इसके बाद कार पूरी तरह पानी में डूब गई। नोएडा, एजेंसी। युवराज मेहता की मौत मामले में एक और हैरानजनक खुलासा हुआ है। गूगल अर्थ की उपग्रह तस्वीरों से पता चला है कि सेक्टर-150 स्थित गड्ढा वर्ष 2021 से ही दिख रहा था। नवंबर 2021 के मानसून में पहली बार इसमें पानी भरा देखा गया। वर्ष 2009 से मार्च 2025 के बीच की उपग्रह तस्वीरों के विश्लेषण में ये खुलासा हुआ है। वर्ष 2015 से पहले ये क्षेत्र कृषि भूमि के रूप में दिख रहा था। वर्ष 2016-17 में स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट की अनुमति के बाद कृषि भूमि पर निर्माण शुरू हुआ। इसके बाद यहां गड्ढा दिखना शुरू हो गया था।

मनोज तिवारी के घर चोरी करने वाला गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी के पूर्व घरेलू सहायक को फ्लैट में सेंध लगाने और 5.4 लाख रुपये चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीनियर पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी सुरेंद्र कुमार दीनानाथ शर्मा को 2 साल पहले नौकरी से निकाल दिया गया था और पिछले सप्ताह वह अंधेरी स्थित फ्लैट में नकली चाबियों का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। एफआईआर के अनुसार, तिवारी के प्रबंधक प्रमोद जोगेंद्र पांडे ने आरोप लगाया है कि पिछले साल जून में एक कमरे से 4.4 लाख रुपये गायब हो गए थे, जिसके बाद दिसंबर में परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार, प्रमोद पांडे ने आरोप लगाया है कि जब वह पिछले सप्ताह किसी काम से बाहर गए थे, तो उन्हें अपने मोबाइल फोन पर अलर्ट प्राप्त हुआ और सीसीटीवी फुटेज में आरोपी को डुप्लीकेट चाबियों का इस्तेमाल करके फ्लैट में प्रवेश करते व अलमारी से नकदी चुराते हुए देखा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रबंधक ने इमारत के सुरक्षा गार्ड को सतर्क किया, जिसने एक लाख रुपये चुराने वाले आरोपी को पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज दिखाए जाने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर चोरी की बात कबूल कर ली और उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। दूसरी ओर, लोक निर्माण विभाग की ओर से पिछले साल किए गए सुरक्षा ऑडिट में पूरी दिल्ली में 7,500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे निष्क्रिय अवस्था में पाए गए थे। राष्ट्रीय राजधानी को अधिक सुरक्षित बनाने के मकसद से 2020 में सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने की पहल शुरू की गई थी।

परिसीमन ने बढ़ाई सिद्धारमैया की चिंता, बोले- दक्षिण भारत के राज्यों की घट जाएगी लोकसभा सीटें

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लोकसभा सीटों के आगामी परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। बेंगलुरु में 'सेंटर फॉर सोशलिस्ट स्टडीज' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि दक्षिण भारत के राज्यों को उनकी प्रगति और सफलता के लिए दंडित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने चिंता जताई कि यदि परिसीमन हालिया जनगणना के आधार पर हुआ, तो दक्षिण भारत के राज्यों की राजनीतिक ताकत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्र के कहने पर हमने जनसंख्या नियंत्रित की, शिक्षा में निवेश किया और महिलाओं को सशक्त बनाया। लेकिन अब हमें बताया जा रहा है कि इस सफलता के बदले हमारी लोकसभा सीटों की संख्या घटा दी जाएगी।' सिद्धारमैया ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि यदि 2021 या 2031 की जनगणना को आधार बनाया गया, तो कर्नाटक की सीटें 28 से घटकर 26 रह सकती हैं। आंध्र प्रदेश (अविभाजित) की सीटें 42 से घटकर 34 हो सकती हैं। तमिलनाडु की सीटें 39 से गिरकर 31 और केरल की सीटें 20 से घटकर मात्र 12 रह सकती हैं। इसके विपरीत, उत्तर भारतीय राज्यों की सीटों में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने मांग की कि केंद्र को या तो 1971 की जनगणना को आधार बनाए रखना चाहिए या फिर सीटों की संख्या इस तरह बढ़ानी चाहिए कि किसी राज्य का प्रतिनिधित्व कम न हो।

असम में बोडो और आदिवासी समुदायों के बीच झड़प के बाद आरएएफ तैनात

एक व्यक्ति की मौत के बाद बिगड़े हालात

कोकराझार एजेंसी। असम के कोकराझार जिले में भीड़ की हिंसा में एक व्यक्ति की मौत के बाद मंगलवार को बोडो और आदिवासी समुदायों के बीच झड़पें हुईं। इसके बाद रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) को तैनात किया गया और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

गृह विभाग के अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात कोकराझार थाने के अंतर्गत करीगांव चौकी क्षेत्र में मानसिंह रोड पर तीन बोडो लोगों को ले जा रहे एक वाहन ने दो आदिवासियों को टक्कर मार दी। इसके बाद

आदिवासी ग्रामीणों ने तीनों बोडो लोगों के साथ मारपीट की और वाहन में आग लगा दी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना को लेकर मंगलवार को तब हालात बिगड़ गए, जब बोडो और आदिवासी समुदायों के लोगों ने करीगांव चौकी के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, टायर जलाए और कुछ घरों को आग लगा दी। एक सरकारी कार्यालय को भी आग के हवाले कर दिया और करीगांव पुलिस चौकी पर हमला किया गया। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने और हालात नियंत्रित करने लिए आरएएफ को तैनात किया गया। गृह विभाग ने इंटरनेट मीडिया के इस्तेमाल से भड़काऊ संदेशों और अफवाहों के फैलने की आशंका के मद्देनजर अगले आदेश तक पूरे जिले में इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया है।

भीड़ के हमले में एक की मौत, चार घायल

असम के कोकराझार जिले में मवेशी चोरी के संदेह में भीड़ ने पीट-पीटकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी और हमले में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एक सड़क निर्माण प्रोजेक्ट से जुड़े लोग सोमवार रात औडांग इलाके में एक स्थल के निरीक्षण के बाद अपने वाहन से लौट रहे थे। उनका वाहन जब गौरीनगर-मशिंग रोड पर पहुंचा तो ग्रामीणों ने मवेशी चोर के संदेह में उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस कवायद में वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया और सड़क से नीचे चला गया। भीड़ ने वाहन में सवार लोगों पर हमला कर दिया और वाहन में आग लगा दी, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जिसमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वह प्रोजेक्ट के ठेकेदार मोरांडा बसुमतारी का दामाद बताया गया है।

यूरोप में शुरू हो रही नई टी-20 लीग

ईटीपीएलः अभिषेक बच्चन और स्टीव वॉ जैसे बड़े नाम जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) का ऐलान किया गया है। 6 टीमों के बीच खेली जाने वाली इस लीग में ऑनर के तौर पर क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियां जुड़ी हुई हैं। प्रमुख नामों में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी काइल मिल्स और नाथन मैकुलम भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी लीग में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि की गई कि स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी ओनरशिप का हिस्सा होंगे। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स में खेली जाएगी। इसका उद्देश्य यूरोप में क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाना है।

लीग पिछली गर्मियों में लॉन्च होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 में शुरू करने की तैयारी है। लीग की तीन फ्रेंचाइजियों में एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग हैं। अन्य तीन टीमें अभी बिकनी बाकी हैं। भविष्य में बिकने वाली टीमों के बेस डबलिन, रॉटरडैम और ग्लासगो में होंगे। लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाना है। यह आईसीसी से मान्यता प्राप्त पहली ऐसी टी20 लीग होगी, जो एक से ज्यादा देशों में आयोजित की जाएगी। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, यह इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग के फाइनल के करीब 10 दिन बाद शुरू होगी, हालांकि इसके कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से टकराने की संभावना बनी हुई है। स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स फ्रेंचाइजी के मालिक निवेशक समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में ऑस्ट्रेलिया के

पूर्व फील्ड हॉकी महान खिलाड़ी जेमी ड्वायर भी शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल आयरिश वुल्व्स फ्रेंचाइजी के को-ओनर हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की इंश्योरेंस कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड जुड़े हुए हैं। नाथन मैकुलम और काइल मिल्स ने एडिनबर्ग फ्रेंचाइजी खरीदी है। ईटीपीएल, क्रिकेट आयरलैंड और भारत की रूल्स ग्लोबल का एक संयुक्त उद्यम है, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके रणनीतिक साझेदार हैं। अभिषेक बच्चन इस लीग के को-फाउंडर हैं, और उनके साथ तीन अन्य भारतीय निवेशक भी जुड़े हैं, जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व सीईओ धीरज मल्होत्रा का नाम भी शामिल है। स्टीव वॉ ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श ने एम्स्टर्डम फ्लेम्स के साथ करार किया है। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा होंगे। टिम डेविड के साथ भी बातचीत चल रही है। वॉ का मानना है कि यह लीग यूरोपियन और कॉन्टिनेंटल खिलाड़ियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। दुनिया के बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ चार-पांच हफ्ते खेलने का मौका स्थानीय खिलाड़ियों की प्रगति को तेज करेगा। इंडियन सुपर लीग, प्रो कबड्डी लीग और इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के माध्यम से स्पोर्ट्स से लंबे समय से जुड़े अभिषेक बच्चन की विदेशी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में यह पहली बड़ी भागीदारी है। लीग के को-फाउंडर अभिषेक बच्चन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि ईटीपीएल जल्द ही एक भारतीय ब्रॉडकास्टर के साथ करार करने वाली है। पहले सीजन के मुकाबले आयरलैंड और नीदरलैंड्स में खेले जाएंगे, जबकि फाइनल वेन्यू अभी तय किए जा रहे हैं। इस लीग का मकसद सिर्फ क्रिकेट कराना नहीं, बल्कि यूरोप में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और फैंस को एक यादगार टी20 अनुभव देना है।

लेह में छठे खेलो इंडिया शीत खेलों की शुरूआत, आइस हॉकी सहित ये खेल भी होंगे शामिल

लेह (एजेंसी)। उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने अत्याधुनिक एनडीएस आइस हॉकी स्टेडियम पर छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2026 की शुरूआत की मंगलवार को घोषणा की। खेल अगले सात दिन तक चलेंगे और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर इनका समापन होगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि 19 प्रदेशों के 1060 प्रतिभागी इन खेलों में भाग लेंगे जिनमें खिलाड़ी, तकनीकी अधिकारी, सहयोगी स्टाफ और वालिंटियर के साथ भारतीय सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस शामिल है। उन्होंने कहा कि आइस हॉकी और स्पीड स्केटिंग के अलावा पहली बार फिगर स्केटिंग की स्पर्धायें भी होंगी। उद्घाटन समारोह में गुप्ता ने कहा कि लगातार तीसरे साल खेलों की मेजबानी से लद्दाख की क्षमता, प्रतिबद्धता और चुनौतीपूर्ण उच्च पर्वतीय हालात में बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी की तैयारियों पर देश का भरोसा झलकता है। उन्होंने खेलों के विकास के लिये विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एनडीएस आइस हॉकी रिंक, गुपुक तालाब और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर रिंक खेलों के लिये पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीएस स्टेडियम पर 53.58 करोड़ रूपए की लागत से आइस हॉकी रिंक बड़ी उपलब्धि है और कारगिल में एक और आइस हॉकी रिंक तैयार हो रही है जिससे लद्दाख में शीतकालीन खेलों का बुनियादी ढांचा और मजबूत होगा।

रियल मैड्रिड की बड़ी जीत

स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

मैड्रिड, एजेंसी। काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रेंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया। दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया। अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्डसन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

213 रन ठोकने वाली दिल्ली कैपिटल्स की तूफानी बल्लेबाज पर जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज लिजेल ली पर जुर्माना लगाया गया है. इतना ही नहीं डब्ल्यूपीएल 2026 में अब तक 213 रन ठोक चुकी इस खिलाड़ी के खाते में जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं. लेकिन, बड़ा सवाल ये है कि लिजेल ली से गलती क्या हुई? कब हुई? ये पूरा मामला डब्ल्यूपीएल 2026 में 20 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले मुकाबले से जुड़ा है.

लिजेल ली ने मानी गलती, 10% जुर्माने के साथ मिली ये सजा– लिजेल ली को जब आउट दिया गया वो डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने एक और अर्धशतक के करीब थीं. वो 28 गेंदों में 46 रन बनाकर पूरे विस्फोटक मिजाज में

लाइव मैच में कब घटी घटना?

वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की इनिंग के 11वें ओवर में बल्लेबाजी कर रहीं लिजेल ली को आउट दे दिया गया. वो मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप हुई थीं. मामला थोड़ा नजदीकी था तो उन्हें आउट देने से पहले थर्ड अंपायर ने कैमरों के कई एंगल जांचे. थर्ड अंपायर का ऐसा मानना रहा कि जब गेंद ने विकेट की बेल्स को उड़ाया उस वक्त लिजेल ली का बल्ला हवा में था.

खेल रही थीं. ऐसे में जब उन्हें थर्ड अंपायर ने आउट दिया तो उन्होंने उस फैसले पर थोड़ी नाराजगी जाहिर की, जिसके क्रिकेट की रूल बुक की आचार संहिता के तहत गलत पाया गया.

इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा की

कोलंबो (श्रीलंका) (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार को श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। तीन मैचों की सीरीज का पहला वनडे 22 जनवरी को आर. प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे जबकि प्लेइंग इलेवन में जो रूट, विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर और लेग-स्पिनर आदिल राशिद जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। पहले वनडे से पूर्व हैरी ब्रूक ने माना कि वह इंग्लैंड की कप्तानी करने के लिए काफी भाग्यशाली हैं, उन्होंने नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे इंटरनेशनल से एक रात पहले एक नाइटक्लब बाउंसर के साथ हुई अपनी कहासुनी के बारे में बताया।

टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने स्कूलों में पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 'क्लास ऑफ 26' सीरीज के तहत हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने शिक्षण संस्थानों में पहुंचा। यह सीरीज मौजूदा वर्ल्ड कप टीम के सदस्यों के शुरुआती सफर का जश्न मनाती है और डीपी वर्ल्ड के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर के दौरान देश भर में अगली पीढ़ी को प्रेरित करने का लक्ष्य रखती है। क्लास ऑफ 26 का लक्ष्य है कि भारतीय क्रिकेट टीम के हर सदस्य के पुराने स्कूलों में प्रतिष्ठित ट्रॉफी को वापस ले जाया जाए, क्योंकि वे अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बरकरार रखकर इतिहास रचने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रयास का मकसद ट्रॉफी को उन संस्थानों तक ले जाना है जहां इन स्टार खिलाड़ियों के सपने पहली बार जागे, प्रतिभा पहली बार पहचानी गई और विश्वास पहली बार बना। तीनों संस्थानों में, ट्रॉफी का स्वागत औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया, जिसके बाद छात्रों ने टूर्नामेंट के शुभंकर ब्लेज और टोंक के साथ मज़ेदार गतिविधियों में हिस्सा लिया। छात्रों ने इंटरैक्टिव गेम्स और चुनौतियों में भी हिस्सा लिया। पहला पड़ाव वडोदरा के एमके हाई स्कूल में था, जो भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का पुराना स्कूल है। इस मौके पर प्रिंसिपल विनय तुलसी और डायरेक्टर सुभाष पांड्या मौजूद थे। इसके बाद यह टूर पटना के कॉलेज ऑफ कॉमर्स गया, जहाँ विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन पढ़ते थे। इस दौरे में वाइस प्रिंसिपल डॉ. एम फैज़ल, स्पोर्ट्स इंचार्ज के.बी. पद्मादेव, और दूसरे टीचिंग स्टाफ, जिनमें डॉ. मुकेश कुमार मधुकर, प्रो. मृदुला कुमारी, डॉ. मनीषा रॉय, डॉ. अयान मुखर्जी और श्री सत्यम कुमार शामिल थे, मौजूद थे।

तीसरा दौरा तिरुवनंतपुरम के मार इवानियोस कॉलेज में हुआ, जो भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन का पुराना कॉलेज है। इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ. मीरा जॉर्ज और दूसरे टीचिंग स्टाफ, जिनमें फादर थॉमस कैयलेकल, बर्सर, डॉ. टॉम थॉमस, डॉ. जिजी कुरियन, डॉ. रतीश आर और डॉ. दीपा मैरी जोसेफ शामिल थे, मौजूद थे।

सिंधु और श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के पहले राउंड में जीते

किरण-आकर्षी बाहर, मिक्स्ड डबल्स में भारतीय जोड़ियां हारीं

इंडोनेशिया (एजेंसी)। डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में जगह बना ली।

विमेंस सिंगल्स में पांचवीं सीड पीवी सिंधु ने जापान की मनामी सुइजु को कड़े मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। यह मैच 53 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने अहम पलों में संयम दिखाते हुए जीत तय की। विमेंस सिंगल्स में पांचवीं सीड पीवी सिंधु ने जापान की मनामी सुइजु को 22-20, 21-18 से हराया।

श्रीकांत ने 22वें रैंकिंग के खिलाड़ी को हराया

मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वतनाबे को 1 घंटे 12 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी। श्रीकांत का अगला मुकाबला टूर्नामेंट की चौथी सीड चाउ

टिएन चेन से होगा, चाउ ने आयरलैंड के न्हात गुयेन को 21-14, 21-15 से हराया।

किरण जॉर्ज और आकर्षी कश्यप पहले राउंड में बाहर

भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन निराशाजनक रहा। किरण जॉर्ज मेन्स सिंगल्स के पहले राउंड में इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 17-21, 14-21 से हारकर बाहर हो गए। विमेंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप भी शुरुआती दौर में डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से हार गईं।

मिक्स्ड डबल्स में भारत का अभियान पहले दौर में ही समाप्त हो गया। रोहन कपूर और रुथविका गड्डे की जोड़ी को फ्रांस के चौथी वरीयता प्राप्त थॉम गिक्केल और डेलफिन डेलरू ने 9-21, 20-22 से हराया। वहीं ध्रुव कपिला और तनिष क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन मायो और लिया पालेरमो की जोड़ी के खिलाफ 23-21, 20-22, 6-21 से हार का सामना करना पड़ा।

लिटन दास बोले- हमें खुद नहीं पता कहां खेलेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के वेन्यू आज तय हो सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को अल्टीमेटम दिया है कि वह तय करके बताए कि उसे भारत में मैच खेलना है या नहीं। क्योंकि, वर्ल्ड कप ग्रुप व शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि, बीसीबी ने अल्टीमेटम मिलने की बात से इनकार किया है।इस बीच बांग्लादेश के टी-20 कप्तान लिटन दास ने मंगलवार को बीपीएल मैच के बाद कहा- वर्ल्ड कप अभी बहुत दूर है। हमें अभी यह भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे भी या नहीं।

दास ने कहा कि उन्हें इस मामले में बीसीबी से कोई जानकारी नहीं मिली है। मेरी तरह पूरा बांग्लादेश अभी सस्पेंस में है। मुझे नहीं पता, लेकिन मुझसे कोई बात नहीं हुई है।

वर्ल्डकप से पहले साउथ अफ्रीका में टी-20 खेलेगी इंडिया विमेंस

नईदिल्ली (एजेंसी)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले टीम इंडिया अब साउथ अफ्रीका में 5 टी-20 की सीरीज खेलेगी। 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहान्सबर्ग और बेनोनी में पांचों मुकाबले होंगे। आईसीसी टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया से भी खेलेगा भारत

टीम इंडिया ने नंवबर 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद दिसंबर में श्रीलंका से टी-20 सीरीज खेली। भारत को इसमें 5-0 से जीत मिली। टीम अब फरवरी-मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी-20 की सीरीज खेलेगी। फिर अप्रैल में साउथ अफ्रीका से खेलने के बाद टीम वर्ल्ड कप से ठीक पहले इंग्लैंड में ही होम टीम से भी टी-20 सीरीज खेलेगी।

साउथ अफ्रीका भी 2 टीमों से भिड़ेगी

साउथ अफ्रीका को फरवरी-मार्च में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज खेलनी है। टीम मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड का दौरा करेगी, फिर घर लौटकर भारत के खिलाफ 5 टी-20 खेलेगी। 17 और 19 अप्रैल को डरबन में 2 मैच होंगे। 22 और 25 अप्रैल को जोहान्सबर्ग में 2 मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं 27 अप्रैल को बेनोनी में आखिरी टी-20 होगा।

एक ही ग्रुप में साउथ अफ्रीका और भारत

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड में 12 जून से खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका और भारत दोनों ग्रुप-1 में है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और क्वालिफायर स्टेज से आने वालीं 2 टीमें भी रहेंगी।साउथ अफ्रीका पिछले 3 आईसीसी वर्ल्ड कप से फाइनल हार रही है। टीम को टी-20 टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हार मिली, वहीं वनडे में उन्हें भारत ने खिताबी मुकाबला हराया। दूसरी ओर इंडिया विमेंस 2020 में एक ही बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन वहां उन्हें ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

नगर निकाय निर्वाचन 2026 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, अधिकारियों को मिले कड़े निर्देश

दुमका (नि. सं.)। नगर निकाय निर्वाचन-2026 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। बुधवार को समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निर्वाचन के लिए गठित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों, सहायक नोडल पदाधिकारियों और निर्वाची पदाधिकारियों के साथ तैयारियों की विस्तृत रूपरेखा साझा की गई। कोषांगों की बारीकी से समीक्षा बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने एक-एक कर सभी कोषांगों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन कार्य की पवित्रता बनाए रखने के लिए इसे निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रशिक्षण और मैनपावर पर जोर डीडीसी ने सभी नोडल पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कोषांगों में प्रतिनियुक्त अधिकारियों और कर्मियों को जल्द से जल्द आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करें। साथ ही, चुनाव के दौरान जरूरी मानव संसाधन का सही आकलन कर उसकी सूची तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि अंतिम समय में कोई कमी न रहे। चुनावी प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए उप विकास आयुक्त ने मतपेटिकाओं की रंगाई-पुताई और मरम्मत के साथ-साथ निर्वाचन सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, वाहन कोषांग को निर्देश दिया गया कि वे चुनाव ड्यूटी के लिए आवश्यक वाहनों की संख्या का सटीक आकलन कर समय रहते अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करें। बैठक में जानकारी दी गई कि नगर परिषद दुमका और नगर पंचायत बासुकीनाथ में निकाय चुनाव होने हैं। डीडीसी ने अधिकारियों को हिदायत दी कि सभी विभाग और कोषांग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने दो टूक कहा कि तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक के बाद यह साफ है कि प्रशासन आगामी निकाय चुनाव को लेकर पूरी तरह सजग है और आने वाले दिनों में चुनावी गतिविधियों में और तेजी देखने को मिलेगी।

गणतंत्र सप्ताह क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक समिति की समीक्षा बैठक आहूत

गोड्डा (नि. सं.)। गणतंत्र सप्ताह क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक समारोह आयोजन समिति की समीक्षा बैठक मंगलवार शाम समिति अध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव की अध्यक्षता में उनके आवासीय कार्यालय में हुई। बैठक में आयोजन की अब तक की तैयारियों से संबंधित सभी बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक समीक्षा हुई। खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज जहां परंपरानुसार गुरुवार 22 जनवरी की सुबह 8 बजे डुमरिया से गोड्डा प्लस टू हाई स्कूल गेट तक साइकिल रेस और उसके अगले दिन शुक्रवार 23 जनवरी की सुबह 8 बजे सिकटिया से गोड्डा प्लस टू हाई स्कूल गेट महिला एवं पुरुष मैराथन रेस से होगा वहीं एथलेटिक्स इवेंट्स के तहत 25 जनवरी को सभी स्पर्धाओं के हिट्स जबकि 26 को फाइनल्स होंगे। इंडोर एवं आउटडोर गेम्स का आयोजन पूर्व की तरह अलग- अलग तिथियों में 27 जनवरी से 1 फरवरी तक होगा। जबकि जिला प्रशासन बनाम पत्रकार फ्रैंडली क्रिकेट मैच का आयोजन गणतंत्र दिवस की संध्या 6 बजे गांधी मैदान में पूर्व की भांति होगी। सांस्कृतिक सप्ताह समारोह के तहत 27 से 31 जनवरी तक प्रति शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों के चयनित कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी जिसका ग्रैंड फिनाले 2 फरवरी को होगा। इस बीच एक फरवरी की तिथि अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन के लिए मुकर्रर की गई है। सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु गायन, नृत्य एवं लघु अभिनय की विधाओं में श्रेष्ठ प्रस्तुतियों के चयन को लेकर 22 जनवरी को भतडीहा स्थित नगर भवन में पूर्वाह्न 11 बजे से 4 बजे तक एक दिवसीय ऑडिशन होगा जहां कोई भी विद्यालय, संस्थान अथवा स्वतंत्र प्रतिभागी उपरोक्त विधाओं में से अधिकतम छः प्रस्तुतियों के साथ शामिल हो सकते हैं। बैठक में आयोजन समिति सदस्यों जिला खेल पदाधिकारी पदाधिकारी सह आयोजन समिति के संयोजक डॉ. प्राण महतो, समिति सदस्य सुरजीत झा, अबुल कलाम आजाद, राजेश झा, संजीव झा, पवन कुमार सिंह, मनीष सिंह, प्रेम नंदन कुमार, सुरेश यादव, दिनेश यादव, अमरेंद्र कुमार अमर, विकास कुमार सिंह, मो. जाहिद इकबाल, मो. शाहीन खान, नवल बिहारी झा, पुनीत सिंह, नीरज कुमार, अखिल कुमार झा, अमरेंद्र सिंह बिट्टू, गुंजन कुमार झा, मोनालिसा, मो. असलम परवेज, नीरज कुमार, आर्यन चंद्रवंशी, भूपेश कुमार, शक्ति कुमार, प्रियव्रत परमेश, ज्योतिंद्र झा, मिथिलेश कुमार, संगीता कुमारी, दीपक सिंह, करण कुमार कश्यप, मो. इम्तियाज अहमद, सुनील कुमार मित्रा, सनोज कुमार, भास्कर कुमार, निखिल कुमार झा एवं सिकंदर महतो, शामिल थे।

नशा मुक्त समाज के निर्माण को लेकर लें संकल्प : डालसा

गोड्डा (नि. सं.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष रमेश कुमार व सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर जिले के विभिन्न प्रखंडों के लीगल एड क्लिनिक की ओर से जगह-जगह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में उत्क्रमित उच्च विद्यालय तरखुट्टा, पोड़ैयाहाट में अधिकार मित्र मो. हसीब व शंकर चंद्र सेन ने नशा मुक्त समाज के निर्माण को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान शिक्षक व छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्त समाज बनाने में अहम योगदान देने का संकल्प लिया। स्कूल के प्रधानाध्यापक अखिल मंडल, सहायक शिक्षक पुष्पा देवी , बृज किशोर मांझी आदि ने कहा कि नशा समाज के विकास में सबसे बड़ा बाधक है। खासकर महिलाएं नशापान से सबसे अधिक प्रभावित हैं। नशा से महिलाओं को रोज प्रताड़ना व कलह का सामना करना पड़ता है। नशा किसी भी प्रकार हो वह शरीर व समाज दोनों के लिए हानिकारक है। आजकल स्कूल, कालेज की छात्र-छात्राएं भी ड्रग्स की चपेट में आकर अपनी जिंदगी को नर्क बना रहे हैं। इसके लिए दृढ़ संकल्प की जरूरत है । इसके साथ ही बाल विवाह पर भी प्रकाश डाला। कहा कि पढ़ने की उम्र में बच्चे-बच्चियों की शादी कदापि नहीं करें। लड़कों की शादी के लिए 21 व लड़कियों की शादी के लिए 18 वर्ष निर्धारित है। इससे कम में हुई शादी कानूनन जुर्म है। ऐसे किशोरों की शादी रचाने माता-पिता, बाराती, नाई, पंडित आदि के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

सामाजिक कुरीतियां समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा : उपायुक्त

सुरक्षित एवं सशक्त महिला, बाल विवाह मुक्त झारखंड को लेकर कार्यशाला आयोजित

निज संवाददाता | गोड्डा

स्थानीय नगर भवन में राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी संकल्प "सुरक्षित एवं सशक्त महिला-सशक्त झारखंड" तथा "बाल विवाह मुक्त झारखंड" को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से गोड्डा अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपायुक्त अंजली यादव, अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी सहित अन्य गणमान्य के द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सामाजिक कुरीतियां समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा हैं और इनके विरुद्ध सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने बाल विवाह को एक गंभीर सामाजिक अपराध बताते हुए इसे जड़ से समाप्त करने के लिए प्रशासन, संबंधित विभागों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सभी वर्गों के समन्वित सहयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें, विद्यालयों, पंचायतों एवं समुदाय स्तर पर संवाद स्थापित करें तथा योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक समयबद्ध रूप से पहुँचाएं। उन्होंने बताया कि उक्त मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कुरीति निवारण योजना के प्रावधानों, पात्रता, लाभ, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। साथ ही "बाल विवाह मुक्त झारखण्ड" अभियान के अंतर्गत जागरूकता, निगरानी, रिपोर्टिंग तंत्र एवं त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया।

उक्त कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बालिकाओं के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। इसे रोकने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह मुक्त झारखण्ड अभियान कार्यक्रम में संचालित किशोरी समूह के पियर लीडर द्वारा बाल विवाह रोकथाम के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन कर अधिकारियो एवं दर्शकों का मन मोह लिया। नाटक में दिखाया गया कि बाल विवाह से कैसे किशोरियों कि पढ़ाई छूट जाती है और उनके सपने अधूरे रहे जाते है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारीगण, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहायिकाएं, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित विभागों के कर्मीगण उपस्थित रहे।

साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

कार व मोबाइल बरामद

निज संवाददाता | दुमका

जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने साइबर ठगी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक टाटा पंच कार, पांच मोबाइल फोन और नकद राशि बरामद की गई है।

मामले में अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घटना 19 जनवरी 2026 की है, जब नाविर दास ने थाना सरैयाहाट में मौखिक सूचना दी कि उनके 19 वर्षीय पुत्र निरंजन दास को एक टाटा पंच कार से घर के सामने से उठाकर ले जाया गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम कोठिया में संदिग्ध वाहन का पता लगाया। वाहन की तलाशी के दौरान रौशन शर्मा और हिरो रजक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी दी। जांच में सामने आया कि करण कुमार नामक व्यक्ति साइबर ठगी के माध्यम से विभिन्न खातों में पैसा मंगवाता था और कमीशन के बदले स्थानीय युवकों से बैंक खाते की व्यवस्था कराता था। इसी क्रम में निरंजन दास और उसके ममेरे भाई टुवन दास के एक्सिस बैंक खाते का उपयोग कर 50 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। इस राशि में से कुछ पैसे एटीएम और ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से निकाले गए। पुलिस ने आगे की कार्रवाई में टुवन दास को बरमनिया से हिरासत में लिया। 20 जनवरी 2026 को पुलिस टीम ने ग्राम घघरी में छापेमारी कर करण कुमार को उसके रिश्तेदार के घर से पकड़ा।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की व्यापक समीक्षा

निज संवाददाता | दुमका

उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई, जिसमें सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास, पोषण, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, कौशल विकास, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाएँ प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए और योजनाओं का लाभ समय पर अंतिम पंक्ति के पात्र लाभुकों तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता के लिए विभागीय अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय आवश्यक है तथा जमीनी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए। उप विकास आयुक्त ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी विभाग अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य में तेजी लाएँ और गुणवत्ता के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में योजनाओं की प्रगति को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक, समयबद्ध व पारदर्शी भुगतान पर जोर

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले में संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध स्वीकृति एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं अनुश्रवण समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अन्य पात्र श्रेणियों के छात्र-छात्राओं हेतु संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि सभी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन समय पर स्वीकृत कर छात्रवृत्ति की राशि शीघ्र उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाए, ताकि किसी भी छात्र की पढ़ाई आर्थिक कारणों से बाधित न हो।

उपायुक्त ने छात्रवृत्ति आवेदनों की जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सटीकता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि अपूर्ण या त्रुटिपूर्ण आवेदनों को शीघ्र सुधार हेतु संबंधित विद्यालयों/महाविद्यालयों के माध्यम से छात्रों को सूचित किया जाए। साथ ही, लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान वर्ग एक से आठ तक एससी, एसटी एवं ओबीसी के 22379 बच्चों के बीच 4 करोड़ 18 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई जो उनके बैंक खाता में पीएफएमएस के माध्यम से भेजी जाएगी। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि छात्रवृत्ति योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन पोर्टल पर डाटा प्रविष्टि, सत्यापन एवं भुगतान की स्थिति की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया गया। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर प्रसाद सिंह सहित जिला कल्याण विभाग के कर्मीगण उपस्थित थे।

संप महिला महाविद्यालय दुमका में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

निज संवाददाता | दुमका

सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत बुधवार को जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका के निर्देश पर संथाल परगना महिला महाविद्यालय, दुमका में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व मोटरयान निरीक्षक विनय किशोर देव ने किया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई और सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया गया। मोटरयान निरीक्षक ने छात्राओं को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा ट्रैफिक सिग्नल और यातायात संकेतों का पालन करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं और यदि लोग थोड़ी सी सावधानी बरतें तो कई कीमती जिंदगियों को बचाया जा सकता है। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को यह संदेश दिया गया कि सड़क पर छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, जबकि थोड़ी सी सतर्कता जीवन की बड़ी सुरक्षा बन जाती है। सभी छात्राओं से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार व समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। अभियान के अंत में सभी छात्राओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई, जिसमें नियमों का पालन करने और सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया गया।

कौशल विकास योजना से बनेगी महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता की नई कहानी - सांसद नलिन सोरेन

निज संवाददाता | शिकारीपाड़ा (दुमका)

बुधवार को आयोजित सिलाई मशीन प्रशिक्षण सह वितरण कार्यक्रम ने ग्रामीण महिलाओं के बीच नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया। कार्यक्रम के तहत दर्जनों महिलाओं को सिलाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, वहीं उन्हें आधुनिक सिलाई मशीनें भी उपलब्ध कराई गईं, ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम में दुमका सांसद नलिन सोरेन विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए और महिलाओं के बीच सिलाई मशीनों का वितरण किया। इस अवसर पर बीडीओ मो. एजाज आलम, अंचलाधिकारी कपिल देव ठाकुर, जिला परिषद सदस्य प्रकाश हांसदा, झामुमो प्रखंड सचिव प्रभुनाथ हांसदा, युवा संघ अध्यक्ष दुलाल बेसरा, विभिन्न पंचायतों की मुखियाएं सहित प्रखंड के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सिलाई मशीनें प्राप्त कर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला और सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। सांसद नलिन सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। सिलाई प्रशिक्षण और मशीन वितरण से महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे और वे अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि कौशल विकास मिशन और जेएसएलपीएस के माध्यम से सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि ग्रामीण महिलाएं हुनर सीखकर अपने पैरों पर खड़ी हों।

उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना समाज और परिवार दोनों के विकास के लिए आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बन रहे हैं। कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी पहल बताया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने भी महिलाओं को प्रशिक्षण का सही उपयोग कर स्वरोजगार अपनाने और अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन से यह स्पष्ट हुआ कि सरकार की योजनाएं जमीनी स्तर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

नाबालिग को भगाने के मामले में छह साल की सजा

दुमका (नि. सं.)। पोक्सो के विशेष न्यायाधीश सह जिला जज प्रथम कुमार पवन की अदालत ने नाबालिग को शादी की नियत से भगाने के मामले में अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने जामा थाना क्षेत्र के पारापलासी निवासी विनोद मंडल को दोषी ठहराते हुए छह वर्ष सश्रम कारावास एवं 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल सात गवाहों का परीक्षण कराया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोप को सिद्ध मानते हुए सजा सुनाई। यह मामला जुलाई 2023 की घटना से जुड़ा है। इस संबंध में पोडैयाहाट थाना में दर्ज प्राथमिकी में नाबालिग के पिता ने बताया था कि उनकी पुत्री स्कूल पढ़ने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर शादी की नियत से भगा लिया है। इसके बाद पीड़ित परिवार की ओर से थाना में मामला दर्ज कराया गया था।

आपनार आतो कामी कार्यक्रम का भव्य आयोजन, सैकड़ों लाभार्थी हुए शामिल

रामगढ़ (दुमका) कांजवे पंचायत के मोहनपुर मैदान में बुधवार को "आपनार आतो कमी" कार्यक्रम का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक डॉ लुईस मरांडी प्रखंड प्रमुख बाबुलाल मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेंद्र कुमार सिन्हा, कांजवे पंचायत के मुखिया चार्लेस बेसरा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों युवक-युवतियों, महिलाओं, मनरेगा मजदूरों एवं श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए थे स्टॉलों के माध्यम से लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी, मार्गदर्शन एवं पंजीयन की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई। श्रम विभाग द्वारा कार्यक्रम के दौरान कुल 226 लोगों का प्रवासी मजदूर के रूप में निबंधन किया गया, जिससे उन्हें विभिन्न श्रम कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

वहीं कल्याण गुरुकुल के अंतर्गत कुल 92 युवक-युवतियों का निबंधन किया गया, जिन्हें भविष्य में कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्नति (मनरेगा) स्टॉल पर मजदूरों को मनरेगा से संबंधित जानकारी दी गई तथा रोजगार के अवसरों पर परामर्श प्रदान किया गया। कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, बीज एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। पशुपालन एवं मत्स्य विभाग द्वारा पशुपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं मत्स्य पालन से संबंधित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देकर इच्छुक लाभार्थियों का पंजीयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान परिसंपत्ति वितरण भी किया गया। इस क्रम में विधायक डॉ लुईस मरांडी के कर-कमलों द्वारा वृद्धा पेंशन के 08 विधवा पेंशन के 02 लाभार्थियों मनरेगा जॉब कार्ड 06 लाभार्थियों को तथा श्रम कार्ड 12 लाभार्थियों को प्रदान किया गया।अपने संबोधन में विधायक डॉ लुईस मरांडी ने कहा कि "आपनार आतो कमी" कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं, श्रमिकों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पलायन पर रोक लगेगी।

अनियंत्रित मिनी ट्रक के चपेट में आने से दो बच्ची घायल

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

प्रखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत सरोतिया के पास बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अनियंत्रित मिनी ट्रक ने सड़क किनारे जा रही दो नाबालिग लड़कियों को जोरदार ठोकर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं घायलों की पहचान आशा कुमारी (उम्र 12 वर्ष), पिता सुशील दास, रजनी कुमारी (उम्र 14 वर्ष), पिता छबीस दास है। बताया गया कि दोनों लड़कियां एक ही गांव चोचक, वनरचूहा की रहने वाली हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मिनी ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी, जिस कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और यह हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तत्परता दिखाते हुए दोनों घायल बच्चियों को इलाज के लिए महागामा सदर स्वास्थ्य केंद्र (रेफरल अस्पताल) पहुंचाया।

वहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।घटना की जानकारी मिलते ही महागामा थाना प्रभारी समेत थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मिनी हाईवा चालक की पहचान और वाहन से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में रोष और चिंता का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों ने सरोतिया मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती, स्पीड ब्रेकर निर्माण और नियमित पुलिस गश्त की मांग की है।

अदाणी फाउंडेशन का महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

सिलाई प्रशिक्षण से जुड़ी महिलाओं को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता | गोड्डा

डुमरिया स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में अदाणी फाउंडेशन द्वारा महिलाओं के लिए एक विशेष सम्मान एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सिलाई प्रशिक्षण से जुड़ी महिलाएं, मास्टर ट्रेनर और अदाणी फाउंडेशन की टीम शामिल हुई। कुल करीब 80 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अदाणी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने महिलाओं के कार्यों की सराहना की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और गरीब परिवारों की महिलाओं को सिलाई और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। अदाणी फाउंडेशन के इस प्रयास से गोड्डा जिले में पिछले 7 वर्षों में 2000 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आज कई महिलाएं हर महीने 5 से 6 हजार रुपये तक की कमाई कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने अपने अनुभव और सफलता की कहानियां साझा कीं। सिलाई से बने कपड़ों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे सभी ने खूब सराहा। बेहतरीन काम करने वाली महिलाओं और मास्टर ट्रेनरों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने अदाणी फाउंडेशन का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस पहल ने उनके जीवन में नया आत्मविश्वास और सम्मान दिया है। गोड्डा जिले में अदाणी फाउंडेशन की यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक विकास की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है।